हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

1 शाह अस्पताल पहुंचे

2 पीड़ित परिवारों से मिले

3 आईपीएल में बांधी काली पट्टी, एक मिनट का मौन

पाकिस्तान में बैठे हैं आतंकियों के आका

- पाक के रावलकोट में बैठे हमले के मास्टरमाइंड आतंकी सैफुल्लाह खालिद की खैर नहीं
- पाक ने हमले के डर से एलओसी पर टोही विमानों को लगाया, हाई अलर्ट घोषित किया
- पहलगाम के कुछ आतंकियों ने बॉडी कैमरा लगाया था। हमले को आतंकियों ने रिकॉर्ड किया था
- ये रिकॉर्डिंग वे रावलकोट में बैठे अपने आका सैफुल्लाह को भेज रहे थे
- इन 4 आतंकियों के साथ 4 और आतंकी थे, जो उनको कवर देने व भगाने में मददगार रहे
- ये सभी आतंकी पहाड़ों पर तेजी से चढ़ने में माहिर बनाए गए थे, इनकी ट्रेनिंग पाकिस्तान में हुई थी
- माना जा रहा है कि घाटी में 50 से ज्यादा आतंकी छिपे बैठे हैं। सीमा पार करीब 150 आतंकी घुसपैठ की फिराक में हैं

देश ...इस गहरे जख्म को नम आंखों से याद रखेगा देश का वादा है....दहशतगर्दों को न भूलेंगे... न माफ करेंगे

ये 27 शव नहीं...अडिग संकल्प है...कि हम आतंकवाद को पूरी तरह कुचल देंगे

पर्यटन पर पड़ सकती है मार...छिन सकता है ढाई लाख लोगों का रोजगार

- कश्मीर का सालाना पर्यटन उद्योग 12,000 करोड़ रुपए का है
- 2030 तक ये उद्योग बढ़कर 25,000 करोड़ से 30,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने वाला था
- राज्य की कुल जीडीपी में कश्मीर के पर्यटन की 7-8 प्रतिशत की हिस्सेदारी है
- डल झील में चलती हैं 1500 से ज्यादा हाउस बोट
- इस हमले के बाद 2.5 लाख लोगों की रोजी-रोटी खतरे में आ जाएगी
- कश्मीर में कई छोटे और बड़े होटल हैं, जिनमें 3000 से भी ज्यादा कमरे हैं
- 2024 में कश्मीर आए 2.36 करोड़ सैलानी
- कुल सैलानियों में 65,000 से ज्यादा विदेशी सैलानी थे

देश भर में आतंक व पाक के खिलाफ प्रदर्शन, गुस्साए लोगों ने कहा- अब आतंकियों को खोद कर गाड़ने का वक्त

तीनों सेनाओं ने पीएम मोदी को सौंपे एक्शन के विकल्प, मंजूरी मिलते ही 'घुसकर' मारेंगे

यूएई से लौटते ही पीएम ने हवाई अड्डे पर ही बैठक की। शाम को 6 बजे सीसीएस की बैठक अपने निवास पर की। देश के गुस्से को देखते हुए कोई भी बड़ी सैन्य कार्रवाई का फैसला लिया जा सकता है।

कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ ने रखे थे विकल्प

इस हमले की जांच एनआईए को सौंपी एनआईए की टीम मौके पर पहुंच गई

गृहमंत्री शाह पहलगाम में हमले की जगह पहुंचे। वे अनंतनाग के अस्पताल भी गए और घायलों से हालचाल पूछा। वे वहां सैलानियों से भी मिले। उनको ढांढस बंधवाया।

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

बुधवार सुबह पीएम नरेंद्र मोदी यूएई यात्रा को अधूरा छोड़कर भारत लौट आए। हवाई अड्डे पर ही उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक की और पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद की स्थिति पर चर्चा की। शाम 6 बजे कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की अपने नई दिल्ली स्थित आवास पर बैठक की। बताया जाता है कि तीनों सेनाओं के प्रमुख ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कार्रवाई के विकल्प सौंप दिए हैं। राजनाथ ने इन विकल्पों को पीएम के सामने प्रस्तुत किया। अब सेनाओं को पीएम की हरी झंडी का इंतजार है। बैठक में एनएसए डोभाल, गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। शाह बुधवार सुबह पहलगाम में उस स्थान पर पहुंचे, जहां आतंकियों ने 27 सैलानियों की हत्या कर दी थी। वे अनंतनाग के अस्पताल भी गए और घायलों से हालचाल पूछा। वे वहां सैलानियों से भी मिले। उनको ढाढस बंधवाया। वहीं, इस हमले की जांच एनआईए को सौंप दी है। एनआईए की टीम मौके पर पहुंच गई है।

पीएम मोदी जल्दी ही ले सकते हैं कोई बड़ा फैसला

ये हैं हत्यारे

हमले में पाकिस्तान का हाथ, दो लोकल और दो पाकिस्तानी शामिल तीन संदिग्धों के स्केच जारी

पहलगाम हमले में दो पाकिस्तानी दहशतगर्द भी शामिल थे। उनके साथ में दो स्थानीय आतंकी भी थे। अब तक चार आतंकियों के बारे में जानकारियां सामने आई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने हमला करने वाले तीन आतंकियों के स्केच भी जारी किए हैं। आदिल ठाकुर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। आदिल गुरी, बिजबेहड़ा का रहने वाला बताया जा रहा है। आशिफ शेख का जैश-ए-मोहम्मद से कनेक्शन बताया जा रहा है। आशिफ मोंघामा, मीर मोहल्ला (त्राल) का रहने वाला बताया जा रहा है।

एक से सात अप्रैल तक आतंकियों ने की थी रेकी

हमले को अंजाम देने में 4 आतंकी शामिल थे। 4 उनको कवर देने व भगाने के लिए थे। हमलावरों ने एक से सात अप्रैल तक इस इलाके की रेकी की। सुरक्षाबलों को घटनास्थल से कुछ दूर बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल मिली है।

इधर, संघ ने कहा

केंद्र सरकार का रवैया जैसे को तैसा वाला होना चाहिए

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि इस हमले के बाद केंद्र सरकार का रवैया जैसे को तैसा वाला होना चाहिए।

जम्मू कश्मीर सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

जम्मू-कश्मीर मुख्यमंत्री कार्यालय ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख की अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

एयरलाइंस ने टिकट कैंसिलेशन चार्ज किया माफ, विशेष ट्रेन भी चली

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद दिल्ली में नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने सभी एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ आपात बैठक की। इस दौरान उन्होंने सभी एयरलाइंस को श्रीनगर मार्ग पर हवाई किराये में इजाफा न करने के सख्त निर्देश दिए। इंडिगो और एयर इंडिया ने श्रीनगर से मुंबई और दिल्ली के लिए चार अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने का ऐलान किया। इसके साथ ही एयरलाइंस ने टिकट रिशेड्यूलिंग और टिकट कैंसिलेशन चार्ज भी माफ कर दिया है। कई अतिरिक्त उड़ानों को स्टैंडबाय पर रखा गया है। उधर, कटड़ा से रात 9.20 बजे फंसे यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक विशेष ट्रेन चलाई गई, जो सुबह नई दिल्ली पहुंची।

तस्लीमा नसरीन का तीखा हमला

इस्लाम जब तक अस्तित्व में रहेगा, आतंकवाद जिंदा रहेगा

लेखिका तस्लीमा नसरीन, जिन्हें उनके विचारों के लिए बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा था, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद जिंदा रहेगा। जब तक इस्लाम जीवित रहेगा, गैर-मुसलमानों को कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी, स्वतंत्र विचारकों और तर्कवादियों को कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी, महिलाओं को कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी। इस्लाम की कोख से नफरत पैदा होती रहेगी, बदसूरत राक्षस पैदा होते रहेंगे।

हमले का मास्टरमाइंड आतंकी सैफुल्लाह बोला था...

दो फरवरी 2026 तक कश्मीर पर कर लेंगे 'कब्जा'

हमले का मास्टरमाइंड आतंकी सैफुल्लाह खालिद है। जम्मू-कश्मीर में लश्कर और टीआरएफ की आतंकी गतिविधियों को वही अंजाम दे रहा है। सैफुल्लाह खालिद आतंकी हाफिज सईद का बेहद करीबी है। पाकिस्तानी सेना भी खालिद की मुट्ठी में रहती है। लश्कर-ए-तैयबा के डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद को सैफुल्लाह कसूरी के नाम से जाना जाता है। सैफुल्लाह लग्जरी कारों का शौकीन है। इसके साथ ही वह लश्कर के आतंकियों के अत्याधुनिक हथियारों से लैस सुरक्षा घेरे में रहता है। पहलगाम आतंकी हमले से दो महीने पहले सैफुल्लाह खालिद पाकिस्तान के पंजाब के कंगनपुर पहुंचा था। यहां उसे पाकिस्तानी सेना के कर्नल जाहिद जरीन खट्टक ने जिहादी भाषण देने के लिए वहां बुलाया था। वहां उसने पाकिस्तानी सेना को भारत के खिलाफ भड़काया। खैबर पख्तूनख्वा में आईएसआई और पाकिस्तानी सेना की बैठक में उसने कहा था मैं वादा करता हूं कि आज 2 फरवरी 2025 है। हम दो फरवरी 2026 तक कश्मीर पर कब्जा करने की पूरी कोशिश करेंगे। आने वाले दिनों में हमारे मुजाहिदीन हमले तेज होंगे। दो फरवरी 2026 तक कश्मीर आजाद हो जाएगा। उसके भाषण को सुनने के लिए बड़ी संख्या में हथियारबंद आतंकी शामिल हुए थे।

हमले के विरोध में पूरा जम्मू-कश्मीर बंद

अपनी पत्नी, बेटी और बेटे के साथ छुट्टियां मनाने गए थे कश्मीर

इंदौर के सुशील नथानियल की भी हुई मौत, बेटी को गोली लगी

हरिभूमि न्यूज ⏩ इंदौर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने इंदौर के सुशील नथानियल की जान ले ली। इस हमले में उनकी बेटी के पैर में गोली लगी और वह श्रीनगर में इलाजरत हैं। सुशील अपनी पत्नी जेनिफर, बेटी आकांक्षा और बेटे आस्टन के साथ छुट्टियां मनाने के लिए कश्मीर गए थे। हमले से एक दिन पहले की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें परिवार खुशी के पल बिताता नजर आ रहा है। इंदौर के अभिनंदन नगर एमआर-10 निवासी सुशील नथानियल (58) अलीराजपुर में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के रीजनल मैनेजर थे। उनकी पत्नी जेनिफर (54) इंदौर के खातीपुरा में सरकारी स्कूल में टीचर हैं।

पुरानी यादों के एलबम से

इंदौर में आएगा शव यहीं अंतिम संस्कार

सुशील का शव बुधवार को श्रीनगर से दिल्ली, फिर चंडीगढ़ होते हुए इंदौर लाया जाएगा, जहां उनका अंतिम संस्कार होगा। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने सुशील की मौत की पुष्टि की और कहा कि हम पहलगाम के स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं। सुशील का शव इंदौर लाने और परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए समन्वय किया जा रहा है। आकांक्षा को मामूली चोटें हैं, और उनकी स्थिति स्थिर है।

उरी में घुसपैठ की कोशिश

मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर किए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद से बुधवार को उत्तरी कश्मीर के उरी में सेना के जवानों ने एक घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया है। इस दौरान मुठभेड़ में दो आतंकियों को मार गिराया गया है। बुधवार को उत्तरी कश्मीर में उरी सेक्टर के अंतर्गत आतंकी घुसपैठ का प्रयास कर रहे थे। हालांकि, सेना के जवानों ने आतंकियों के इस प्रयास को विफल कर दिया गया है। फिलहाल यहां आतंकियों और जवानों के बीच में मुठभेड़ जारी है। भारतीय सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई।

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

04 आतंक का कठोर जवाब देगा भारत

मैट्रो
14 मिट्टी युक्त गेहूं या गेहूं युक्त....

रतलाम रहा सबसे गर्म, यहां दर्ज किया गया 44.2 डिग्री तापमान

गर्मी से झुलसे बीस जिले, तीन दिन लू का अलर्ट

- **अगले तीन दिनों के बाद भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत कई शहरों में पारा 43 डिग्री के पार पहुंच सकता है**
- **भोपाल, इंदौर और जबलपुर में लू से राहत, खजुराहो, नौगांव, पन्ना, सीधी में तापमान 45 डिग्री या इससे अधिक रह सकता है**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अप्रैल के आखिरी दिनों में सूरज की तपिश प्रदेश को बेहाल कर रही है। जहां भोपाल, इंदौर और जबलपुर में पारा चढ़ने के बाद भी लू से राहत है, वहीं प्रदेश के बीस जिलों में दिन में लू के साथ रातें भी गर्म हो गई हैं, जिससे लोगों को दिन के साथ रात में भी गर्मी से सुकून नहीं मिल पा रहा।

बुधवार को तेज गर्मी के साथ गुरुवार को भी नर्मदापुरम, बैतूल, बुरहानपुर, खंडवा, रतलाम, नीमच, मंदसौर, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, सतना, उमरिया, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में लू का अलर्ट जारी किया गया है।

राजभवन की सड़क पर गर्मी से सन्नाटा

छह दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

प्रदेश में अप्रैल के आखिरी दिनों में भीषण गर्मी का अलर्ट है। अगले तीन दिनों के बाद भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत कई शहरों में पारा 43 डिग्री के पार पहुंच सकता है, जबकि खजुराहो, नौगांव, पन्ना, सीधी में तापमान 45 डिग्री या इससे अधिक रह सकता है। वहीं, लू भी चलेगी। गुरुवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत अन्य शहरों में भी तेज गर्मी रहेगी। प्रदेश में बुधवार को तेज गर्मी का असर देखा गया। मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह का कहना है कि प्रदेश में अभी मौसम साफ है। इस वजह से गर्मी का असर बढ़ा है। अगले 5 से 6 दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा।

रतलाम सबसे गर्म, पचमढ़ी ठंडा रहा

रतलाम में पारा 44.2 डिग्री रहा, जबकि मंडला, खजुराहो और नर्मदापुरम में 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। दमोह और धार में 42.5 डिग्री रहा। प्रदेश के 5 बड़े शहरों में भी पारा 2 डिग्री तक बढ़ गया। उज्जैन भी गर्म रहा। यहां तापमान 41.7 डिग्री रहा। भोपाल में 40.6 डिग्री, इंदौर में 41 डिग्री और ग्वालियर में 41.2 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 36.4 डिग्री रहा।

भोपाल में 1996 में पड़ी थी सबसे ज्यादा गर्मी

अप्रैल में गर्मी की बात करें तो भोपाल में 29 अप्रैल 1996 को अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस पहुंचा था। इस महीने भोपाल में बारिश-आंधी के आसार भी बनते हैं। यही कारण है कि पिछले कुछ सालों से अप्रैल में बारिश का दौर चल रहा है। इस बार पारा 42 डिग्री के पार पहुंच चुका है।

ऐसा रहेगा अप्रैल का आखिरी सप्ताह

उत्तर-पश्चिमी हवाओं के लगातार जोर पकड़ने के साथ न्यूनतम तापमान पूरे प्रदेश में सामान्य से 3-4 डिग्री अधिक यानि 27 से 30 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। जिससे दिन के साथ रातें भी गर्म हो गई हैं। बंगाल क्षेत्र में साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की वजह से अप्रैल के आखिरी दिनों तक लू का असर रह सकता है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
बेंगलुरु – राजस्थान
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

वर्ल्ड बैंक ने आर्थिक वृद्धि का अनुमान घटाया

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स और भारतीय रिजर्व बैंक के बाद अब वर्ल्ड बैंक ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटा दिया है। वर्ल्ड बैंक ने बुधवार को ग्लोबल आर्थिक कमजोरी और नीति अनिश्चितता के बीच चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को 0.4% घटाकर 6.3% कर दिया। गौरतलब है कि दुनियाभर में छिड़ी ट्रेड वॉर और कई देशों के बीच जारी युद्ध से वैश्विक आर्थिक वृद्धि की रफ्तार सुस्त हुई है। इसका असर भारत पर भी होने का अनुमान है। पिछले अनुमान में भारत की वृद्धि दर 6.7% का अनुमान लगाया था।

गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए किट तैयार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए स्वदेशी रूप से विकसित 'एचपीवी डायग्नोस्टिक किट तैयार है और यह भारतीय महिलाओं में दूसरे सबसे आम कैंसर की जांच के लिए किफायती तरीका साबित होगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) परीक्षण किट के सत्यापन के निष्कर्षों को साझा करने के लिए आयोजित एक बैठक में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए व्यापक जांच कार्यक्रम शुरू करने को लेकर निजी क्षेत्र की भागीदारी का आह्वान किया।

पहलगाम के आतंकी हमले के खिलाफ मप्र में सड़कों पर दिखा लोगों का गुस्सा

भोपाल में मुस्लिम समाज ने पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला दहन किया

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि इन आतंकवादियों के पीछे पनाहगार पाकिस्तान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। इस कुकृत्य का मुंहतोड़ जवाब आतंकियों को जरूर मिलेगा

भोपाल में 'आतंकवाद मुर्दाबाद' और 'मोदी जी 56 इंच का सीना दिखाना होगा' जैसे नारे लगाए गए। इंदौर में धर्म रक्षा समिति ने आतंकवाद के खात्मे का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर आतंकवादियों को फांसी देने की मांग की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पहलगाम में मंगलवार को आतंकी हमले में 27 पर्यटकों की मौत के बाद देशभर में गुस्सा है। लोग सड़कों पर उतरकर आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में भी लोगों ने आतंकवादियों की इस कायराना हरकत की निंदा की है। भोपाल में जय हिंद सेना ने भारत माता चौराहे पर प्रदर्शन किया, तो मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला जलाया। भोपाल के चार बत्ती चौराहे पर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान आतंकवाद मुर्दाबाद और मोदी जी 56 इंच का सीना दिखाना होगा जैसे नारे लगाए गए। इंदौर में धर्म रक्षा समिति ने आतंकवाद के खात्मे का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर आतंकवादियों को फांसी देने की मांग की। जबलपुर में अधिवक्ता संघ ने पाकिस्तान का पुतला जलाया। उज्जैन में भी पाकिस्तान का पुतला फूंका गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है।

इससे शर्मनाक इंसानियत के विरुद्ध कोई काम हो नहीं सकता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने

इंदौर निवासी सुशील के दिवंगत होने पर शोक जताया

आतंकी हमले में इंदौर निवासी सुशील जी की दुखद मृत्यु हुई है। मैं बाबा महाकाल से कामना करता हूं कि उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। यह पाकिस्तान की कायराना हरकत है। पाकिस्तान और उसके पिछलग्गुओं की इस हरकत का जवाब देने के लिए पूरा देश एकजुट है और हमारी सरकार भी बहुत अच्छे से प्लानिंग करके आगे बढ़ रही है।

इंदौर में पुतला जलाया, शाम को निकाली मशाल यात्रा

इंदौर में आतंकवाद के खात्मे का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया। लोगों ने आतंकवादियों को फांसी देने की मांग की। छत्रीबाग धर्म रक्षा समिति के तत्वावधान में यह आयोजन हुआ। प्रदर्शन के माध्यम से प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से आग्रह किया गया कि जल्द से जल्द इस हमले की कठोर से कठोर कार्रवाई कर आतंकवादियों को सबक सिखाया जाए। बुधवार शाम 7 बजे सिंधी कॉलोनी चौराहा से शहीद हेमू कालानी चौराहे कलेक्टर ऑफिस तक मशाल यात्रा निकाली गई। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या के विरोध में नमो नमो शंकरा द्वारा मशाल यात्रा आयोजित की गई।

दमोह में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, दो युवकों पर केस दर्ज

जिले के दो युवाओं ने जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में हुई आतंकी घटना के बाद सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट कर दी। पोस्ट के वायरल होने के बाद कोतवाली पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत दो युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

जो इस षड्यंत्र के पीछे, वो कभी कामयाब नहीं होंगे

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड कार्यालय के बाहर वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज ने पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला जलाया। आतंकी घटना को लेकर भोपाल भारत माता चौराहे पर जय हिंद सेना ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान का पुतला फूंका। सनवर पटेल ने कहा कि इससे शर्मनाक इंसानियत के विरुद्ध कोई काम हो नहीं सकता। जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया, जो इस षड्यंत्र के पीछे हैं वो अपने कुप्रयास में कभी कामयाब नहीं होंगे। देश की जनता इस बात को कभी स्वीकार नहीं करती। इसी का परिणाम है कि देश भर में मुसलमान भाई बाहर निकले हैं। इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। आतंकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान का पर्दाफाश हुआ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि इन आतंकवादियों के पीछे पनाहगार पाकिस्तान है। जो ऐसी घटना करने के बाद इनको छिपाने का काम करता है। ऐसे देश पाकिस्तान का पर्दाफाश हुआ है। उन कायरों ने ऐसे समय हमला किया है जब इस देश में मजबूत सरकार है। और इस कृत्य का उन्हें कड़ा जवाब मिलेगा।

भारत के शेयर बाजार में स्थिरता

एक लाख के लेवल पर पहुंचेगा सेंसेक्स!

- 17 हफ्ते बाद सेंसेक्स, निफ्टी में उछाल

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन से होने वाले आयात पर शुल्क (टैरिफ) में कमी किए जाने के संकेत से भारतीय बाजार मजबूत नजर आया। शेयर बाजार लागातार सातवें कारोबारी सत्र में लंबी छलांग लगाकर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 520.90 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ करीब 17 सप्ताह के उच्चतम स्तर को टच किया। इसी के साथ 80 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 80,116.49 अंक पर पहुंच गया।

भाजपा सांसद का मीडिया हैंडलर लापता

पुल पर मिली बाइक और चप्पल, नदी में तलाश

- उसकी शादी 1 मई को होने वाली थी

बड़वानी। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी के मीडिया हैंडलर महेंद्र भाटी के लापता होने का मामला सामने आया है। महेंद्र ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखी और फिर गायब हो गए। फिलहाल, कोतवाली पुलिस और एसडीआरएफ की टीम नर्मदा नदी में तलाश अभियान चला रही है। कसरावद स्थित नर्मदा नदी के बड़े पुल पर उनकी मोटरसाइकिल और चप्पल बरामद हुई है। पुलिस को आशंका है कि उन्होंने नर्मदा नदी में छलांग लगा दी है।

दरगाह में युवक की बेरहमी से पिटाई

आरोप- पीड़ित ने जयश्री राम नहीं बोला था... इलाज जारी

- एसपी ने कहा- केस में धर्म संबंधी एंगल गलत

बैतूल। यहां एक युवक को रस्सी से बांधकर घसीटा। उसे 4 घंटे तक डंडों और बेल्ट से पीटा गया। परिजन का कहना है कि जयश्री राम नहीं बोलने पर आरोपियों ने मारपीट की है। उसकी जेब से 2 हजार रुपए और मोबाइल भी छीन लिया। पीड़ित की हालत गंभीर है, उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी निश्चल एन झारिया ने बताया कि आरोपियों में दो नाबालिग और एक युवक शामिल हैं। उन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

ग्वालियर में तीन साल की मासूम के साथ दरिंदगी

मकान मालिक के बेटे व दो युवकों ने कार में किया दुष्कर्म, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

- टॉफी दिलाने के बहाने मासूम बच्ची को कार में ले गए

ग्वालियर के डबरा सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली एक कॉलोनी से मासूम बच्ची से दरिंदगी करने का मामला सामने आया है। यहां मकान मालिक के बेटे ने अपने किराएदार की 3 साल की बेटी के साथ रेप किया है। ग्वालियर की इस शर्मनाक और दरिंदगी वाली घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे और तत्काल आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवार ने दर्ज कराया केस

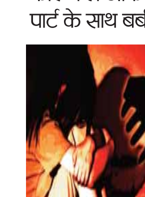

2 युवक टॉफी दिलाने के बहाने मासूम बच्ची को कार में ले गए। कार में ले जाकर उसके साथ रेप किया और बच्ची के प्राइवेट पार्ट के साथ बर्बरता की गई। दरिंदों ने मासूम बच्ची से रेप करने के बाद उससे कहा कि इस घटना के बारे में घर पर न बताए। हालांकि, बच्ची ने घर आकर अपनी मां को पूरी घटना बताई। मासूम बच्ची की आपबीती सुनने के बाद मां और पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। परिजन पीड़ित बच्ची को लेकर नजदीकी सिटी थाना डबरा पहुंचे और मामला दर्ज करवाया। पुलिस में तुरंत मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बच्ची और उसकी मां के बयान वीडियोग्राफी के साथ दर्ज किए।

राजगढ़ के कृषि उपज मंडी अनाज गोदाम में भीषण आग

घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पाया जा सका काबू

100 क्विंटल सोयाबीन, 8 बाइक हजारों बारदाने जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजगढ़

राजगढ के कृषि उपज मंडी परिसर में बुधवार सुबह एक अनाज गोदाम में भीषण आग लग गई।आग इतनी तेजी से फैली कि गोदाम में रखी आठ बाइक, लगभग 100 क्विंटल सोयाबीन और हजारों की संख्या में बारदान जलकर खाक हो गए। इस हादसे में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना सुबह करीब 10:30 बजे की है, जब मंडी में गेहूं की नीलामी चल रही थी। तभी राजेंद्र करनावद के टीन शेड वाले गोदाम से धुआं उठता दिखाई दिया। यह देख व्यापारी, हम्माल और किसान घबरा गए और आग बुझाने में जुट गए। अनुमान है कि गर्मी के कारण किसी बाइक की पेट्रोल टंकी फटने से आग भड़की होगी, लेकिन आधिकारिक रूप से आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

नुकसान का आकलन किया जा रहा

गौरतलब है कि मंडी परिसर में हर दिन भारी मात्रा में अनाज की खरीदी होती है और टीन शेड के आसपास हजारों क्विंटल गेहूं खुले में रखा होता है। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो नुकसान और भी बड़ा हो सकता था। फिलहाल प्रशासन ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।

जयपुर से सेफ्टी टीम जांच करने पहुंची, एक किमी के दायरे में ट्रैफिक बंद रखा गया

टला बड़ा हादसा

गेल प्लांट में मीथेन गैस का रिसाव, 10 घंटे की मशक्कत के बाद रोका जा सका रिसाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

- **रात करीब ढाई बजे गेल प्लांट में गैस लीक हुई**
- **एलसीएनजी टैंक को खाली कर स्थिति को नियंत्रित किया गया**

राजधानी के पास मंडीदीप में गेल के प्लांट से बुधवार तड़के मीथेन गैस लीक हो गई। जिसके बाद इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही फायर सेफ्टी की टीम मौके पर पहुची और कड़ी मशक्कत के बाद गैस रिसाव को बंद किया गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। प्लांट के अधिकारियों ने बताया कि ऐहतियात के तौर पर प्लांट की ओर जाने वाली सड़क पर यातायात को अस्थायी रूप से रोक दिया गया। गैस प्लांट के आसपास की सभी औद्योगिक इकाइयों में उत्पादन तुरंत बंद कर दिया गया।

कलेक्टर बोले सेफ्टी ऑडिट करा रहे

रायसेन कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा ने कहा कि प्लांट में मिड नाइट से गैस रिसाव हो रहा था। हमें इसकी जानकारी सुबह करीब पांच बजे मिली। अब रिसाव रोक दिया गया है। पूरे एरिया को सैनिटाइज कराया गया है। हालत गंभीर नहीं हैं। हम प्लांट का सेफ्टी ऑडिट करा रहे हैं। भविष्य में ऐसी घटना न हो, इसके लिए सेफ्टी एसओपी तैयार करेंगे। एसपी पंकज पांडे ने कहा कि प्लांट की सेफ्टी जांच की जा रही है। इसके बाद गैस लीक के कारणों का पता लगाया जाएगा।

घरों और उद्योगों को पीएनजी सप्लाई

मंडीदीप में गेल का प्लांट शासकीय सिविल अस्पताल के पास है। यहां एलएनजी को पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) में कन्वर्ट करके पाइपलाइन से घरों और इंडस्ट्रीज में सप्लाई किया जाता है। यहां से कंपनी डोमेस्टिक, कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल गैस की सप्लाई करती है। प्लांट में घरेलू गैस 750 एससीएम, कॉमर्शियल 1600 एससीएम और इंडस्ट्रियल 7500 एससीएम की स्टोर कैपेसिटी है।

पहलगाम में आतंकी हमला

पहले लेफ्टिनेंट विनय के शव से लिपटकर रोईं पत्नी हिमांशी अंत में जुटाई हिम्मत, किया सैल्यूट और बोलीं- 'जय हिंद'

एजेंसी ▶▶ करनाल

कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में बैसरन घाटी में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में गोली लगने से करनाल के नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की मौत हो गई। बुधवार को विनय की पत्नी हिमांशी ने अपने पति को भावभीनी विदाई दी। विनय के पार्थिव शरीर से लिपटकर हिमांशी बार-बार रोए जा रही थीं। उनका विलाप देखकर परिजन भी अपने आंसू रोक नहीं पाए। परिवार के अनुसार, शादी के बाद विनय और हिमांशी ने हनीमून के लिए यूरोप जाने का मन बनाया था। इसके लिए वे शादी से पहले ही तैयारी कर रहे थे। लेकिन वीजा नहीं मिलने के कारण उनका यह प्लान रद्द हो गया।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट नई दिल्ली के कार्गो टर्मिनल पर लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का पार्थिव शरीर।

छह दिन ही निभा सके सात जन्मों का बंधन

मूल रूप से भूसली गांव के रहने वाले विनय नरवाल तीन साल पहले ही नौसेना में भर्ती हुए थे। उनकी सात दिन पहले 16 अप्रैल को मसूरी में डेस्टिनेशन वेडिंग हुई थी। हिमांशी गुरुग्राम की रहने वाली हैं। परिवार की ओर से तीन दिन पहले ही करनाल में 19 अप्रैल को रिस्पेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद वह पत्नी हिमांशी के साथ हनीमून के लिए पहलगाम गए थे। लेफ्टिनेंट विनय का एक मई को जन्मदिन भी है। शादी के बाद पहले जन्मदिन को लेकर परिवार काफी उत्साहित था। 26 साल के विनय शादी के लिए छुट्टी पर आए हुए थे। 3 मई को उन्हें पत्नी के साथ कोच्चि ड्यूटी पर लौटना था। विनय के पिता राजेंद्र नरवाल केंद्र सरकार के कस्टम विभाग में कार्यरत हैं। मां आशा गृहिणी हैं। दादी बीरू देवी भी गृहिणी हैं।

आज मेरा पोता गया, कल किसी और का जाएगा... ये अच्छा नहीं

लेफ्टिनेंट विनय के दादा हवा सिंह पुलिस से सेवानिवृत्त हैं। उन्हें बुधवार सुबह जब पता चला कि उनका पोता नहीं रहा तो आंखों से आंसू नहीं थमे। उन्होंने सीएम नायब सिंह सैनी से वीडियो कॉल में कहा कि सीएम साहब, मेरा आपसे निवेदन है कि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाओ। मैं पीएम मोदी से भी प्रार्थना करता हूं कि इस उग्रवाद को खत्म कराओ, आज मेरा पोता गया है कल को किसी और घर का चिराग भी ये बुझाएंगे। अच्छा नहीं होगा। सीएम सैनी ने उन्हें सख्त कार्रवाई का आश्वान दिया। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने इस निंदनीय घटना को अंजाम दिया है तो बचने का सवाल ही नहीं है। मेरी परमात्मा से प्रार्थना है, विनय को अपने चरणों में स्थान दें।

रक्षा मंत्री बोले- ऐसा जवाब मिलेगा कि दुनिया देखेगी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकी हमले पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि मंगलवार को पहलगाम में एक धर्म विशेष को निशाना बनाकर आतंकवादियों ने कायराना हरकत की, जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गई। मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। हम न सिर्फ इस कृत्य के दोषियों तक पहुंचेंगे बल्कि पर्दे के पीछे के किरदारों तक भी पहुंचेंगे। आरोपियों को जल्द ही जोरदार और स्पष्ट जवाब मिलेगा, यह मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं। देश की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), तीनों सेनाओं के प्रमुख और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ एक अहम बैठक की। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने रक्षा मंत्री को पहलगाम और पूरे जम्मू कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों को अलर्ट कर दिया गया है और आतंकियों को पकड़ने के लिए सर्च अभियान जारी है।

पर्दे के पीछे छिपे मास्टरमाइंड को नहीं छोड़ेंगे

आतंकवाद के विरुद्ध दुनिया भर से भारत को मिल रहा लगातार समर्थन

पीएम मोदी को फोन पर ट्रंप बोले- हम हर संभव मदद को तैयार

पीएम मोदी को बुधवार सुबह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कॉल किया और पहलगाम में इस्लामी आतंकवादी हमले के शिकारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति ट्रंप ने हमले की निंदा की और कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है और हर संभव समर्थन की पेशकश की। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप का समर्थन के लिए धन्यवाद किया और कहा कि भारत इस कायराना और घृणित आतंकवादी हमले के अपराधियों और उनके समर्थकों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुश्किल वक्त में भारत के साथः ऑस्ट्रेलिया पीएम

ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथोनी एल्बनीज ने पीएम नरेंद्र मोदी से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मैंने जम्मू-कश्मीर हमले में मारे गए लोगों की प्रति अपनी संवेदनाएं जाहिर कीं। उन्होंने कहा कि बेगुनाहों की हत्या की इस घटना ने पूरी दुनिया को हिला दिया है। इस मुश्किल वक्त में मैं भारत के साथ हूं।

हम सभी तरह के आतंकवाद के विरोध मेंः चीनी राजदूत

चीन के राजदूत फेइहांग ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि पहलगाम में हुए हमले से स्तब्ध हूं और इसकी निंदा करता हूं। पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना और घायलों तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक सहानुभूति। सभी तरह के आतंकवाद का विरोध करते हैं।

हम भारत के संग मजबूती से खड़ेः भूटान पीएम

भूटान के पीएम दाशो शेरिंग टोबगे ने पहलगाम में हुए अटैक पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि मंगलवार को पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के पीड़ितों और प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना और प्रार्थनाएं। भूटान इस तरह के क्रूर आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा करता है और एकजुटता और मित्रता के साथ भारत सरकार और लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।

आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हैंः नेपाल पीएम

नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली ने ट्वीट कर कहा है कि "पहलगाम में आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना। नेपाल भारत के साथ मजबूती से खड़ा है और आतंकवाद के किसी भी और सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। पीड़ितों में एक नेपाली नागरिक की रिपोर्ट की पुष्टि करने के लिए निकट समन्वय स्थापित किया गया है और सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

आतंकवाद के सभी रूपों से निपटेंः मालदीव राष्ट्रपति

मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू ने ट्वीट कर कहा है कि 'पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले से बहुत दुखी और स्तब्ध हूं। इसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। मालदीव सरकार आतंकवाद के सभी रूपों से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।

पाकिस्तान को थैंक यू बोलने वाला गिरफ्तार

युवक ने लिखा- थैंक यू लश्कर ए तैय्यबा, अल्लाह ब्लेस यू ऑलवेज

बोकारो। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद बोकारो पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक ने हमले के बाद सोशल मीडिया एक्स पर पाकिस्तान को थैंक्यू लिखा था। युवका का नाम मो. नौशाद है। उसके पिता का नाम मो. मुश्ताक है। चास थाने की पुलिस ने उसे मिल्लतनगर से गिरफ्तार किया है। बोकारो के युवक ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'थैंक यू पाकिस्तान, थैंक यू लश्कर ए तैय्यबा, मे अल्लाह ब्लेस यू ऑलवेज, आमीन, आमीन। वी विल बी मोर हैप्पी इफ आरएसएस, बीजेपी, बजरंग दल एंड द मीडिया आर टारगेटेड।'

पोस्ट वायरल होने के तुरंत बाद हड़कंप मच गया। इस मामले में रांची के विधायक और भाजपा नेता सीपी सिंह ने बोकारो के पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मो. नौशाद को गिरफ्तार कर लिया।

बदला लेने के लिए इजराइल ने किया खुले समर्थन का ऐलान

भारत बेहतर तरीके से जवाब देना जानता है

पहलगाम आतंकी हमले की दुनिया भर में निंदा के बीच भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि ऐसे अपराधी हमें डराने के लिए हमेशा नए तरीके खोजने की कोशिश करते हैं। हमें निश्चित रूप से इस पर ध्यान देना होगा। हमें यह देखना होगा कि वे कैसे सोचते हैं, कैसे काम करते हैं और मुझे यकीन है कि वे ऐसा करना जारी रखेंगे। लेकिन मुझे यह भी यकीन है कि हम और अधिक दृढ़ संकल्पित होंगे और जवाबी कार्रवाई करेंगे।

अजार ने कहा कि यह पूरी तरह से भारतीय सरकार पर निर्भर है। मुझे यकीन है कि उन्हें पता है कि कैसे काम करना है। हमने देखा है कि सरकार के प्रयासों की बदौलत अतीत में स्थिति कैसे स्थिर हुई है। उन्होंने कहा कि हम व्यापक आधार पर एक साथ सहयोग करने का प्रयास करते हैं ताकि यह देखा जा सके कि आम तौर पर खतरों से कैसे निपटा जाए, आतंकवाद से लड़ने के साधनों को कैसे बेहतर बनाया जाए, चाहे वह खुफिया जानकारी के लिहाज से हो, तकनीक के लिहाज से हो या फिर कार्यप्रणाली के लिहाज से हो। मुझे यकीन है कि भारतीय सरकार और यहां के अधिकारियों के पास सीमा पार क्षेत्र की स्थिति और इस मुद्दे से निपटने के तरीके के बारे में कहीं बेहतर जानकारी है।

आतंकवाद के विरुद्ध हम और अधिक दृढ़ संकल्पित होंगे

पहलगाम हमले की वजह से लिया फैसला

वेंस का जयपुर में सिटी पैलेस दौरा रद्द, 3 घंटे आगरा में रहे, आज वापसी

एजेंसी ▶▶ जयपुर

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सपरिवार चार दिन (21 अप्रैल से 24 अप्रैल) की भारत यात्रा पर हैं। बुधवार को उन्हें जयपुर के सिटी पैलेस जाना था, लेकिन यह दौरा रद्द कर दिया गया है। दौरा रद्द करने का कोई कारण पहलगाम आतंकी हमला बताया जा रहा है। इससे पहले बुधवार सुबह वेंस और उनके परिवार से आगरा में ताजमहल देखा। करीब 3 घंटे आगरा में बिताने के बाद वे जयपुर लौट आए। फिलहाल वेंस और उनका परिवार रामबाग पैलेस होटल में हैं।

भारतीय परिधान में दिखे बच्चे

आगरा में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का परिवार भारतीय परिधान पहना हुआ दिखाई दिया। वेंस के दोनों बेटे पारंपरिक कुर्ता पायजामा पहने हुए थे। आगरा में विमान से उतरते हुए सबसे आगे जेम्स डेविड वेंस की पत्नी ऊषा वेंस अपनी बच्ची की उंगली पकड़कर आगे बढ़ीं। यहां पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने वेंस और उनके परिवार को बुके देकर स्वागत किया।

तुर्किये में 6.2 तीव्रता के भूकंप के झटके

अंकारा। तुर्किये की राजधानी इस्तांबुल और आसपास के क्षेत्र में बुधवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.02 मापी गई। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर था। जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र (जीएफजेड) ने यह जानकारी दी। किसी के घायल होने या मरने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन ने कहा, मैं अपने नागरिकों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हम घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे हैं।

भारत-सऊदी अरब रणनीतिक भागीदारी परिषद की दूसरी बैठक संपन्न

पीएम मोदी की यात्रा से रक्षा और ऊर्जा सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

व्यापार, निवेश सहित अन्य क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग पर संतोष व्यक्त किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और सऊदी अरब ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मध्य पूर्वी देश की राजकीय यात्रा के दौरान दो नई मंत्रिस्तरीय समितियों- एक रक्षा सहयोग के लिए और दूसरी पर्यटन और संस्कृति के लिए- को जोड़कर अपनी द्विपक्षीय रणनीतिक भागीदारी परिषद का विस्तार किया है। हालांकि, पहलगाम आतंकी हमले के कारण यह यात्रा बीच में ही समाप्त करनी पड़ी और पीएम मोदी को वापस भारत लौटना पड़ा।

इससे पहले भारत ने भारत-सऊदी अरब रणनीतिक भागीदारी परिषद की दूसरी बैठक की सह-अध्यक्षता की और रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। बुधवार को जारी संयुक्त बयान के अनुसार, परिषद में अब चार मंत्रिस्तरीय समितियां शामिल हैं, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते जुड़ाव को दर्शाती हैं।

कच्चे तेल की आपूर्ति और रिफाइनिंग पर बनी सहमति

दोनों नेताओं ने 'सदा तनसीक' और 'अल मोहम्मद अल हिंदी' जैसे संयुक्त अभ्यासों और हाल ही में तीनों सेनाओं के बीच स्टाफ स्तर की वार्ता की शुरुआत की सराहना की। रक्षा पर मंत्रिस्तरीय समिति की शुरुआत और रक्षा उद्योग संबंधों को बढ़ाने पर जोर रणनीतिक सहयोग में मील का पत्थर साबित हुआ। ऊर्जा के क्षेत्र में, दोनों देशों ने सहयोग को मजबूत करने पर जताई सहमति ऊर्जा के क्षेत्र में, दोनों देशों ने तेल, नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई। उल्लेखनीय है कि बिजली इंटरकनेक्शन परियोजना पर एक संयुक्त अध्ययन चल रहा है। उन्होंने कच्चे तेल की आपूर्ति, रिफाइनिंग, ग्रिड सुरक्षा और ऊर्जा दक्षता पर मिलकर काम करने पर भी सहमति जताई।

द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि का स्वागत किया

दोनों पक्षों ने अगली रणनीतिक भागीदारी परिषद की बैठक पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि का स्वागत किया, जिसमें भारत अब सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और सऊदी अरब भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। इसी के साथ ही उन्होंने भारत-जीसीसी मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत में तेजी लाने पर सहमति जताई और स्वास्थ्य, अंतरिक्ष, डाक सेवाओं और डोपिंग रोधी सहयोग को कवर करने वाले कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

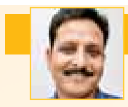

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

लॉन्ग सिटिंग जॉब से जब हो कमर में दर्द

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मेरी सिटिंग जॉब है। पिछले कुछ दिनों से मेरी कमर में दर्द हो रहा है। यह दर्द खड़े होने और चलने-फिरने पर अधिक बढ़ जाता है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-केतन, रोहतक

जैसा आप बता रहे हैं कि आपकी लंबी सीटिंग वाली जॉब है। इस तरह की जॉब वाले कई लोगों को ऐसी समस्या से रूबरू होना पड़ता है। इसका स्थाई समाधान पाने का तरीका है कि सबसे पहले आप एक साथ लंबी सिटिंग ना करें। सिटिंग के दौरान कुछ-कुछ समय के गैप पर सीट से उठकर चलते-फिरते रहें। साथ ही आप किसी फिजियोथैरेपिस्ट से संपर्क कर लें। वह आपको कुछ कमर की एक्सरसाइज बताएंगे, उसे नियमित रूप में आप सुबह-शाम करिए। एक्सरसाइज से ही स्थायी समाधान मिल पाएगा। वजन उठाने वाला और आगे झुकने वाला काम बिल्कुल ना करें। ज्यादा समस्या हो रही हो तो जरूर आप एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं।

मेरी उम्र 24 वर्ष है। गर्मी आते ही मेरे चेहरे पर कील-मुंहासे, दाने निकलने लगते हैं। कृपया कुछ ऐसा उपाय बताएं, जिससे इस बार मेरी स्किन कील-मुंहासों से बची रहे।

-सूरज, रायपुर

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको धूप और गर्मी से एलर्जी है। जिस वजह से आपको ऐसी समस्या होती है। कोशिश करें कि आप धूप और गर्मी में कम से कम बाहर निकलें। एक बार आप त्वचा रोग विशेषज्ञ से भी संपर्क कर लें। वह आपको कोई क्रीम और साबुन बता देंगे, जिनका उपयोग आप नियमित रूप में करें। बगैर डॉक्टर से सलाह लिए बाजार से कोई भी क्रीम या साबुन का इस्तेमाल ना करें।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। तीन साल पहले मैंने पाइल्स का ऑपरेशन करवाया था। पहले तो ठीक था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मुझे फिर दर्द हो रहा है। क्या मुझे फिर से इसका ऑपरेशन करवाना पड़ सकता है?

-एक पाठक, ईमेल से

एक बार आपको सर्जन से संपर्क करना चाहिए क्योंकि बगैर जांच किए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। कई बार ऑपरेट किए गए मस्से में फिर से परेशानी हो जाती है। जिस डॉक्टर ने ऑपरेशन किया था उसी से संपर्क करें तो बेहतर होगा।

मेरी उम्र 60 वर्ष है। मेरा पेट हमेशा भरा-भरा सा महसूस होता है। तय समय के हिसाब से खाना खा तो लेता हूं, लेकिन ठीक से भूख नहीं लगती। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-राज किशोर, बेमेतरा

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपकी पाचन क्रिया प्रभावित है। सबसे पहले आप अपना खान-पान सुधारें। खाने में अधिक तला-भुना और मिर्च-मसाले वाला खाना ना खाएं। दोपहर के खाने में सलाद, दही और पपीता जरूर शामिल करें। रात का खाना हल्का लें। पानी भी पर्याप्त मात्रा में पिएं। इससे आपको राहत मिलेगी। इससे भी राहत ना मिले तो एक बार गेस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर से कंसल्ट कर लें।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। मेरे पेट में दाईं तरफ अकसर बहुत तेज दर्द होने लगता है। पेनकिलर लेने पर तत्काल राहत तो मिल जाती है, लेकिन फिर यह दर्द कभी भी शुरू हो जाता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-अक्षय, बिलासपुर

बगैर जांच किए इस संबंध में कुछ भी कहना ठीक नहीं है। आप डॉक्टर से संपर्क करें और पेट का अल्ट्रासाउंड करा लें, जिससे इस दर्द का कारण पता चलेगा। क्योंकि कई बार स्टोन की वजह से भी इस तरह की समस्या आती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप डॉक्टर से संपर्क कर लें। कारण जानने के बाद ही इलाज करना संभव होगा। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर एडवाइस

डॉ. नरेश कुमार
सीनियर फिजिशियन
एलएनजेपी अस्पताल, दिल्ली

गर्मी के मौसम में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। उनमें से कुछ मच्छरों के काटने से खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं। जिनके उपचार में कोताही बरतने पर ये बीमारियां जानलेवा भी साबित होती हैं। मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से होने वाली एक संक्रामक बीमारी है-मलेरिया। सही समय पर उपचार ना कराने से यह रोग भी जानलेवा साबित हो सकता है।

ऐसे होता है मलेरिया संक्रमण

मलेरिया रोग, मादा एनोफिलीज मच्छर के सलाइवा में मौजूद प्लाज्मोडियम परजीवी के संक्रमण से होता है। प्लाज्मोडियम की कई किस्में होती हैं- प्लाज्मोडियम वाइवेक्स, प्लाज्मोडियम फैल्सीफेरम, प्लाज्मोडियम ओवेल, प्लाज्मोडियम मलेरी। इनमें प्लाज्मोडियम फैल्सीफेरम से होने वाला मलेरिया बहुत खतरनाक और जानलेवा हो सकता है। मलेरिया के इन परजीवियों के संक्रमण का एक निश्चित चक्र होता है। मलेरिया पीड़ित व्यक्ति से एनोफिलीज मच्छर में और संक्रमित मच्छर से स्वस्थ व्यक्ति में। मादा एनोफिलीज मच्छर जब किसी मलेरिया के रोगी को काटती है तो उस व्यक्ति के खून में मौजूद मलेरिया के प्लाज्मोडियम परजीवियों को भी चूस लेती है और खुद भी संक्रमित हो जाती है। मच्छर के शरीर में पहुंचे मलेरिया के परजीवी 8-10 दिन में मलेरिया फैलाने में सक्षम हो जाते हैं। जब ये संक्रमित मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटते हैं, तो अपनी लार के साथ मलेरिया परजीवी उस व्यक्ति को संक्रमित कर देते हैं। ये परजीवी स्वस्थ व्यक्ति के लीवर में पहुंच कर तेजी से फैलने लगते हैं और ब्लड में पहुंच कर रेड ब्लड सेल्स को प्रभावित कर नष्ट करने लगते हैं। जिससे ब्लड प्लेटलेट्स कम होने लगते हैं और संक्रमित व्यक्ति मलेरिया की चपेट में आ जाता है। मच्छरों के काटने के अलावा मलेरिया के ये परजीवी गर्भवती महिलाओं के ब्लड से नवजात शिशुओं को भी संक्रमित कर सकते हैं। ब्लड ट्रांसप्लांट या डिस्पोजेबल इंजेक्शन का इस्तेमाल ना करने की स्थिति में भी एक स्वस्थ व्यक्ति को अपना शिकार बना सकते हैं।

प्रमुख लक्षण: मलेरिया के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि पीड़ित व्यक्ति को इंफेक्शन किस मच्छर से और किस लेवल का हुआ है? अपने देश में ज्यादातर मलेरिया, प्लाज्मोडियम वाइवेक्स से फैलता है। एनोफिलीज मच्छर के काटने के 10 से 14 दिन बाद मलेरिया के लक्षण दिखने शुरू हो जाते हैं। ये लक्षण फ्लू से मिलते-जुलते हो सकते हैं। इनमें शामिल हैं-

- बहुत तेज बुखार आना, विशेषकर ठंड लगकर कंपकंपी के साथ 3-4 घंटे के लिए 102-103 डिग्री फारेनहाइट तक बुखार आना। बुखार उतरते समय मरीज को बहुत अधिक पसीना आना। यह साइकिल 24 घंटे में दो-तीन बार रिपीट होता है और कुछ को 48 घंटे में। इस तरह बुखार का उतार-चढ़ाव व्यक्ति के इम्यून सिस्टम को प्रभावित करता है।
- शरीर में खून की कमी होना।
- बहुत ज्यादा कमजोरी और थकान महसूस होना।
- शरीर की मांसपेशियों में दर्द होना।
- पेट में दर्द होना और उल्टी आना।

- हाथ-पैर में ऐंठन होना।
- स्थिति गंभीर होने पर तेज सिर दर्द होना।
- उल्टी, दस्त, डायरिया होना।
- सांस लेने में दिक्कत होना।
- बेहोशी आना।
- लो ब्लड शुगर और यूरिन में खून आना।
- दिमागी सूजन से झटके आना, दौरे पड़ना, बेहोश होना।

ना बरतें लापरवाही: अकसर मलेरिया के बुखार को साधारण फ्लू समझकर अनदेखा कर दिया जाता है। इससे मलेरिया का पता तब चलता है, जब इंफेक्शन बहुत ज्यादा बढ़ चुका होता है। ऐसे में शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज करने पर मलेरिया जानलेवा हो सकता है।

जांच का तरीका: मलेरिया की जांच के लिए मूलतया माइक्रोस्कोपिक ब्लड टेस्ट किया जाता है। मरीज की मलेरिया स्क्रीनिंग के लिए रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किया जाता है, जिससे मलेरिया कंफर्म हो जाता है। ब्लड पैरीफेरल स्मीयर टेस्ट किया जाता है यानी माइक्रोस्कोप के माध्यम से ब्लड में मलेरिया पैरासाइट की किस्म की जांच की जाती है, जिसके मुताबिक इलाज किया जाता है। मलेरिया की जांच के लिए कार्ड टेस्ट (गर्भवती महिलाओं), पॉलीमेरास चेन रिएक्शन टेस्ट (डीएनए की जांच), कंप्लीट ब्लड काउंट टेस्ट (ब्लड प्लेटलेट्स की जांच), इम्यून-लॉजिकल ऑप्टिमल टेस्ट (परजीवी द्वारा बनाए गए एंटीजेन) भी कराए जाते हैं। अगर रोगी के ब्लड प्लेटलेट्स डेढ़ लाख से कम हैं और मलेरिया के लक्षण हैं, तो ट्रीटमेंट तुरंत शुरू कर दिया जाता है।

कैसे किया जाता है ट्रीटमेंट: अगर समय रहते उपचार शुरू कर दिया जाए, तो मलेरिया पर काबू पाना मुश्किल नहीं है। स्थिति के आधार पर मरीज को मेडिसिन दी जाती हैं। शुरुआती अवस्था में 3-5 दिन के लिए एंटी मलेरियल मेडिसिन दी जाती हैं, जैसे- क्लोरोक्विन, प्राइमाक्विन, डोक्सीसीलाइन एमेफ्लोक्विन। स्थिति गंभीर होने पर मरीज को आईसीयू में एडमिट करना पड़ सकता है और एसिंप्टोमैटिक उपचार किया जाता है। मलेरिया के लिए आरटीसुनेट और क्विनिन मेडिसिन दी जाती हैं। सेरेब्रल मलेरिया के कारण दिमाग में सूजन और झटकों को कम करने की दवाइयां भी दी जाती हैं। गर्भवती महिला को मलेरिया की पुष्टि होने पर स्त्री रोग विशेषज्ञ की सलाह पर तुरंत उपचार शुरू कर दिया जाता है। इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें आयरन और विटामिंस की अतिरिक्त खुराक देनी पड़ती है।

कैसे करें बचाव: चूंकि मलेरिया से बचने के लिए फिलहाल कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। जरूरी है, मलेरिया के कारक मच्छरों से बचा जाए और मच्छरों से बचाव के लिए खुद पर ध्यान देने के साथ आस-पास के वातावरण पर भी ध्यान देना जरूरी है-

- मलेरिया फैलाने वाले मच्छर गंदे पानी में पनपते हैं। इसलिए गमलों, कूलर में या घर के आस-पास पानी इकट्ठा न होने दें और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। गड्ढे वगैरह हों तो मिट्टी, पत्थर से भर दें। जमा हुए पानी में मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए ऑयल स्प्रिंकल करें। नालियों, गटर में नियमित तौर पर डीडीटी, बीएचसी पाउडर जैसे कीटनाशक दवाइयों या फिर केरोसिन का छिड़काव करें।
- दरवाजे, खिड़कियों, रोशनदानों या एग्जॉस्ट फैन चिमनियों पर जाली वाले दरवाजें लगवाएं ताकि मच्छर घर में ना आ सकें।
- मॉस्किटो-रेप्लेंट, कॉयल या वेपराइजर्स का इस्तेमाल करें।
- फुल स्लीव्स और फुल लेंथ के कपड़े पहनें। बच्चों का खास ध्यान रखें। शाम को बाहर या पार्क में खेलते समय ऐसे ही कपड़े पहनाएं।
- मुंह, हाथों या शरीर के दूसरे खुले अंगों पर एंटी मॉस्किटो क्रीम या सरसों, नीम, नीबू, लैवेंडर जैसे तेल लगाएं।
- सोते समय केमिकलयुक्त मॉस्किटो-कॉयल या रेप्लेंट इस्तेमाल करने के बजाय यथासंभव मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। छोटे-बड़े सभी को मच्छरदानी लगाकर सोने की आदत डालें।
- घर के अंदर तुलसी, पुदीना, अजवायन, मेहंदी, लेमनग्रास, गेंदा, चमेली जैसे औषधीय पौधे लगाएं। इनकी महक से मच्छर दूर भागते हैं।
- ऐसी जगह पर जाने से बचें, जहां पर मच्छर ज्यादा हों। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

स्पेशलः वर्ल्ड मलेरिया डे, 25 अप्रैल

हालांकि पहले के मुकाबले देश-दुनिया में मलेरिया का प्रकोप कम हुआ है लेकिन अभी भी हर साल लाखों लोग इससे ग्रसित होते हैं। इसके प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ही हर वर्ष मलेरिया दिवस मनाते हैं। इस अवसर पर हम आपको यहां विस्तार से बता रहे हैं कि यह रोग कैसे होता है, इसके लक्षण क्या हैं, इसका उपचार कैसे होता है और इससे बचने के क्या तरीके हैं?

मच्छरजनित खतरनाक रोग मलेरिया
बरतें पूरी सावधानी-रहें सुरक्षित

कारगर घरेलू उपचार

मलेरिया होने पर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए कई किस्म की जड़ी-बूटियों का सेवन कारगर होता है।

नीम की पत्तियों का काढ़ा: 4-5 नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर पीएं। यह संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

गिलोय का रस: यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, दिन में एक बार 10-15 एमएल गिलोय का रस पी सकते हैं।

तुलसी-अदरक की चाय: तुलसी, अदरक और काली मिर्च डालकर बनी चाय मलेरिया में बहुत लाभकारी होती है।

पपीते के पत्तों का रस: पपीते के पत्तों का रस, प्लेटलेट्स बढ़ाने और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। **-डॉ. माजिद अलीम**

आहार

शिवचरण चौहान

वैसे तो दही और छाछ का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता ही है। लेकिन गर्मी के मौसम में दही का सेवन पाचन के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है। पाचक, शीतल दही के स्वास्थ्यकर गुणों के बारे में जानिए।

इस मौसम में खाएं दही आपका पेट रहेगा सही

आमतौर पर गाय या भैंस के दूध से दही जमाया जाता है। दही को मथकर मही यानी मट्ठा या छाछ बनता है। गर्मी के मौसम में दही और मट्ठा दोनों का सेवन हमारे स्वास्थ्य, विशेष रूप से पाचन तंत्र के लिए बहुत लाभप्रद होता है।

उपस्थित पोषक तत्व: वैज्ञानिकों के अनुसार दही के रासायनिक संगठन में 89.1 प्रतिशत पानी तथा 9 प्रतिशत ठोस भाग होता है। ठोस हिस्से में फैट 4%, लेक्टोज 2.9 प्रतिशत, प्रोटीन 0.8 प्रतिशत तथा कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, विटामिन ए, बी और सी के भी पर्याप्त अंश पाए जाते हैं।

गुणों का भंडार: दही एक पूर्ण पौष्टिक आहार है और हर कहीं आसानी से उपलब्ध हो सकता है। आयुर्वेद के अनुसार दही रुचिकर, भूख बढ़ाने वाला, स्निग्धता प्रदान करने वाला, पाचन में सहायक, वात नाशक, विषनाशक, यकृत की शक्ति बढ़ाने वाला, बवासीर और अन्य उदर रोगों के लिए लाभप्रद होता है। दही, हृदय और मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करने वाला और आंतों की सफाई करने में भी सहायक होता है। अमेरिका के प्रो. जार्ज बी. मान ने अनेक शोधों के बाद निष्कर्ष निकाला कि दही में एक ऐसा तत्व भी मौजूद होता है, जो रक्त में कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल के दौरे को रोकता है। इसीलिए हृदयरोगियों को प्रो. जार्ज सलाह देते हैं कि दही पर्याप्त मात्रा में नियमित खाना चाहिए।

पाचन रखे सही: दही में दूध के सभी गुण मौजूद रहते हैं। दूध में पाए जाने वाले जीवाणु ही गर्मी पाकर जब बढ़ने लगते हैं। वे दूध में उपस्थित शर्करा को लैक्टिक अम्ल में तब्दील कर देते हैं। इससे दूध का प्राकृतिक मीठा स्वाद तो खट्टे स्वाद में परिवर्तित हो जाता है। लेकिन दूध में मौजूद अन्य गुण जैसे चिकनाहट और उसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे- विटामिन ए और बी, प्रोटीन, कैल्शियम, फॉस्फोरस आदि विद्यमान रहते हैं। एक शक्तिदायक खाद्य पदार्थ होने के बावजूद यह मोटापा नहीं बढ़ाता। दही वीर्यवर्धक होता है और इससे पुरुषों के शुक्राणु पुष्ट होते हैं। यह हृदय, मस्तिष्क के समान ही यकृत को भी मजबूत बनाने में सहायक होता है। हमारा शरीर दही का 91 प्रतिशत भाग एक घंटे में सहजता से पचा लेता है। इस तरह यह अत्यंत पाचक है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, आंतों के निचले हिस्से में ऐसे बैक्टीरिया होते हैं, जिनका भोजन पचाने में बड़ा योगदान होता है। ऐलोपैथी की अधिक दवाएं खाने से इन बैक्टीरिया की सक्रियता में कमी आ जाती है। इससे भोजन का पाचन सही रूप से नहीं हो पाता। दही में यह गुण होता है कि वह इन बैक्टीरिया को पुनः सक्रिय बना देता है, जिससे पाचन तंत्र सुचारु रूप से कार्य करने लगता है। दही शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी सहायक होता है। कुछ वैज्ञानिकों का तो ऐसा भी कहना है कि दही के नियमित सेवन करने से कैंसर को प्रारंभिक अवस्था में ही रोका जा सकता है।

स्वस्थ-दीर्घायु जीवन: माना जाता है कि दही के नियमित सेवन से व्यक्ति दीर्घायु होता है। रूस के जॉर्जिया प्रदेश की 50 लाख की आबादी में कई हजार लोग सौ वर्ष से अधिक की आयु में भी स्वस्थ-प्रसन्नचित्त रहते हैं। बुल्गारिया में भी हजारों लोग वृद्धावस्था में पूरे तौर पर सेहतमंद रहते हैं। माना जाता है कि वहां के लोग अनुशासित जीवनशैली, पौष्टिक आहार अपनाने के अलावा भरपूर मात्रा में दही का नियमित सेवन भी करते हैं।

ये भी हैं फायदे: दही को बहुत प्राचीनकाल से सिर धोने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता रहा है। इससे केश मुलायम, घने, काले और लंबे होते हैं। बालों की जड़ों में दही को अच्छी तरह लगाकर स्नान करना चाहिए। दही की ठंडी मलाई पलकों पर लेप करने से गर्मी और जलन कम होती है। वजन कम होने की शिकायत होने पर दही में छुहारा, किशमिश, बादाम, पिस्ता, चिरौंजी आदि मिलाकर नियमित रूप से सेवन करने से वजन में पर्याप्त वृद्धि होती है। दही की इतनी उपयोगिता को देखते हुए दही का सेवन नियमित रूप से किया जाना बहुत ही फायदेमंद है। लेकिन मिलावटी दूध से बना दही नुकसान करता है, इसलिए दही की गुणवत्ता की जांच परख कर इसका सेवन करना चाहिए। *

छाछ भी है लाभदायक

गर्मियों में दही की लस्सी या छाछ का सेवन करना भी लाभकारी है। यह तृप्तिदायक शीतल पेय है। छाछ में दही के समान ही स्वास्थ्यवर्धक गुण पाए जाते हैं। छाछ के विभिन्न रोग-निवारक गुणों के कारण ही आयुर्वेद और यूनानी उपचार चिकित्सा पद्धति में इससे मंदाग्नि, आंतों की कमजोरी, पेचिश और दस्त आदि रोगों का उपचार किया जाता है। कब्जियत से छुटकारा पाने के लिए दही से बनी छाछ का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। इस छाछ में चुटकी भर काला नमक और पिसी अजवाइन भी डाला जा सकता है।

मेंटल हेल्थ

आज की जीवनशैली ऐसी हो गई है कि बच्चे, किशोर, युवा और वृद्ध हर उम्र के लोग तनाव और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में इसकी वजहें और इनसे बचने के तरीकों के बारे में जानना बहुत जरूरी है।

हर उम्र के लोगों में बढ़ रही मेंटल प्रॉब्लम्स

आज के दौर में दुनिया भर में हर उम्र के लोगों में मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसकी प्रमुख वजहों के बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-काउंसिल एंड साइकोथेरेपी, **डॉ. नीलशा भेरवानी** बताती हैं, 'मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ने की प्रमुख वजहें तनाव, अनियमित दिनचर्या, सामाजिक दबाव, आर्थिक अस्थिरता, डिजिटल ओवरलोड और अकेलापन हैं। नींद की कमी, असंतुलित आहार, नशे की लत और शारीरिक गतिविधियों की कमी भी मानसिक बीमारियों को बढ़ावा देती हैं।' मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आवश्यक है, इसके लिए सही दिनचर्या, योग-ध्यान, संतुलित आहार और संवाद को बढ़ावा देना जरूरी है। जागरूकता और समय पर इलाज से मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाया जा सकता है।

कॉमन मेंटल प्रॉब्लम्स: आजकल लोग कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनमें प्रमुख रूप से डिप्रेशन, एंग्जायटी डिसऑर्डर, बाइपोलर डिसऑर्डर, ओसीडी (ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर), पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) और इंसोम्निया (अनिद्रा) शामिल हैं। लंबे समय तक तनाव, अकेलापन, असंतुलित जीवनशैली और डिजिटल एडिक्शन इन समस्याओं को बढ़ा रहे हैं। युवाओं में सोशल मीडिया की वजह से आत्मविश्वास की कमी और एंग्जायटी बढ़ रही है, जबकि वयस्कों में वर्क-प्रेशर और आर्थिक चिंताओं से डिप्रेशन आम होता जा रहा है।

प्रमुख लक्षण: कोई व्यक्ति किसी मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम से ग्रस्त है, इसकी पहचान के बारे में मेरठ स्थित छत्रपति शिवाजी सुभारती हॉस्पिटल में कंसल्टेंट-साइकेट्रिस्ट, **डॉ. रितिका** बताती हैं- किसी व्यक्ति के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की पहचान उनके व्यवहार, भावनाओं और शारीरिक लक्षणों से की जा सकती है। लगातार उदासी, चिंता, चिड़चिड़ापन, आत्मविश्वास में कमी, बिना कारण डर लगना, अत्यधिक नकारात्मक सोच, एकांतवास पसंद करना आदि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के संकेत हो सकते हैं। नींद न आना या ज्यादा सोना, भूख में कमी या वृद्धि, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और रोजमर्रा के कार्यों में रुचि खत्म होना भी लक्षण हो सकते हैं। बार-बार सिरदर्द, थकान और दिल की धड़कन तेज होना भी संकेत देते हैं। अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें, तो तुरंत विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।

बचाव के तरीके: मेंटली हेल्दी रहने के लिए संतुलित जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है। नियमित योग, ध्यान और एक्सरसाइज मानसिक तनाव को कम करने में मदद करते हैं। संतुलित और पौष्टिक आहार शरीर के साथ दिमाग को भी स्वस्थ रखता है। पर्याप्त नींद (7-8 घंटे), सोशल कनेक्शन बनाए रखना, स्क्रीन टाइम कम करना और अपने शौक के लिए समय निकालना, मानसिक शांति बढ़ाता है। नकारात्मक सोच से बचें और जरूरत पड़ने पर दोस्तों, परिवार या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से बात करें। अत्यधिक कैफीन, नशे और जंक फूड से दूरी बनाना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

ऐसे करें उपचार: मेंटल प्रॉब्लम्स के उपचार के लिए श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-साइकोलॉजी, **डॉ. प्रशांत गोयल** सलाह देते हैं, 'मेंटली अनफिट व्यक्ति के उपचार में थेरेपी जैसे काउंसलिंग, मेडिटेशन, दवाएं और लाइफस्टाइल चेंज मददगार हो सकते हैं। परिवार और दोस्तों का सहयोग बेहद जरूरी है। वे भावनात्मक सहारा देकर, बिना जज किए बात सुनकर और सकारात्मक माहौल देकर मरीज की रिकवरी में मदद कर सकते हैं। अगर कोई व्यक्ति लगातार उदास, चिंतित, अकेला महसूस कर रहा हो, रोजमर्रा के काम करने में असमर्थ हो या आत्मघाती विचार आ रहे हों, तो तुरंत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।' मेंटल हेल्थ समस्या भी शारीरिक बीमारी की तरह गंभीर हो सकती है, इसलिए इलाज में देरी नहीं करनी चाहिए।

बच्चे-किशोर भी हो रहे ग्रस्त: आज के दौर में बच्चे और किशोर भी स्ट्रेस और डिप्रेशन का खूब शिकार हो रहे हैं। दरअसल, पढ़ाई का दबाव, सोशल मीडिया की तुलना, करियर की चिंता और पारिवारिक तनाव के कारण उनमें स्ट्रेस और डिप्रेशन बढ़ रहा है। इससे बचाने के लिए खुला संवाद, संतुलित दिनचर्या और भावनात्मक सहयोग जरूरी है। माता-पिता को बच्चों पर अत्यधिक प्रेशर डालने के बजाय उनकी भावनाओं को समझना चाहिए। डिजिटल डिटॉक्स, फिजिकल एक्टिविटी और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने से मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। स्कूल और समाज में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि बच्चे बिना डर अपने मन की बात साझा कर सकें और समय रहते मदद मिल सके। *

गर्मी में स्कूलों के कायदे कानून मुसीबत बने

टाई की नॉट गर्मी में दे रही नकसीर की बीमारी

जबलपुर । स्कूलों में चलने वाले नियम कायदे-कानून भीषण चिलचिलाती गर्मी में बच्चों के लिए मुसीबत का सबब बन गए हैं। इस भीषण गर्मी में बच्चों को टाई बांधने की अनिवार्यता ने बीमार बनाना शुरू कर दिया है। जूता, मोजा, टाई और बस्ते का बोझ बच्चों का पसीना ही नहीं दम भी निकाल रहा है। कई स्कूलों में कैप लगाकर आने की मनाही है तो कहीं टाई अनिवार्य रूप से लगाने की बंदिश है। टाई लगाने के कारण बच्चों को शर्ट की ऊपर की बटन बंद रखनी पड़ती है और गला टाईट होता है। भीषण गर्मी में टाई की नॉट, नकसीर (नाक फूटने की बीमारी) को जन्म दे रही है। वैसे भी इस भीषण गर्मी में खासतौर से छोटे बच्चों का क्या, हाईस्कूल के बच्चों का भी जाना किसी यातना से कम नहीं है।

पहले नया शिक्षण सत्र 1 जुलाई से प्रारंभ होता था। अप्रैल, मई और जून का महीना ग्रीष्मकालीन अवकाश का होता था। अब परीक्षा परिणाम आएं या न आएं, 1 अप्रैल से शिक्षण सत्र प्रारंभ हो जाता है। 30 अप्रैल तक शालाएं लगती हैं। सर्वविदित है कि इस महीने में पारा 42 से 45 डिग्री के आसपास चलता है। दिन में धूप हालत बिगाड़कर रख देती है। लिहाजा, भीषण गर्मी में पढ़ाई हो न हो, परेशानी जरूर होती है। नन्हें बच्चों के साथ उनके अविभावक भी परेशान होते हैं। हाईस्कूल और हायर सेकण्डरी की परीक्षाएं मार्च के अंतिम सप्ताह में समाप्त हो गईं। उनके नतीजे मई के महीने में आना प्रस्तावित है। लेकिन अभी से दसवीं-ग्यारहवीं की क्लास लग रही हैं, जबकि उनके सब्जेक्ट का चयन नहीं हुआ है। आखिर ऐसे में क्लास लगाने का औचित्य क्या है। कान्वेंट स्कूलों और इंग्लिश मीडियम की नर्सरी से लेकर हाईस्कूल तक टाई लगाने की अनिवार्यता गर्मी में टाई लगाकर स्कूल जाना फांसी के फंदे के समान है। टाई लगाना मतलब, शर्ट के ऊपर की बटन भी बंद हो और शर्ट से हवा जाने का कोई रास्ता नहीं है। जिससे बच्चों के बदन में घमोरियां हो रही हैं। वहीं नॉट कसे होने के कारण गले में पड़ने वाले दबाव की वजह से नकसीर हो रही है। जिससे बच्चों के नाक से खून निकलने लगता है और चक्कर आने लगते हैं। चिकित्सकों की मानें तो टाई बांधने और शर्ट पूरी तरह से बंद हो जाने के कारण शरीर का तापमान बढ़ता है। जिससे ऐसा होता है। लिहाजा, जनापेक्षा है कि कम से कम गर्मी के मौसम टाई लगाने की अनिवार्यता से छूट दी जाए।

सूरज की तपन से तप रहा शहर

उत्तर पश्चिमी हवाओं की वजह से रात के तापमान में कमी चल रही है लेकिन दिन में तेज धूप की वजह से तापमान में उछाल बनी हुई है। सूरज के तीखे तेवरों से शहर जमकर तप रहा है। तेज धूप की वजह से दिन में सड़कों पर निकलना दूभर हो रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक गर्मी अब अपने तीखे तेवर दिखाएगी। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर व दक्षिणी हिस्सों में हुई हल्की बारिश के बाद नमीं भरी हवाएं आ रही हैं, जिससे तापमान स्थिर बना हुआ है। पिछले 244 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया वहीं न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 35 प्रतिशत और सायंकाल 23 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.42 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 6.35 मिनिट पर हुआ। उत्तर-पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 44.4 डिग्री खजुराहों, दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान आमतौर पर शुष्क रहेगा।

वेंडर कांट्रेक्टरों को डिजिटल एम.बी. से होगा भुगतान

एम.पी. ट्रांसको ने डिजिटाइजेशन की दिशा में एक और कदम

जबलपुर। एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) ने अपने कार्यालयीन प्रक्रियाओं में नई तकनीकों के समावेश को आगे बढ़ाते हुए डिजिटाइजेशन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यों के बिलों का भुगतान, जो पूर्व में भौतिक मापन पुस्तिका में मैन्युअल प्रविष्टि के बाद होता था, अब वह डिजिटल एम.बी. के माध्यम से ही होगा। एम.पी. ट्रांसको के विभिन्न विभागों में इसका उपयोग करना अनिवार्य कर दिया गया है।मंत्री श्री तोमर ने बताया कि अब संपूर्ण मध्यप्रदेश में एम.पी. ट्रांसको के कार्यालयों में शत प्रतिशत पारदर्शिता के साथ वेंडर, ठेकेदारों आदि के बिल डिजिटल एम.बी. के माध्यम से भुगतान किये जा रहे हैं। इससे न केवल भुगतान की प्रक्रिया आसान हुई है बल्कि वेंडर, कॉन्ट्रेक्टर आदि भी अपने बिलों की करंट स्टेट्स से अवगत रहते हैं। साथ ही उन्हें निर्धारित समय पर भुगतान प्राप्त भी हो रहा है।

इन हाउस विकसित किया

एम.पी. ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता अजय पांडे ने बताया कि इस डिजिटल एम.बी. को कंपनी की आई.टी. एवं ई.आर.पी. सेल ने कंपनी के वित्तीय विभाग से समन्वय बनाकर इनहाउस विकसित किया है। डिजिटल एम.बी. में वेंडर और कॉन्ट्रेक्टर की उनके द्वारा किए गए कार्यों के पार्ट पेमेंट का नियमानुसार भुगतान करने की भी सुविधा दी गई है। सॉफ्टवेयर से किए गए कार्य, उपयोग हुआ मटेरियल और शेष कार्य तथा मटेरियल की गणना कर भुगतान की राशि निकल आती है।

क्या है डिजिटल एम.बी

डिजिटल एम.बी. एक डिजिटल मापन पुस्तिका है। यह सरकारी कार्यालयों में बाहरी एजेंसी द्वारा किए गए कार्यों, सप्लाई किये गए मटेरियल के बदले भुगतान प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण अभिलेख होता है। यह किए गए कार्य की वास्तविक माप या गिनती का मूल अभिलेख कहलाता है।

भूमि अधिग्रहण नहीं होने से रुका लम्हेटापुल का काम

जबलपुर।

नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा समिति भेड़ाघाट ने तय किया है की प्रति सप्ताह सरस्वती घाट एवं लामेटा घाट पुल के लिए कार्यरत विभिन्न विभागों में ज्ञापन संभागायुक्त कार्यालय में मुख्यमंत्री और लोकनिर्माण मंत्री के नाम सौंपा गया, जिसमें कहा गया है कि लम्हेटा घाट में जमीन अधिकरण न होने के कारण मार्च 2024 से सरस्वती घाट का काम बंद है। 25 हजार हस्ताक्षरों से युक्त यह ज्ञापन संभागीय कार्यालय में उपायुक्त दिव्या अवस्थी को सौंपा गया। नर्मदा महाआरती के संस्थापक परिक्रमा अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल ने बताया कि नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा भेड़ाघाट मार्ग में पड़ने वाले लम्हेटा घाट सरस्वती घाट पुल को पायलट प्रोजेक्ट की तरह जल्दी बनाया जाए सरस्वती घाट पुल की समय सीमा जून 2024 थी अब मार्च 2025 हो गई लम्हेटा की समय सीमा भी 2025 मार्च बताते हैं जिसकी प्रतिलिपि मुख्यमंत्री पीडब्ल्यूडी कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह एवं क्षेत्र विधायक नीरज सिंह के नाम से दी गई।सन 2024 की कार्तिक पूर्णिमा पर निकाली गई हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा में भक्तों की विशाल भीड थी ज्ञात हो दोनों पुल 2017 में मुख्यमंत्री द्वारा पास कराए गए थे जो अभी तक तैयार नहीं हुए। समिति द्वारा 417 बार से अधिक ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं 7 कलेक्टर 6 एसपी 5 आईजी 5 कमिश्नर को अभी तक ज्ञापन देकर अपनी मांग रखी है।इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक परिक्रमा अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल पं मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल विनोद दीवान पप्पू चौबे मनोज गुलाबबानी विशाल पड्या कैलाश विश्वकर्मा दुर्गा पटेल गुड्डू नेता आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री और लोकनिर्माण मंत्री के नाम 417 वां ज्ञापन सौंपा

कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों ने शासन के खिलाफ मोर्चा खोला

जबलपुर। कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों ने शासन के खिलाफ मोर्चा खोल लिया है विभागीय अधिकारियों ने पदोन्नति, समयमान वेतनमान दिए जाने, रिक्त पद भरे जाने सहित अन्य मांगों को लेकर 9 से 30 अप्रेल तक चरणबद्ध आंदोलन किये जा रहे हैं इसी श्रृंखला में कृषि विभाग अधिकारी कर्मचारी संगठन के सदस्यों ने बुधवार को भी काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया और कलेक्टर से मुलाक़ात कर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया की वर्ष 2015 से अधिकारी एक ही पद पर कार्य कर रहे हैं उन्हें पदोन्नति अभी तक नहीं मिल पाई है। इसके अलावा समय मान वेतनमान की भी मांग की जा रही है यदि उनकी मांगे पूरी नहीं होती है तो 1 मई से सभी अधिकारी सामूहिक अवकाश पर चले जाएंगे।

पहलगाम आतंकी हमलाः इस बार ऐसा सबक सिखाएं की फिर कभी आतंकी सर उठाने की जुर्रत न कर पाए - मुद्दीन

पाकिस्तान पर केंद्र सरकार सीधी कार्रवाई करे

हरिभूमि जबलपुर।

पहलगाम का आतंकी हमला इंसानियत को शर्मसार करने वाला है इन आतंकी वहशी दरिंदों ने इस्लाम के नाम पर इस तरह की शर्मसार घटना को अंजाम देकर देश केअमन पसंद सभी मुसलमानों का सर शर्मसार कर दिया1 उकताशय की विज्ञप्ति जारी कर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त एस के मुद्दीन, रिटायर्ड सीईओ कृषि उपज मंडी मकसूद खान, एडवोकेट तबरेज शेख एडवोकेट शाहिद खान, मंच के जिला संयोजक शौकत अली शाहरुख मुद्दीन आमिर राईन मौलाना अलीम खान इमरान खान कलीम मंसूरी जुनैद अंसारी फिरोज़ खान आदि कहा है कि इन वहशी आतंकियों के साथ-साथ इनके पालनहार पाकिस्तान की ऊपर केंद्र सरकार सीधी कार्रवाई करे और ऐसा सबक सिखाएं की दोबारा फिर कभी यह सर उठाने की जुर्रत न करें। इस आतंकी हमले में अपनी जान गंवा बैठे लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मंच ने (खिराजे अकीदत) सादर श्रद्धांजलि अर्पित की है। कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों ने शासन के खिलाफ मोर्चा खोल लिया है विभागीय अधिकारियों ने पदोन्नति, समयमान वेतनमान दिए जाने, रिक्त पद भरे जाने सहित अन्य मांगों को लेकर 9 से 30 अप्रेल तक चरणबद्ध आंदोलन किये जा रहे हैं इसी श्रृंखला में कृषि विभाग अधिकारी कर्मचारी संगठन के सदस्यों ने बुधवार को भी काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया और कलेक्टर से मुलाक़ात कर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया की वर्ष 2015 से अधिकारी एक ही पद पर कार्य कर रहे हैं उन्हें पदोन्नति अभी तक नहीं मिल पाई है। इसके अलावा समय मान वेतनमान की भी मांग की जा रही है यदि उनकी मांगे पूरी नहीं होती है तो 1 मई से सभी अधिकारी सामूहिक अवकाश पर चले जाएंगे।

नाले में गिरे बाईक सवार की मौत

जबलपुर। पाटन थानान्तर्गत कल शाम 6 बजे ग्राम ग्वारी में एक खेत के समीप नाले में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से हडक़ंप मच गया समीप ही एक मोटर साइकिल भी क्षतिग्रस्त हालत में मिली है। सम्भवतः मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर चालक नाले में गिर गया था जिससे उसकी मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के चेहरे पर चोट के निशान देखे हैं सूचना पर मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमोर्टम के लिए भिजवातें हुए मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है। पाटन पुलिस ने बताया कि ग्राम ग्वारी निवासी बाल किशन मेहरा कल शाम लगभग 6 बजे अपने खेत में काम कर रहे थे तभी गांव के नितेश सिंह ठाकुर ने उन्हें फोन पर सूचना दी कि उसके खेत के समीप एक नाले में एक युवक का शव पड़ा है। बालकिशन ने घटना स्थल पर जाकर देखा कि मृतक के चेहरे पर चोट के निशान थे।

चोरी की बाईक, मंगलसूत्र समेत आरोपी पकड़ाया

जबलपुर। संजीवनी नगर पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम ने दो लूट की वारदातों एवं एक वाहन चोरी की घटनाको अंजाम देने वाले एक आरोपी को दबोच लिया है वहीं उसका दूसरा साथी फरार है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने कोतवाली थानान्तर्गत संगम कालोनी से एक मोटर साइकिल चोरी कर उसमें सवार होकर अपने साथी के साथ संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में धनवंतरी नगर कालोनी में सिलसिलेवार मंगलसूत्र को खिंचने की दो वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस आरोपी की निशानदेही पर सोने का एक मंगलसूत्र एवं चुरायी गई एचएफ डीलक्स हीरों मोटर साइकिल जब्त की है। घटना के संबंध में संजीवनी नगरपुलिस ने बताया कि गत 19 अप्रैल की सुबह लगभग 6 बजे श्रीमती रूचि पटेल मार्निंग वॉक पर पैदल निकली थी वे पैदल क्षितिज मंडल स्कूल से टहलते हुए कमेटी हाल एवं कमेटी हॉल से होते हुए दाहिनी तरफ मुडक़र गुरूकुल स्कूल की ओर जा रही थी तभी वहां रोड पर सामने की ओर से एक एचएफ डीलक्स बाईक पर सवार दो लडक़े आये जो अचानक रूचि पटेल के पास से गुजरे। इस दौरान मोटर साइकिल में पीछे बैठे लडक़े ने उसके गले से मंगलसूत्र खींच लिया। रूचि ने पीछे पलट कर देखा कि मंगलसूत्र खिंचने वाले लडक़े ने सफेद शर्ट व सफेद पहना था बाईक चलाने वाला लडक़ा आरेंज टीशर्ट पहना था इसी थाना अन्तर्गत इन्हीं आरोपियों ने महज आधे घंटे के अंतराल से कमल किराना स्टोर्स के सामने मानिँग वॉक पर निकली श्रीमती दीक्षा चढ़ार को निशाना बनाया इसी अंदाज में आरोपियों ने दीक्षा के गले से मंगलसूत्र खींचा दीक्षा ने मंगलसूत्र पर अपना हाथ रखा तो मंगलसूत्र का लॉकेट उसके हाथ में आ गया और कुछ मोती नीचे गिरकर जमीन पर बिखर गये। इसदौरान कुछ मोती मंगलसूत्र के साथ खिंचकर आरोपी के हाथ में चले गये। इन्हीं आरोपियों ने गत 15 अप्रैल को संगम कालोनी उखरी कोतवाली थानान्तर्गत दिन दहाड़े किसान मोहन लाल साहू की सडक़ किनारे खड़ी मोटर साइकिल एचएफ डीलक्स क्रमांक एम पी 20 एमएक्स 4744 चोरी कर संजीवनी नगर थानान्तर्गत धनवंतरी नगर में मंगलसूत्र लूटने की वारदातों को अंजाम दिया था। लूट एवं वाहन चोरी को अंजाम देने वाले साहिल बेन को पुलिस ने दबोच लिया है वहीं उसके साथी क्रिश जाटव की तलाश की जा रही है।

कोतवाली से बाईक चुरा कर संजीवनी नगर में खींचे 2 मंगल सूत्र

ई रिक्शा ले गये चोर

जबलपुर। गोरखपुर थानान्तर्गत गत 17 अप्रैल की सुबह 9 बजे गुडलक अपार्टमेंट के समीप खड़ा एक ई रिक्शा अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। अज्ञात आरोपी पर धारा 303 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। गोरखपुर पुलिसने बताया कि पाल कम्पाउंड हाथीताल निवासी अभितेज दुबे ई रिक्शा चलाता है गत 17 अप्रैल की सुबह लगभग 9 बजे अभितेज अपने बड़े भाई धनेन्द्र उपाध्याय के घर गुडलक अपार्टमेंट हाथीताल कालोनी के पास अपना ईरिक्शा क्रमांक एमपी 20 जेडएम 9460 खड़ा कर रिश्तेदारी में शादी में चला गया था। कल सुबह लगभग 9 बजे अभितेज ने जाकर देखा कि उसका ईरिक्शा गायब था जिसे कोई अज्ञात चोर ले गया था।

आउटसोर्स श्रमिक के परिजन को 50 लाख मुआवजे की मांग

जबलपुर। विगत 15 अप्रैल को विद्युत विभाग, जबलपुर साउथ डिवीजन के अंतर्गत कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी पुष्पेंद्र चढ़ार की कार्यस्थल पर करंट लगने से हुई दुःखद मृत्यु के मामले में आज शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ 'नाटी' शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने अधीक्षण अभियंता, शहर संभाग को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में इस घटना को विभागीय लापरवाही का परिणाम बताया गया और कहा गया कि यह सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी का मामला है। शहर कांग्रेस ने मृतक के परिवार को 50 लाख की आर्थिक सहायता और एक आश्रित को शासकीय सेवा अथवा अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने की मांग की है। ज्ञापन में मांग की गई है कि घटना की उच्चस्तरीय व स्वतंत्र जांच हो। दोषियों पर भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हो। मृतक परिवार को मुआवज़ा एवं नौकरी दी जाए। आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपकरण व बीमा व्यवस्था अनिवार्य हो। आउटसोर्सिंग नीति की समग्र समीक्षा कर नई पारदर्शी नीति लागू की जाए।शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि यह केवल एक कर्मचारी की मौत नहीं, बल्कि श्रमिक अधिकारों का घोर उल्लंघन है। कांग्रेस पार्टी श्रमिकों के साथ खड़ी है और मृतक परिवार को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। इस अवसर पर अनुज श्रीवास्तव,संदीप चड़ार, पविंद्र चौहान, रितेश खेमतानी, विक्रम ठाकुर, लेखराम चड़ार, प्रदीप वाधवा, शुभम चड़ार,किशन पटेल,प्रमोद चड़ार,अंकित चड़ार,अजय चड़ार, आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस ने अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा

स्टेरिंग फेल होने से कार पलटी, महिला की मौत

कार की टक्कर से वृद्ध की मौत

जबलपुर। बरगी थानांतर्गत कल सुबह 11 बजे रैपुरा के समीप कार का स्टेरिंग फेल हो जाने से कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर कर पलट गई। घटना में कार में सवार एक महिला की मौत हो गई वहीं एक युवक घायल है। मृतका के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। वही एक अन्य घटना में कार की टक्कर लगने से 80 साल के बुर्जुग की मौत हो गई। बरगी पुलिस ने बताया कि कुहिया चांद थाना छिंदवाड़ा निवासी जितेनद्र कुशवाहा कल अपनी जीजा की कार से बहन, जीजा, मां तथा अन्य लोगों के साथ मैहर, चित्रकूट दर्शन करने के लिए गया था। घर वापस जाते समय कल सुबह 11 बजे जैसे ही ग्राम रैपुरा के समीप पहुंचे। तभी अचानक कार की स्टेरिंग की राड टूट जाने से कार अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे एक गड्ढे में गिर कर पलट गई। कार में सवार जितेनद्र कुशवाहा व उसकी मां सुनीता कुशवाहा को चोटें आई थी। मेडीकल अस्पताल में सुनीता को डॉक्टर ने चेक कर मृत करार दिया।

कार की टक्कर से वृद्ध की मौत ...

बरगी थानांतर्गत कल टोल नाका के समीप पैदल जा रहे 68 वर्षीय भैयालाल को तेज रफ्तार कार के चालक ने टक्कर मार दी। घटना में घायल वृद्ध को इलाज के लिए उसका पुत्र गोपाल धुर्वे मेडीकल अस्पताल लेकर आया। जहां डॉक्टर ने चेक कर उसे मृत करार दिया।

महापौर व अध्यक्ष सलाहकार परिषद गठन का प्रस्ताव

महापौर ने प्रस्ताव को बजट में शामिल करने का दिया आश्वासन

जबलपुर। संस्कारधानी के सर्वांगीण विकास में जनभागीदारी सुनिश्चित करने हेतु महापौर सलाहकार परिषद एवं अध्यक्ष सलाहकार परिषद का गठन का प्रस्ताव और अधिक समावेशी, जन-आधारित एवं दूरदर्शी बनायेगा यह सुझाव नगर निगम अध्यक्ष रिंकु विज ने सदन में रखा। जिस पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने सहर्ष स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि यह जनहित का प्रस्ताव सर्वसम्मति से शामिल किया जायेगा। अध्यक्ष रिंकुंज विज ने बताया कि जबलपुर शहर में विभिन्न क्षेत्रों के ऐसे अनेक गणमान्य व्यक्ति हैं जो अपने विशिष्ट ज्ञान, अनुभव और दृष्टिकोण से शहर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। पत्रकार, साहित्यकार, वरिष्ठ राजनेता, शिक्षाविद, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, इतिहासकार एवं कलाकार जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर उनके विचारों और सुझावों को विकास योजनाओं में शामिल करना अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। यह न केवल विकास प्रक्रिया को अधिक समग्र बनाएगा बल्कि नागरिकों की आकांक्षाओं को भी बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करेगा। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य है कि शहर के विकास संबंधी महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों में

विभिन्न हितधारकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना। महापौर एवं नगर निगम अध्यक्ष को शहर के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञ सलाह प्रदान करना। विकास योजनाओं को अधिक व्यावहारिक समावेशी औद दूरदर्शी बनाना। शासन और नागरिकों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना। जबलपुर को एक सुन्दर, स्वच्छ, हरित एवं विकसित शहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाना।

जबलपुर साहित्य, संस्कृति और विरासत का संगम

नर्मदा के पावन तट पर स्थित जबलपुर शहर न केवल प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है, बल्की इसका साहित्यिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व भी अद्वितीय है। यह नगर प्राचीन काल से ही ज्ञान, साधना और संस्कृति की भूमि रही है यहीं जवाली ऋषि की तपोभूमि रही है।

जबलपुर की गौरवशाली पहचान

जबलपुर ने ऐसे विभूतियों को जन्म दिया है जिन्होंने देश-विदेश में इस नगर का नाम रोशन किया जैसे - आचार्य रजनीश (ओशो), महर्षि महेश योगी, हरिशंकर परसाई, डॉ. रामेश्वर शुक्ल (अंचल), प्रेमनाथ अनेकों नाम हैं। इन सभी महापुरूषों की कृतियों और विचारों ने जबलपुर को साहित्यिक और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में स्थापित किया है। ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण आवश्यक जबलपुर की प्राचीन इमारतें, कुएँ, बावडिय़ाँ, और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थल हमारी ऐतिहासिक विरासत है।

खबर संक्षेप

पर्यावरण की सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी

जबलपुर। 'अर्थ डे' (पृथ्वी दिवस) पर, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने पर्यावरण सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। टीकेएम के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और निदेशक (विनिर्माण) बी. पद्मनाभ ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी हम सब की है। टीकेएम में, यह प्रतिबद्धता हमारे अहम मूल्यों में अंतर्निहित है जो हमें न केवल वैकल्पिक ईंधन से चलने वाले पावरट्रेन सहित विभिन्न विद्युतीकृत वाहन प्रौद्योगिकियों को नया रूप देने और पेश करने के लिए प्रेरित करती है बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से लचीली दुनिया की खोज में अक्षय ऊर्जा को अपनाने सहित ऐसी सामूहिक पहल का नेतृत्व भी करती है जो निरंतर जारी रहें।

वोल्वो ने टाइम इक्विपमेंट को नया डीलर पार्टनर बनाया

जबलपुर। वोल्वो कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट (वोल्वो सीई) इंडिया ने घोषणा की कि उसने टाइम इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड को दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश (एनसीएल सिंगरौली सहित) और उत्तराखंड के लिए अपना अधिकृत डीलर नियुक्त किया है। फरीदाबाद डीलरशिप मुख्य कार्यालय का उद्घाटन वोल्वो सीई इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर दिमित्रोव कृष्णन और हेड ऑफ प्रोडक्ट एंड रिटेल मैनेजमेंट सुरत मेहता द्वारा किया गया।

नृत्य एवं अभिनय संस्कार शिविर 26 से

जबलपुर। लोकराग समिति एवं ऋतु रंगशाला द्वारा 26 अप्रेल से शिव बारात घर गौतम मढ़िया के पास कछपुरा गुलौआ चौक में नृत्य एवं अभिनय संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लोक नृत्य, लोक संगीत, अभिनय, मेकअप, स्टेज क्राफ्ट एवं मार्शल आर्ट का एक प्रकार कल्लरिपयट्टू का प्रशिक्षण एक माह दिया जाएगा। कार्यशाला का समय मध्यान्ह 02 से शाम 6.30 बजे तक होगा, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के लोक नृत्य अभिनय की बारीकियां एवं कल्लरिपयट्टू का प्रशिक्षण विषय विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा। साथ ही इस कार्यशाला में तैयार हुए नृत्य, नाटक एवं कल्लरिपयट्टू की प्रस्तुति भी समापन अवसर पर दी जाएगी। उक्त शिविर की जानकारी संस्था के अध्यक्ष संजय पांडे ने दी।

1 जनवरी 25 के बाद नियुक्त लोगों को ही आठवें वेतन का लाभ

जबलपुर। केन्द्र सरकार द्वारा कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को दिया जाने वाला आठवां वेतनमान का लाभ केवल उन्हीं लोगों को मिलेगा जो 01.01.2025 के बाद नियुक्त हुए हैं। इससे पूर्व के लोगों को उक्त लाभ से वंचित रखा गया है। इस आदेश के विरोध में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसियेशन जबलपुर ने 22 अप्रेल को संभागायुक्त जबलपुर को ज्ञापन सौंपा। केन्द्र शासन की उक्त नीति के विरोध में कर्मचारियों एवं पेंशनर्स में रोष व्याप्त है। ज्ञापन देते समय एड. राजकुमार दुबे, केएस ठाकुर, एसके तिवारी, राजेन्द्र प्रसाद सेन, वीवी साहू, रामचरण सेन, विनय कुमार तिवारी, ललित कुमार मिश्रा, प्रीतम लाल झारिया, नीलेशचंद्र तिवारी, अठ्ठीलाल झारिया, रामचरण सेन, सरदार महेन्द्र सिंह, सरदार कुलदीप सिंह, रामनरेश शुक्ला सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आईपीएल सट्टा खिलाते 2 सटोरिये गिरफ्तार

जबलपुर। ओमती पुलिस ने जयंती कॉम्पलेक्स के पास आनलाईन क्रिकेट का सट्टा खेल रहे दो सटोरिए को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो मोबाइल जब्त किया है। ओमती थाना प्रभारी राजपाल सिंह बघेल ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर जयंती काम्पलेक्स के पास आईपीएल क्रिकेट सट्टा खेल रहे नगीना मस्जिद मैदान के पास गोहलपुर निवासी 45 वर्षीय नफीस राजा और नई बस्ती अंसार नगर चौपड़ा गोहलपुर निवासी 54 वर्षीय अयूब अंसारी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो मोबाइल जब्त किए है। क्रिकेट सट्टा के संबंध में पूछताछ करने पर दोनों ने राशिद मंसूरी द्वारा आईडी उपलब्ध करवाना बताये। पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 4 क सट्टा एक्ट तथा 49 भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्यवाही की गई है।

केंद्र शासन से डबल सर्जिकल स्ट्राइक की मांग

हिन्दू सेवा परिषद् ने इस्लामिक आतंकवाद का पुतला फूंका

हिन्दू सेवा परिषद् परिषद ने आज कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में इस्लामी आतंकवाद का पुतला फूंका। कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंकते समय आतंकवाद एवं पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

हिन्दू सेवा परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अतुल जेसवानी ने कहा कि केंद्र शासन इस पर डबल सर्जिकल स्ट्राइक करें, क्योंकि पाकिस्तान तो दुश्मन है ही साथ ही साथ कश्मीर में रह रहे आस्तीन के सांप भी दुश्मन हैं। इस पुतला दहन आंदोलन के दौरान हिन्दू सेवा परिषद ने आवाहन किया कि भारत के किसी भी जिले में जिहादी छुपे हैं तो उनको पकड़कर ठोकने से ही जिहाद एवं आतंकवाद पर लगाम लगेगी। इस पुतला दहन आंदोलन के दौरान अतुल जेसवानी, गौरव साहू, निखिल कनौजिया, धीरज ज्ञानचंदानी, अंकित विश्वकर्मा, दीपक विश्वकर्मा, अंकित साहू, पारस, राजा रजक, अंकित राजपूत, उमेश रजक एवं दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

सर्व ईसाई महासभा ने पहलगाम, कश्मीर आतंकी हमले के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

सर्व ईसाई महासभा द्वारा कश्मीर के पहलगाम में हुए निंदनीय आतंकी हमले के विरोध में 23 अप्रैल 2025 को कैंडल मार्च निकाला गया। ईसाई समाज के समाज सेवी पास्टर जी. स्टेनली सुकुमार ने बताया पहलगाम, कश्मीर आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की नृशंस हत्या अत्यंत हृदयविदारक और निंदनीय है। हम उन सभी मासूमों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने इस क्रूर हमले में अपनी जान गँवाई। उनके परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएँ हैं। प्रभु यीशु मसीह से हमारी प्रार्थना है कि परिवारों को शांति प्रदान करे और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ दे। इस कायरतापूर्ण कृत्य के दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए। हम सब इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ एकजुट हैं। इस दौरान इस दौरान ईसाई समाज के धर्मगुरु जी. स्टेनली सुकुमार, पीटर जॉनसन, मलर सेलवन, राष्ट्रिय कोषाध्यक्ष डेविड फ्रांसिस, प्रदेश अध्यक्ष विनोद चैंबर्स, जिला अध्यक्ष शान कुमार, प्रदेश संघठन मंत्री प्रभाकर चक्रे, जिला सचिव डेन्ज़लि आंग्रे, जिला कोषाध्यक्ष जेरी दयाल, युवा मोर्चा अध्यक्ष नॉर्बर्ट पॉल युवा सचिव शिमोन, राजा बाबू, मीडिया प्रभारी मनोज एंथोनी, मेशक, संजय, पी. आशीष सनी एवं संघठन के लोग शामिल रहे।

मिट्टी, गौ माता एवं वृक्ष पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ

हमारा गांव हमारा तीर्थ हो इसके लिये सभी को प्रयासरत होना चाहिये : गुरुराज जी

पाटन। राष्ट्रीय स्वं सेवक संघ के आयाम समग्र ग्राम विकास द्वारा भूमि सुपोषण अभियान के अन्तर्गत ग्राम सिमरिया और मादा में कार्यक्रमो का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय अधिकारी गुरुराज जी भाई साहब ,संत आत्माराम त्यागी ने गौमाता एवम वृक्ष पूजन और भूमिपूजन के साथ किया । इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित ग्रामीण जनों से अपने अपने गांव को ही तीर्थ समान बनाकर देश मे उदाहरण प्रस्तुत करने प्रेरित किया उन्होंने कहा हमारा प्रत्येक गांव नशामुक्त , संघर्ष मुक्त ,शिक्षित, साफ स्वच्छ एवं स्वस्थ हो इसके लिये सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा । यदि हमारे गांव ऐसे बनाने में हमसफल हो गए तो निश्चित ही हमारा गांव तीर्थ बन जाएगा ऐसी स्थिति में घर - घर में विकास की लहर दोड़गी।

राम नाम संकीर्तन के साथ गांव दर्शन

राम संकीर्तन शोभायात्रा के साथ समस्त अधिकारियों ने गांव में जाकर गांव दर्शन किये जिसमे उन्होंने शिक्षा संस्कार केंद्र , रोपणी ,पुस्कालय और गांव के युवाओं ने उनको भजन सुनकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया । इस अवसर पर लोगो ने घर के सामने चौक पूरकर एवं दिया जलाकर और कलश रखकर अतिथियों का स्वागत किया । गांवों के लोगों ने जगह - जगह पुष्प वर्षा कर सभी का दिल जीत लिया।अंत मे समरसता भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

गौ आधारित खेती हर किसान करे

इस अवसर पर उन्होंने गौ आधारित खेती करने उपस्थित किसान भाइयों ,माताओ और बहिनो और युवाओं से आह्वान किया उन्होंने रासायनिक खाद से होने वाले नुकसान पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूर्व कृषि अनुविभागीय अधिकारी रघुनाथ सिंह,संघ चालक यादवेंद्र सिंह,प्रान्त संयोजक श्याम जी,सह कार्यवाह नंदकिसोर पटेल,प्रान्त टोली सदस्य सुजीत सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला संयोजक संजय सिंह,उत्तम सिंह,लालजी पटेल,ब्रजेश यादव,राजकुमार जैन,ज्ञानेश शर्मा, रामराजा यादव, अरविंद यादव, राजकुमार सिंह, बल्लू पटेल, शैलू यादव, विक्रम यादव, विशाल सिंह,पप्पू रजक, छतर सिंह, माखन सिंह, संतोष सिंह, बहादुर सिंह, गिरवर सिंह आदि सैकड़ो की संख्या में माता - बहिने, युवा और बुजुर्ग जन उपस्थित रहे ।

धर्म पूछकर लोगों को मारने वालों एवं उनके रहनुमाओं को नेस्तानाबूद किया जायेगाः डॉ अभिलाष

आतंक का समूल नाश करने करवाया शत्रु नाशक एवं नवग्रह शांति यज्ञ

हरिभूमि जबलपुर।

विगत दिवस जम्मू कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकवादी हमले में निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या के विरोध में उत्तर मध्य विधानसभा के समस्त भाजपा पदाधिकारियों द्वारा विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय जी के नेतृत्व में यज्ञ किया गया एवं इसके माध्यम से ईश्वर से प्रार्थना करके देश के शत्रुओं का नाश करने एवं नवग्रह शांति हेतु हवन किया गया। इस दौरान विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि आतंकवादियों के द्वारा निर्दोष नागरिकों पर कार्यतापूर्ण किया गया हमला एवं उनकी निर्ममता से हत्या की गई है। ये आतंकी अपनी जिहादी मानसिकता के साथ सदैव ही देश को अस्थिर करने का प्रयास करते हैं एवं जिस प्रकार से पिछले कुछ समय से धारा 370 के हटने के बाद से कश्मीर में शांति और विकास की नई धारा बह रही है ये इनको रास नहीं आ रही है।।पाकिस्तान परास्तआतंकवादियों को पनाह देने वाले देशों और उनके आकाओं को भी हमारी सेना और सुरक्षा बल जल्दी है नेस्तनाबूदबरू करने का कार्य करेंगे इसके लिए आज हम सब ने मिलकर सूर्यादि नवग्रह शांति एवं शत्रु नाश हेतु यज्ञ एवं हमारे शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी जी गृहमंत्री अमित शाह जी एवं सभी सुरक्षा बलों को आत्मबल,सामर्थ्य, शत्रु को छिन्न भिन्न करने की शक्ति और सुरक्षा प्रदान कर करने के लिए यज्ञ में अपनी ओर से आहुति समर्पित की।सभी हताहत लोगों के परिवार जनों के साथ इस दुख की घड़ी में पूरा देश खड़ा हुआ है हमारा नेतृत्व और सुरक्षा बल जल्दी ही इसका बदला लेंगे और पूर्ण रूप से इनको समाप्त करने का कार्य करेंगे।इस दौरान डॉ धीरवानी,पवन तिवारी,असीम त्रिवेदी,मंडल अध्यक्ष सपन यादव,योगेश बिलोहा,राहुल रजक,पुष्पराज पाण्डेय,पार्षद कमलेश अग्रवाल,रजनी कैलाश साहू,अंशुल राघवेंद्र यादव,लवलीन काके आनंद,मनीष जैन कल्लू,अजय तिवारी,प्रणीत वर्मा,संजय यादव,आयुष चौबे,अनुज जैन मासाब,राजेश रोहरा ,रमेश रैकवार,अमर पटेल, उज्जवल पचौरी, रवि पटेल,प्रवीण नायडू,चंद्रशेखर पटेल,शिरीष सिंघई,नितिन मिश्रा,राहुल बैन,अंकित पाठक,शानू दुबे, रनेश खरे,सुधा तिवारी आदि बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुस्लिम विकास परिषद ने कलेक्टर को किया सम्मानित

जबलपुर। मुस्लिम विकास परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी व परिषद के हाजी मुईन खान एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने मिलकर 22 अप्रेल को जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना को उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया। बताया गया मंगलवार को जनसुनवाई में आम लोगों की 20 वर्ष पुरानी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा था, जिन्हें कलेक्टर कार्यालय में राहत मिली। दीपक सक्सेना ने अपना पूरा समय देकर लोगों को सुना और उनकी समस्याओं का निराकरण किया, वहीं शहर एवं जिला स्तर पर शांति, अमन कायम बनाये रखा, रामनवमी, ईद, होली, नवरात्रि जैसे पर्व में एवं शिक्षा के क्षेत्र में कठोर निर्णय लेकर आम जनता के पक्ष में कार्यवाही करने वे बधाई के पात्र हैं। साथ ही पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय का भी भरपूर सहयोग रहा। सम्मान कार्यक्रम में असफाक आरिफ शेख निजामी साहब, मोनिस अंसारी, इरफान फैजान कुरैशी, वसीम खान, इस्तियाक अंसारी, गुलाम सबरी, महताब अली, एड. रियाज, जावेद मिर्जा, इस्लाम अली, जावेद राईन, शहीद कुरैशी, तारीख कुरैशी, अशरफ कुरैशी, लियाकत जावेद आदि उपस्थित रहे।

नर्मदा तट पर किया सुंदरकांड एवं महाआरती का आयोजन

जबलपुर। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत महिला प्रकोष्ठ जिला जबलपुर द्वारा कल पूर्व संध्या पर भगवान परशुराम प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में सुंदरकांड एवं महाआरती का आयोजन नर्मदा तट के किनारे किया गया, प्रदेश संरक्षक श्रीमती सोनल तिवारी द्वारा नर्मदा तट पर महाआरती का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रदेश महासचिव विजयकांत तिवारी, महिला प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। संभागीय संयोजक गीता अवस्थी, संभागीय महासचिव कंचन तिवारी, जिला महामंत्री मनीषा पाराशर, जिला सचिव सविता रेनू उपाध्याय, जिला सचिव निशा तिवारी, कोषाध्यक्ष दिशा चौबे, संयोजक संयोजक ज्योति शुक्ला, संयोजक रेखा तिवारी, व्हाट संयोजक अर्पिता चौबे, जिला सचिव सरोज शर्मा, कल्पना शुक्ला, स्वयंसेवक संगठन से भगवती भारद्वाज, ब्राह्मण एकता मंच एकता से अतुल दुबे, राहुल दुबे, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा से कविता दुबे, कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा से अनीता शुक्ला, रेणुका, सुनिधि बाजपेई, अनंत ब्राह्मण सभा से शक्ति शुक्ला, लकी गर्ग, अनंत ब्राह्मण महासभा से अखिलेश उपाध्याय, अरुण शुक्ला, अन्य संगठन के साथ संगठित होकर एवं और मातृ शक्तियों के साथ भगवान परशुराम भगवान का सुंदरकांड एवं महाआरती, नर्मदा जी की आरती पूर्ण लाभ अर्जित किया गया अन्य मातृशक्तियां भी उपस्थित रहीं।

किताबें हमारी सर्वश्रेष्ठ मित्र हैं : सुषमा कर्चुली

सिहोरा। विश्व पुस्तक दिवस के उपलक्ष में आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 8 में स्व सेवा संयोजन समिति द्वारा संचालित ज्ञानश्री पुस्तकालय द्वारा आंगनबाड़ी संचालिका सानिया पटेल को बाल साहित्य उपलब्ध कराया गया। जिसके माध्यम से आंगन बाड़ी में आने वाले बच्चों को ज्ञान वर्धक गीत कहानियों के द्वारा बच्चों में बौद्धिक विकास होगा।इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 8 की महिलाओं किसोरी बालिकाओं के साथ सी एम राइज स्कूल की प्रधानाचार्या माया शुक्ला और सुधा उपाध्याय, समिति की अध्यक्ष सुषमा सिंह कर्चुली उपस्थित थीं।

केंद्र सरकार, गूगल, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट व शाओमी को हाईकोर्ट से नोटिस

जनहित याचिका में आरोप-डाटा चुरा रहे खतरनाक ऐप्स

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर कहा गया है कि मोबाइल में मौजूद प्री इंस्टॉल या गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर से डाउनलोड किए गए एप्प यूजर की सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं। क्योंकि यूजर को भी पता नहीं चलता कि ये एप्प उसकी जानकारी किससे साझा कर रहे हैं। जो आगे जाकर एक साइबर ठगी का रूप भी ले सकती है।मांग की गई है कि भारत सरकार एक स्वतंत्र नियामक संस्था का गठन करे, जो मोबाइल कम्प्यूटर पर लांच होने वाले ऐप्स की पूर्व जांच कर उन्हें आम उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित घोषित करे। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने केंद्र सरकार, गूगल, एप्पल व शाओमी कम्पनी को नोटिस जारी किया है। चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

पेंशनर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। पेंशनर्स एसोसिएशन ने अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के तत्वाधान में सोमवार को जिले के पेंशनर्स पदाधिकारियों ने संभागीय आयुक्त कार्यालय के समक्ष उपस्थित होकर अपनी चार सूत्रीय लंबित मांगों के संबंध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद मांग पत्र संभागीय उपायुक्त कविता बाटला को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि म.प्र. के पेंशनर्स की लंबित मांगो के संबंध में निरंतर आंदोलन किए जाने के बाद भी राज्य शासन के द्वारा कोई भी निर्णय नहीं लिया जा रहा है।

सफाई कार्यों में घोर भ्रष्टाचार का आरोप, तालाबंदी की चेतावनी

उत्तर-मध्य युवा कांग्रेस ने घेरा भानतलैया जोन कार्यालय

जबलपुर। नगर निगम के भानतलैया जोन 08 के अंतर्गत आने वाले मौलाना अबुल कलाम आजाद वार्ड और हनुमानताल वार्ड में सफाई कार्यों के नाम पर की जा रही घोर लापरवाही, अनियमितता और भ्रष्टाचार के खिलाफ उत्तर-मध्य युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोन का घेराव कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान संभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी गई कि यदि डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, नाले नलियों की सफाई, क्षेत्र में झाड़ू और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कार्य की व्यवस्थाएं क्षेत्र में चुस्त दुरुस्त नहीं की गईं तो उत्तर मध्य युवा कांग्रेस द्वारा जल्द ही संभागीय कार्यालय में तालाबंदी कर उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। उत्तर (मध्य) युवा कांग्रेस के अध्यक्ष सिद्धांत जैन गोलू ने बताया कि इन दोनों ही वार्डों में बीते लंबे समय से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है। क्षेत्र के गली कूचों और मोहल्लों में ठेका कर्मचारियों द्वारा नियमित साफ सफाई न किए जाने से आम नागरिक परेशान हैं, युवा कांग्रेस शहर उपाध्यक्ष एड. आकाश तिवारी ने आरोप लगाया कि नगर निगम के सफाई ठेके में अधिकारियों और ठेकेदार द्वारा सफाई कार्यों के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है, साफ सफाई करने के लिए जरूरी उपकरण नहीं हैं, उदाहरण के लिए यदि वार्ड में प्रतिदिन 40 सफाई कर्मचारी बताए जाते हैं तो उसके मुकाबले 10 से 12 कर्मचारी ही तैनात होते हैं, मगर उतने कर्मचारियों के पास भी जरूरी सफाई उपकरण नहीं होते? जबकि नगर निगम से ठेकेदार सफाई कर्मचारियों की रिकॉर्ड में से दिखाई गई कर्मचारी संख्या के हिसाब से भुगतान हड़प कर रहा है जिसकी बंदरबांट ठेकेदार और निगम अधिकारियों की आपसी सांठगांठ से की जा रही है। इन तमाम मामलों की ओर शीघ्र ध्यान देकर ठोस कार्यवाही करने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग ज्ञापन में की गई है। घेराव और प्रदर्शन के दौरान उत्तर-मध्य विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष सिद्धांत जैन गोलू, जबलपुर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष विजय रजक, पार्षद अख्तर अंसारी, अजय रावत, रज्जू सराफ, एड. आकाश तिवारी, पंकज पटेल, ताज खान, चंदन चौधरी, आशीष उसरेठे, अभिजीत सिंह ठाकुर, ताहिर खान, दिलीप साहू, मनीष पाठक, नीलेश जैन नीटू, मोनू खंडेलवाल, साहिल यादव, कौशल यादव, सौरभ रैकवार, राज विश्वकर्मा, रिजवान अली सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्यजन और युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीमती संजना जैन- फूटाताल हनुमानताल रोड निवासी श्री आदित्य जैन की धर्मपत्नी श्रीमती संजना जैन (24) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

कु. आस्था बचवानी- गोस्वामी दरबार के पास द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री राजेश बचवानी की पुत्री कु. आस्था बचवानी (18) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती विमला सिंह ठाकुर- मीनाक्षी अपार्टमेंट कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री गोविंद सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती विमला सिंह ठाकुर (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

कु. खुशी चौधरी- रामहरख का बगीचा कुचबंधिया मोहल्ला के पास नेहरू वार्ड निवासी श्री धर्मेंद्र चौधरी की पुत्री कु. खुशी चौधरी (18) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मूलचंद कुकरेजा- श्रद्धा नगर ललपुर रोड निवासी श्री मूलचंद कुकरेजा (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रूपा रजक- कछियाना मोहल्ला द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री लक्ष्मण रजक की धर्मपत्नी श्रीमती रूपा रजक (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मनोहर तड़पे- एमआईजी 142, शिवनगर दमोहनाका निवासी श्री मनोहर तड़पे (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कलावती पासी- तुलसी मोहल्ला बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्री पुनवासी राम पासी की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती पासी (97) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शीला बघेल- कृष्णा कॉलोनी धोबीघाट कजरवारा रोड निवासी श्री नवीन चंद्र बघेल की धर्मपत्नी श्रीमती शीला बघेल (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती खुशबू चक्रवर्ती- बड़ी मदार टेकरी शंकर चौक निवासी श्री नितेश चक्रवती की धर्मपत्नी श्रीमती खुशबू चक्रवती का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रभाकर कृष्णाराव कामड़ी- साकेत नगर रांझी निवासी श्री प्रभाकर कृष्णाराव कामडी (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हरदेव प्रसाद साहू- सिद्धबाबा साहू मोहल्ला निवासी श्री हरदेव प्रसाद साहू (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- 1x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- 1x4 से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज 1x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362110

7 लाख के 21 लाख चुकाए, फिर भी ब्याज मांग रहे सूदखोर

जबलपुर। पनागर थानांतर्गत ग्राम पड़रिया में एक व्यक्ति ने अपने जमीन पर प्लाटिंग करने पिता, पुत्र से 10, 20 प्रतिशत ब्याज पर 7 लाख रुपये उधार लिए थे। जिसके एवज में वह 21 लाख 25 हजार रुपये उन्हें दे चुका है। इसके बावजूद पिता, पुत्र उसे ब्याज के लिए धमका रहे हैं। आरोपी सूदखोर पिता, पुत्र पर धारा 295, 3(5) बीएनएस तथा 2, 4 ऋणियों का संरक्षण अधिनियम एवं एससीएसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पनागर पुलिस ने बताया कि भारती कालोनी बिलपुरा निवासी रंजीत चौधरी ने वर्ष 2015 में ग्राम पड़रिया स्थित खसरा नंबर 484 रकबा तीन एकड़ भूमि गढ़ा निवासी आदिनाथ दुबे से खरीदी थी। उक्त जमीन पर प्लाटिंग करने के लिए रंजीत को पैसों की जरूरत थी। उसने मानेगांव रांझी निवासी अनिल गुप्ता से वर्ष 2015 में 2 लाख रुपये 10 प्रतिशत मासिक ब्याज पर उधार लिए थे। उधार लेने के बाद अनिल गुप्ता को रंजीत हर माह 20 हजार रुपये अदा करता था। इसके बाद अनिल गुप्ता रंजीत से हर माह 40 हजार रुपये मांगने लगा। अनिल ने कहा कि 40 हजार रुपये हर माह नहीं दोगे तो तुम्हारे खाते से 10 लाख रुपये निकाल लूंगा। रंजीत डर के कारण अनिल को हर माह 40 हजार रुपये ब्याज देने लगा। वर्ष 2018 में रंजीत का और पैसों की जरूरत पड़ी तो उसने पांच लाख रुपये 10 प्रतिशत ब्याज पर अनिल गुप्ता से उधार लिए थे। 7 लाख रुपये उधार लेने के बाद रंजीत अनिल गुप्ता व उसके पुत्र संदल गुप्ता को अब तक ब्याज समेत उधारी की रकम के एवज में 21 लाख 25 हजार रुपये दे चुका है। इसके बाद भी पिता, पुत्र रंजीत को धमका कर और ब्याज मांग रहे हैं।

भारत का वृद्धि अनुमान घटा, 6.3 फीसदी रहने की संभावना

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

विश्व बैंक ने बुधवार को वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीति अनिश्चितता के बीच चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को 0.4 प्रतिशत घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया।विश्व बैंक ने अपने पिछले अनुमान में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। विश्व बैंक ने अपने द्विवार्षिक क्षेत्रीय दृष्टिकोण में कहा कि भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि निराशाजनक रही, क्योंकि निजी निवेश में धीमी वृद्धि हुई तथा सार्वजनिक पूंजीगत व्यय सरकारी लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सके।

विश्व बैंक के 'दक्षिण एशिया विकास अपडेट-टैक्सिंग टाइम्स' ने कहा, भारत में, वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत से वित्त वर्ष 2025/26 में 6.3 प्रतिशत तक वृद्धि दर धीमी होने की संभावना है, क्योंकि मौद्रिक सहजता और विनियामक सुव्यवस्थितता से निजी निवेश को होने वाला लाभ वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीति अनिश्चितता से प्रभावित हो सकता है।

विश्व बैंक और एजेंसियों की रिपोर्ट

भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश

वैश्विक शुल्क युद्ध और अमेरिकी व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता के बीच, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि अनुमानों में 0.5 प्रतिशत तक की कटौती की है। इसके बावजूद देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी में फंसने, चीन की वृद्धि को भारी झटका लगने और वैश्विक स्तर पर देशों में आर्थिक गतिविधि धीमी पड़ने की संभावना के बावजूद अनुमान है कि भारत चालू वित्त वर्ष में 6.2-6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है।

आईएमएफ का अनुमान

अनिश्चित वैश्विक माहौल और व्यापार को लेकर भारी तनाव का हवाला देते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए भारत के वृद्धि अनुमानों को घटाकर क्रमशः 6.2 प्रतिशत और 6.3 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ और विश्व बैंक ने जनवरी में कहा था कि चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर क्रमशः 6.5 प्रतिशत और 6.7 प्रतिशत रह सकती है। पिछले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में भी देश की अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ेगी।

अन्य एजेंसियों का रिपोर्ट

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन ने मार्च में कहा था कि भारत की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह, फिच रेटिंग्स ने वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत और एसएंडपी ने 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। मूडीज एनालिटिक्स के मुताबिक 2025 में वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रह सकती है।

खबर संक्षेप

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस का शुद्ध लाभ हुआ दोगुना

नई दिल्ली। साधारण बीमा कंपनी एसबीआई जनरल इंश्योरेंस का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024-25 में दो गुना से अधिक बढ़कर 509 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक की अनुषंगी कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 240 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था।

प्रमुख ब्याज दर में कटौती से निजी खपत, निवेश को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि नीतिगत में कटौती से निजी खपत को बढ़ावा मिलेगा और निजी कॉरपोरेट निवेश में सुधार होगा। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में मौद्रिक नीति समिति की बैठक में यह बात कही। इस दौरान उन्होंने और एमपीसी के पांच अन्य सदस्यों ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती के पक्ष में मतदान किया।

डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे टूटकर 85.44 पर बंद

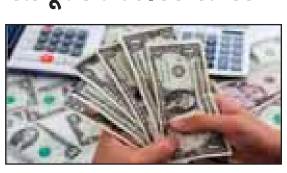

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और आयातकों की डॉलर मांग के कारण अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे टूटकर 85.44 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप के मंगलवार को फेडरल रिजर्व के चेयरमैन, जेरोम पॉवेल के खिलाफ रुख में नरमी से बाजार को समर्थन मिला।

मेघा इंजीनियरिंग को मिला 13 हजार करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लि. ने बुधवार को कहा कि कंपनी को न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. से 700 मेगावाट के दो न्यूक्लियर रिएक्टरों की आपूर्ति के लिए लगभग 13,000 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह ऑर्डर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में एमईआईएल का पहला कदम है।

वारी एनर्जीज का शुद्ध लाभ 648 करोड़ पार

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में आमदनी बढ़ने से दोगुना होकर 648.49 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही के लिए उसकी आमदनी 37.69 प्रतिशत बढ़कर 4,140.92 करोड़ रुपये रही।

खाद्य तेलों की मानकीकृत पैकेजिंग को बहाल करे सरकार : आईवीपीए

नई दिल्ली। भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ ने बुधवार को सरकार से आग्रह किया कि वह खाद्य तेलों के लिए मानकीकृत पैकेजिंग आवश्यकताओं को बहाल करे ताकि पारदर्शिता और उपभोक्ता विश्वास में सुधार किया जा सके। इससे पहले, खाद्य तेलों को कानूनी माप विज्ञान संशोधन नियम, 2021 के अनुसार युनिट सेल प्राइस की घोषणा को अनिवार्य किया गया था।

सोना-चांदी 99,200 रुपए

- गोल्ड में 2,400 रुपए की गिरावट
- सिल्वर में 700 रुपए की चमक

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 2,400 रुपए लुढ़ककर 99,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

एक दिन पहले यह रिकॉर्ड एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया था। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 1,800 रुपए उछलकर 1,01,600 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। स्थानीय बाजारों में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बुधवार को 3,400 रुपए की भारी गिरावट के साथ 98,700 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि एक दिन पहले यह 2,800 रुपए बढ़कर 1,02,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इस बीच, बुधवार को चांदी की कीमतें 700 रुपए बढ़कर 99,200 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। इससे पिछले सत्र में चांदी 98,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर स्थिर बंद हुई थी।

ट्रंप का चीन पर रुख नरम होने से घटी कीमतें

अबंस फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी चिंतन मेहता ने कहा, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन पर नरम रुख के बाद सुरक्षित निवेश की मांग कम होने से सोने की कीमतों में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद गिरावट आई। ट्रंप ने कहा है कि व्यापार युद्ध के दौरान चीनी वस्तुओं पर लगाए गए भारी शुल्क को जल्द ही काफी हद तक कम किया जाएगा।

सेंसेक्स 80 हजार के पार, निफ्टी भी चढ़ा

- 520 अंक की बीएसई सेंसेक्स में उछाल
- विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी लिवाली
- 7वें दिन भी मुनाफा में रही कंपनियां

एजेंसी ▸▸ मुंबई

शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार सातवें दिन तेजी जारी रही और प्रमुख शेयर सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 520 अंक उछलकर चार महीने में पहली बार 80,000 से ऊपर बंद हुआ। बाजार में तेजी की कमान आईटी और वाहन शेयरों ने संभाली। इस दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 520.90 अंक यानी 0.65 प्रतिशत बढ़कर 80,116.49 पर बंद हुआ। यह 18 दिसंबर के बाद इसका उच्चतम स्तर है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 658.96 अंक यानी 0.82 प्रतिशत बढ़कर 80,254.55 पर पहुंच गया था।एनएसई निफ्टी 161.70 अंक यानी 0.67 प्रतिशत बढ़कर 24,328.95 पर पहुंच गया।

विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली और सकारात्मक वैश्विक रुझानों ने भी बाजार धारणा को मजबूत किया। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक ने सबसे अधिक 7.72 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। इसके अलावा टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा स्टील, भारती एयरटेल और मारुति भी उल्लेखनीय बढ़त हुई। हाल में तेज बढ़त के बाद बैंक शेयरों में बिकवाली देखी गई और एचडीएफसी बैंक 1.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईटीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट भी नुकसान में रहे।

2,078 शेयर में बढ़त

बीएसई पर 2,078 शेयर बढ़कर बंद हुए और 1,873 में गिरावट हुई। इसके अलावा 155 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.35 प्रतिशत बढ़कर 68.35 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

36.65 लाख करोड़ बढ़ी संपत्ति

नई दिल्ली। शेयर बाजार में सात दिन की तेजी से निवेशकों की संपत्ति 36.65 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। इस तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 36,65,542.83 करोड़ रुपये बढ़कर 4,30,47,876.05 करोड़ रुपये (5,040 अरब डॉलर) पहुंच गया है।

मझोली कंपनियों का फायदा

इस दौरान मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.94 प्रतिशत चढ़ा और छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप सूचकांक में 0.26 प्रतिशत की तेजी आई। क्षेत्रवार बात करें तो बीएसई फोकस्ड आईटी में 4.25 प्रतिशत, आईटी में चार प्रतिशत, प्रौद्योगिकी में 3.10 प्रतिशत, वाहन में 2.34 प्रतिशत, रियल्टी में 1.37 प्रतिशत, उपभोक्ता विवेकाधीन वस्तुओं में 1.02 प्रतिशत और स्वास्थ्य देखभाल में 0.96 प्रतिशत उछाल आया। वित्तीय सेवाओं, बैंक और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में गिरावट हुई।

गिरावट में एशियाई बाजार

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। चीन का शंघाई कम्पोजिट मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार दोपहर कारोबार में अच्छी तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए।

पहलगाम आतंकवादी हमला: होटल उद्योग पर्यटकों को हर तरह से राहत देने को तैयार

हजारों परिवार पर्यटन पर निर्भर

"मेहरा ने कहा - इस हमले ने न केवल निर्दोष लोगों की जान ली है, बल्कि उन हजारों परिवारों को भी क्रूर झटका दिया है जो जीवित रहने के लिए पर्यटन पर निर्भर हैं। हाउसबोट (शिकारा) मालिकों और होटल मालिकों से लेकर स्थानीय गाइड (पर्यटकों को जानकारी देने वाले) और कारीगरों तक, गर्मजोशी और स्वागत की इस श्रृंखला में शामिल हर व्यक्ति प्रभावित है।" इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) ने कहा कि वह इस कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है। यह स्पष्ट रूप से कश्मीर में पर्यटन को गहरा नुकसान पहुंचाने और भय का माहौल पैदा करने के लिए किया गया है।

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के लिए बड़े पैमाने पर यात्रा बुकिंग रद्द होने की आशंका को देखते हुए ऑनलाइन यात्रा और होटल बुकिंग की सुविधा देने वाले मंचों ने बुधवार को कहा कि वे यात्रियों को तिथि परिवर्तन निशुल्क करने और रद्दीकरण में छूट देने के लिए एयरलाइन कंपनियों और होटलों के साथ काम कर रहे हैं। होटल उद्योग से जुड़े लोगों को आशंका है कि आतंकवादी हमले से जम्मू-कश्मीर घूमने के इच्छुक पर्यटकों के मन में भय पैदा होगा, जिससे राज्य में पर्यटन पर निर्भर लोगों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

क्लियरट्रिप की मुख्य विकास एवं व्यवसाय अधिकारी मंजरी सिंघल ने कहा, "शुरुआती अवलोकनों के अनुसार, उड़ान रद्दीकरण में सात गुना वृद्धि हुई है, तथा भविष्य की बुकिंग में लगभग 40 प्रतिशत की गिरावट आई है एक अन्य मंच मेकमाईट्रिप के प्रवक्ता ने कहा, "यात्रियों को इस मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकालने के लिए हमारी टीम एयरलाइन और होटल भागीदारों के साथ चौबीसों घंटे काम कर रही हैं ताकि बुकिंग/रद्दीकरण के मामले में सहायता प्रदान की जा सके।" ईजमाईट्रिप के चेयरमैन और संस्थापक निशांत पिट्टी ने कहा, "श्रीनगर में चल रही स्थिति को देखते हुए, हम उन ग्राहकों को समर्थन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं जो श्रीनगर की यात्रा कर रहे हैं या वहां से आ रहे हैं। लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए, हमने 22 अप्रैल को या उससे पहले की गई सभी बुकिंग के लिए मुफ्त तिथि बदलाव और रद्दीकरण छूट बढ़ा दी है, जो 30 अप्रैल तक की यात्रा के लिए लागू है।"

भारतीय पर्यटन एवं होटल संघों के महासंघ एफएआईटीएच के महासचिव राजीव मेहरा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए पर्यटन सिर्फ आजीविका ही नहीं है, बल्कि यह उनका गौरव, उनकी विरासत और उनकी आशा है।

सरकार ने खरीदी 3. 92 लाख टन तुअर दाल

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कृषि मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि सरकार ने मूल्य समर्थन योजना के तहत इस साल अब तक 3,92,000 टन तुअर (अरहर) की खरीद की है। योजना के तहत, तुअर की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। मंत्रालय ने नौ राज्यों से 13.22 लाख टन तुअर की खरीद को मंजूरी दी है। सरकार का लक्ष्य कीमतों पर अंकुश लगाने के मकसद से खुले बाजार में जारी करने के लिए 10 लाख टन तुअर का बफर स्टॉक बनाए रखना है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'इस महीने की 22 तारीख तक इन राज्यों में कुल 3.92 लाख टन तुअर की खरीद की गई है, जिससे इन राज्यों के 2,56,517 किसान लाभान्वित हुए हैं। तुअर की खरीद सहकारी समितियों नैफेड और एनसीसीएफ के ई-समृद्धि पोर्टल पर पहले से पंजीकृत किसानों से भी की जाती है। मूल्य समर्थन योजना तब लागू होती है जब कुछ कृषि वस्तुओं के बाजार मूल्य एमएसपी से नीचे गिर जाते हैं।

100 फीसदी खरीदने की योजना : वर्ष 2025 के बजट में, सरकार ने दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए वर्ष 2028-29 तक केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से राज्य उत्पादन के सापेक्ष तुअर, मसूर और उड़द की 100 प्रतिशत खरीद करने की प्रतिबद्धता जताई है। हाल के वर्षों में घरेलू उत्पादन में वृद्धि के बावजूद, भारत घरेलू दलहन आपूर्ति में कमी को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है।

आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 304-321 रुपए

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी लि. ने अपने 2,981 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 304-321 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निर्गम के लिए आवेदन 28 अप्रैल से 30 अप्रैल तक दिये जा सकते हैं। कंपनी ने बुधवार को बताया कि एंकर (बड़े) निवेशकों के लिए बोली 25 अप्रैल को एक दिन के लिए खुलेगी। यह चालू वित्त वर्ष (2025-26) में बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने वाला पहला सार्वजनिक निर्गम होगा।

पांच मेगावाट घंटा क्षमता की बैटरी लांच

नई दिल्ली। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में काम कर कंपनी प्योर ने बुधवार को पांच मेगावाट घंटा क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली पेश की। कंपनी की मौजूदा बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता 250 मेगावाट घंटा है। प्योर के संस्थापक और प्रबंध निदेशक निशांत डोंगरी ने कहा, 'हम बैटरी भंडारण क्षमता मौजूदा 250 मेगावाट घंटा से बढ़ाकर 2.5 गीगावाट घंटा तक बढ़ाने के लिए अगले 18 से 36 महीने में 400 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।'

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने की बाजारों में अधिक पहुंच देने की मांग

अमेरिका का भारत से गैर-शुल्क बाधाएं हटाने का आग्रह

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिका ने कई बार भारतीय बाजारों में अपनी वस्तुओं के सामने आने वाली कुछ गैर-शुल्क बाधाओं पर चिंता जताई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने 22 अप्रैल को जयपुर में भारत से गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने और अपने बाजारों में अधिक पहुंच देने का आग्रह किया। भारतीय उत्पादों को भी अमेरिका, यूरोपीय संघ (ईयू), चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इन मुद्दों का सामना करना पड़ता है।

गैर-शुल्क बाधाएं ऐसे व्यापार प्रतिबंध हैं जिनमें शुल्क (आयात या निर्यात पर कर या शुल्क) शामिल नहीं होते हैं। ये बाधाएं देशों के बीच पार माल की निर्बाध आवाजाही को प्रभावित करती हैं। गैर-शुल्क उपायों और कुछ गैर-शुल्क बाधाओं के बीच अंतर करना आवश्यक है। अधिकांश एनटीएम मानव, पशु या पौधों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के उद्देश्य से देशों द्वारा बनाए गए घरेलू नियम हैं। एनटीएम 'तकनीकी' उपाय हो सकते हैं जैसे विनियमन, मानक, परीक्षण, प्रमाणन, आयात से पहले निरीक्षण या 'गैर-तकनीकी' उपाय जैसे कि कोटा, आयात लाइसेंस, सब्सिडी, सरकारी खरीद प्रतिबंध आदि। जब एनटीएम मनमाने और तर्क से परे हो जाते हैं, तो वे व्यापार के लिए बाधाएं पैदा करते हैं और उन्हें एनटीबी कहा जाता है। इन बाधाओं से व्यापारियों की लागत बढ़ जाती है। उन्हें गंतव्य देश की अनिवार्य प्रमाणन, परीक्षण या लेबलिंग जैसी आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए अधिक खर्च करना पड़ सकता है।

जटिल प्रक्रियाओं से व्यापार धीमा

निर्यातकों को कभी-कभी विभिन्न देशों के तकनीकी मानकों या पैकेजिंग नियमों के अनुरूप अपने उत्पादों को पुनः डिजायन करने की आवश्यकता होती है। इससे माल के आने में भी देरी होती है और अनिश्चितताएं बढ़ती हैं। कागजी कार्रवाई, लाइसेंसिंग नियम या सीमाओं पर निरीक्षण करने की जटिल प्रक्रियाएं व्यापार को धीमा कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ अफ्रीकी देशों के निर्यातकों को सख्त सत्यापन जांच के कारण बंदरगाह पर लंबी देरी का सामना करना पड़ता है। भारत के कई खाद्य और कृषि उत्पाद, कीटनाशकों के उच्च स्तर, कीटों की मौजूदगी और खुरपका-मुंहपका रोग से संबंधित जांच का सामना करते हैं। इन कारणों से निर्यात खेपों को अस्वीकार कर दिया जाता है और निर्यात से पहले अनिवार्य निरीक्षण किया जाता है।

लक्जरी सामान पर अब एक प्रतिशत टीसीएस

नई दिल्ली। दस लाख रुपए से अधिक कीमत वाले हैंडबैग, कलाई घड़ी, जूते-चप्पल और स्पोर्ट्सवियर जैसे लक्जरी सामान पर अब एक प्रतिशत 'स्रोत पर कर संग्रह' (टीसीएस) लगेगा। वर्तमान में एक जनवरी, 2025 से 10 लाख रुपए से अधिक कीमत वाले मोटर वाहनों पर एक प्रतिशत की दर से टीसीएस लगाया जा रहा है। आयकर विभाग ने 22 अप्रैल, 2025 से 10 लाख रुपये से अधिक की विशिष्ट लक्जरी वस्तुओं की बिक्री पर एक प्रतिशत टीसीएस लगाये जाने को अधिसूचित किया है।

चिंतन

बांग्लादेश की यूनुस सरकार को सबक देना बहुत जरूरी

बांग्लादेश में जो हो रहा है, वो भारत के हित में तो कतई नहीं है। वहां की अंतरिम सरकार एक के बाद एक ऐसे फैसले ले रही है जिसके चलते दोनों देशों के रिश्ते बुरे दौर से गुजर रहे हैं। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस चिकन नेक पर बयान देकर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। बांग्लादेश में जिस तरह की बयानबाजी हो रही है,उससे साफ जाहिर होता है कि वहां पाकिस्तान की खुफिया जांच एजेंसी आईएसआई धीरे-धीरे अपने पांव पसार रही है। मोहम्मद यूनुस इस खेल में सिर्फ एक मोहरा हैं, जिसका मकसद भारत के पूर्वी हिस्से, खासकर पूर्वोत्तर राज्यों में शांति भंग करना है। ये पाकिस्तान की पुरानी आदत है, जिसमें वो सामाजिक हिंसा और अस्थिरता को बढ़ावा देकर भारत को परेशान करता है। उसका हर संभव प्रयास रहता है कि किसी भी तरह से भारत में अशांति का माहौल पैदा किया जा सके। हालांकि अपने इन प्रयासों के चलते पाकिस्तान कंगाली के हालात में पहुंच गया है, लेकिन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। पाकिस्तान की इन कोशिशों में हमेशा की तरह चीन खुलकर उसका साथ दे रहा है। वैसे भी यह चीन के लिए बांग्लादेश में पांव पसारने का मौका है। सत्ता बदलने के बाद से बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। निवेश के लिए बांग्लादेश चीन पर निर्भर हो गया है। चीन ये बात अच्छी तरह समझता है। इसीलिए चीन ने बांग्लादेश में तेजी से निवेश बढ़ाया है। उसे लगता है कि बांग्लादेश में अपनी जड़ें जमाकर वो भारत पर धौंस जमा सकता है। जबकि यह उसकी भूल है। सच्चाई ये है कि बांग्लादेश में सरकार चला रहे यूनुस अभी कूटनीति के मंझे खिलाड़ी नहीं हैं। वो भावनाओं में बहकर बांग्लादेश को बंगाल की खाड़ी का इकलौता संरक्षक बता गए। आज भी बांग्लादेश की निर्भरता भारत पर सबसे ज्यादा है। खाद्यान से लेकर तकनीक तक बांग्लादेश भारत पर निर्भर है। बांग्लादेश से मेडिकल इमरजेंसी में इलाज कराने के लिए लोग भारत ही आते हैं। सभी लोग चाहते हैं कि बांग्लादेश के साथ रिश्तों में सुधार हो, लेकिन वहां की अंतरिम सरकार फिलहाल बाहरी हाथों में खेल रही है। ये बात मोहम्मद यूनुस भी जानते हैं कि अगर भारत भी उसी रवैये पर उतरा जिस पर बांग्लादेश है तो उनके लिए बहुत मुश्किल हो जाएगी। उन्हें पता है कि चाहे चीन कितना भी निवेश बढ़ाए, लेकिन बांग्लादेश और चीन की संस्कृति में कोई मेल नहीं है। ऐसा ही पाकिस्तान के साथ भी है। आम बांग्लादेशी के मन में आज भी पाकिस्तान के प्रति घृणा का भाव है। बांग्लादेश के गठन को लेकर पाक सरकार ने जिस तरह से नरसंहार किया और आंदोलन को कुचला उसे आज भी वहां के लोग नहीं भूले हैं। यही कारण है कि दो पक्षीय वार्ता के दौरान बांग्लादेश ने पाकिस्तान से माफी की भी मांग की है। जहां तक बात चिकन नेक की है तो मोहम्मद यूनुस ने चीन से बांग्लादेश के लालमोनिरहाट में एयरबेस बनाने में मदद मांगी है। ये एयरबेस चिकन नेक इलाके के काफी पास है। अभी तक के हालात से तो ऐसा कतई नहीं लगता कि चीन वहां पर अपना सैन्य बेस बनाएगा, हां! ये जरूर हो सकता है कि वो इसका उपयोग खुफिया तंत्र के रूप में करे। बांग्लादेश में चीन की रणनीति क्या है, इसका अभी खुलासा होना बाकी है। भारत को इससे बहुत ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। जिस तरह से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हमारे विरोधियों से गलबहियां कर रही है, उसे सही मौके पर सही सबक सिखाना बहुत जरूरी है।

दो टूक

योगेश कुमार गोयल

आतंक का कठोर जवाब देगा भारत

यह वही रक्तरंजित मानसिकता है, जो 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के साथ देखने को मिली थी। नाम पूछकर की गई हत्याएं केवल शारीरिक हत्या नहीं हैं बल्कि वे सीधे तौर पर इस देश के बहुलतावादी ताने-बाने पर हमला हैं। यह आतंकवाद की सबसे गिरी हुई, विभाजनकारी और असभ्य शक्ल है, जो मानवीय गरिमा, धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक सहिष्णुता को सीधा चुनौती देती है। इस पाशविक कृत्य ने यह प्रमाणित कर दिया कि आतंकवादी अब केवल सैनिक लक्ष्यों को नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक लक्ष्यों को भी निशाना बना रहे हैं और यह संकेत है कि हमें अपने सुरक्षा दृष्टिकोण को और व्यापक व गहन बनाना होगा।

कश्मीर की वादियां एक बार फिर निर्दोषों के खून से रंगी हैं। पहलगाम क्षेत्र में दशहतगर्दों ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर दो दर्जन से भी अधिक पर्यटकों की नृशंस हत्या कर दी। दिल दहला देने वाला यह आतंकी हमला एक बार फिर इस यक्ष प्रश्न को जन्म देता है कि आखिर कब तक भारत की संप्रभुता, एकता और नागरिकों की सुरक्षा पर ऐसे कायराना हमलों का साया मंडराता रहेगा? यह हमला न केवल हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की संवेदनशीलता को रेखांकित करता है बल्कि यह भी दर्शाता है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की जड़ें अब भी घाटी में जहर उगल रही हैं। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब घाटी में पर्यटन का सीजन चरम पर है और पहलगाम की बेहद खूबसूरत वादियां लाखों सैलानियों का स्वागत कर रही थी। ऐसे में इस आतंकी कृत्य ने न केवल जानमाल की अपूरणीय क्षति पहुंचाई है बल्कि भारत की सामरिक संप्रभुता और मानवीय चेतना पर भी गहरा आघात किया है।

कहा जाता है कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता लेकिन इस हमले ने कुछ और ही तस्वीर पेश की। आतंकियों ने अपने कुकृत्य की पराकाष्ठा पार करते हुए नाम पूछ-पूछकर पर्यटकों को गोली मारी। यह कोई सामान्य गोलीबारी नहीं थी बल्कि चयनात्मक हत्या थी। आतंकियों ने पहले पर्यटकों को रोका, उनसे नाम, पहचान और यहां तक कि धर्म भी पूछा और उसके आधार पर उन पर गोलियां चलाईं। यह क्रिया स्पष्ट रूप से सांप्रदायिक घृणा से प्रेरित थी, जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा रही है। यह वही रक्तरंजित मानसिकता है, जो 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के साथ देखने को मिली थी और अब एक बार फिर भयावह रूप में प्रकट हुई है। नाम पूछकर की गई हत्याएं केवल शारीरिक हत्या नहीं हैं बल्कि वे सीधे तौर पर इस देश के बहुलतावादी ताने-बाने पर हमला हैं। यह आतंकवाद की सबसे गिरी हुई, विभाजनकारी और असभ्य शक्ल है, जो मानवीय गरिमा, धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक सहिष्णुता को सीधा चुनौती देती है। इस पाशविक कृत्य ने यह प्रमाणित कर दिया कि आतंकवादी अब केवल सैनिक लक्ष्यों को नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक लक्ष्यों को भी निशाना बना रहे हैं और यह संकेत है कि हमें अपने सुरक्षा दृष्टिकोण को और व्यापक व गहन बनाना होगा। देश एक ओर जहां तकनीकी, आर्थिक और वैश्विक मंचों पर निरंतर मजबूत हो रहा है, ऐसे में आतंकवादियों द्वारा लक्षित नागरिकों, सुरक्षाबलों और सैलानियों को निशाना बनाया जाना इस बात का प्रमाण है कि दुश्मन की मानसिकता कितनी नीच, विद्वेषपूर्ण और छायायुद्ध की शैली में विकृत हो चुकी है। पाकिस्तान की आईएसआई और उससे पोषित आतंकी गुट, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठन प्रमुख हैं, भारत की प्रगति और लोकतांत्रिक मजबूती को सहन नहीं कर पा रहे हैं। इस नृशंस हमले की रणनीति को देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि आतंकियों का लक्ष्य केवल खून-खराबा नहीं बल्कि भारत की सुरक्षा रणनीति को चुनौती देना था। जिस प्रकार से जंगलों में छिपकर घात लगाकर हमला किया गया, वह गुरिल्ला युद्धनीति की उस शैली की ओर संकेत करता है, जिसे सीमा पार से प्रशिक्षित किया जाता है। यह न तो स्वतः स्फूर्त था, न ही किसी लोकल

रिएक्शन का परिणाम था बल्कि यह एक पूर्णतः योजनाबद्ध और निर्देशित हमला था, जिसमें तकनीकी सहायता, हथियारों की आपूर्ति और खुफिया जानकारी सब कुछ शामिल था। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आक्रामक और उत्तरदायी बनी है, यह हमला उसके प्रतिकार के रूप में भी देखा जा सकता है। धारा 370 हटने के बाद जिस प्रकार से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, आतंकियों पर कड़ा शिकंजा और नागरिक संवाद को पुनः स्थापित करने की कोशिशों जैसे जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापना की दिशा में अनेक सफल प्रयास हुए हैं, वे लंबे समय से पाकिस्तान और उसके आकाओं को चुभ रहे थे। इसीलिए ऐसे हमलों के जरिये घाटी में एक बार फिर भय और भ्रम का वातावरण बनाना उनके एजेंडे का अहम हिस्सा है लेकिन अब समय आ गया है कि हम केवल निंदा या औपचारिक विरोध से आगे बढ़ते हुए हर आतंकी घटना के बाद शोक, संवेदना और कड़ी प्रतिक्रियाओं की परिपाटी को ठोस सैन्य और कूटनीतिक रणनीतियों से बदल डालें और इजराइल तथा अमेरिका की तर्ज पर अपने नागरिकों के विरुद्ध हुए प्रत्येक हमले का निर्णायक और दीर्घकालिक जवाब दें। पाकिस्तान की रणनीतिक गहराई में बैठे उन आकाओं को अब यह समझाने का समय आ गया है कि भारत केवल सहन करने वाला राष्ट्र नहीं है बल्कि निर्णायक प्रतिशोध लेने में भी सक्षम है। यह हमला सामरिक दृष्टि से भी हमारे लिए एक गंभीर चेतावनी है कि चाहे सीमा पर कंटीले तार हों या एलओसी पर निगरानी ड्रोन, यदि भीतर बैठे स्लीपर सेल सक्रिय हैं तो सुरक्षा व्यवस्था को पुनः पूर्णरूपेण अभेद्य बनाने की सख्त आवश्यकता है। हमें अपने इंटेलीजेंस नेटवर्क को भी अब इतना तीव्र, तीक्ष्ण और सतर्क बनाना होगा कि आतंकी योजना अपने आरंभिक चरण में ही निष्फल कर दी जाए। सेना, अर्धसैनिक बलों और स्थानीय पुलिस को एकीकृत कमांड संरचना के अंतर्गत प्रशिक्षित करना होगा ताकि प्रतिक्रिया केवल हथियारबंद ही नहीं बल्कि रणनीतिक भी हो। इस हमले ने मानवीय दृष्टिकोण से एक बार फिर आम नागरिकों की पीड़ा को उजागर किया है। जिन सैलानियों ने पर्यटन को घाटी की बहाली का जरिया माना, जो स्थानीय दुकानदार अपने रोजगार की उम्मीद से दुकानें खोले बैठे थे और वे बच्चे, जो शांत माहौल में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे, सभी के सपनों पर इस हमले ने भय की कालिमा पोत दी। ऐसे हमलों की आड़ में कुछ मानवाधिकार संगठनों और तथाकथित बुद्धिजीवियों का मुखर होना अब एक शातिर रणनीति बन चुकी है। जब सुरक्षाबल आतंकियों को निष्क्रिय करते हैं तो यही वर्ग उन्हें 'नागरिक' या 'क्रांतिकारी' बता देता है। इस दोहरेपन पर भी सख्ती से लगाम कसने की जरूरत है। बहरहाल, यह आवश्यक है कि इस हमले की तह तक जाकर उसकी पृष्ठभूमि, योजना, वित्त पोषण और संलिप्त तत्वों को उजागर किया जाए। उन्हें 'कानून, सैन्य शक्ति और कूटनीति के त्रिशूल' से जवाब मिलना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत को इस मुद्दे को और आक्रामक रूप से उठाना होगा कि पाकिस्तान आज भी आतंक का सबसे बड़ा निर्यातक है।

उसके विरुद्ध आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य प्रतिबंधों का माहौल बनाना होगा। बहरहाल, पहलगाम का यह हमला केवल एक आतंकी हमला नहीं है बल्कि हमारे धैर्य, शक्ति और चेतना की परीक्षा है। यह देश की संप्रभुता पर हमला है और इसका जवाब इतना कठोर, स्पष्ट और निर्णायक होना चाहिए कि भविष्य में कोई आतंकी या उसका पालक भारत की ओर आंख उठाकर देखने का साहस न कर सके। भारत को पूरी दुनिया को अब यह साबित कर दिखाना होगा कि वह आतंक के विरुद्ध केवल एक पीड़ित राष्ट्र नहीं है बल्कि एक प्रचंड प्रतिकारक शक्ति भी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

पहलगाम अटैक

डॉ. घनश्याम बादल

हर हाल में नोचने होंगे आतंक के पंख

आतंकवाद का एक और घिनौना चेहरा पहलगाम में सामने आया है जब से कश्मीर से धारा 370 हटाई गई है एवं नई विधानसभा का गठन हुआ है तभी से आतंकवाद लगातार सर उठाने का प्रयास करता रहा है। सच यह भी है कि वहां आतंकवाद को प्रेशर देने के लिए पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसियां और वहां की राजनीतिक मजबूरियां इसके पीछे सबसे बड़े जिम्मेदार तत्व हैं। लंबे समय से उन्हें वहां ज्यादा कुछ करने का मौका नहीं मिला था, ऐसे में उन्होंने पहलगाम की उस घाटी को चुना जो अमरनाथ यात्रा का भी एक मुख्य बिंदु है और अमरनाथ यात्रा के दौरान इस क्षेत्र का बहुत अच्छे से सेना एवं स्थानीय सुरक्षा बलों द्वारा सैनिटाइजेशन किया जाता रहा है लेकिन अभी अमरनाथ यात्रा दूर है इसलिए संभव है वहां की सतर्कता कम हुई हो और इसका फायदा आतंकवादियों ने उठाकर पर्यटकों की बड़ी संख्या में जान ले ली। ऐसे हमलों के पीछे आमतौर पर कई कारण और ताकतें होती शामिल हैं । यदि पहलगाम के आतंकी हमले पर एक निगाह डाली जाए तो साफ पता चलता है कि इस हमले में पाकिस्तान आधारित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, और हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन कश्मीर घाटी में अस्थिरता फैलाने को आतुर जिम्मेदार हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन संगठनों को पाकिस्तान की ख़ुफ़िया एजेंसीज का हमेशा समर्थन मिलता रहा है। दरअसल पिछले लंबे समय से जम्मू कश्मीर शांत क्षेत्र के रूप में तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता हुआ नजर आ रहा था और वहां पर पर्यटन उद्योग भी बहुत फल फूल रहा था और यह बात हमारे ईर्ष्यालु पड़ोसी को निराश आनी थी। आतंकवादी संगठन भारत में सांप्रदायिक तनाव और अस्थिरता फैलाना चाहते हैं ताकि देश की एकता और अखंडता को चोट पहुंचाई जा सके। पाकिस्तान का हमेशा से ही कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने का प्रयास जग जाहिर है। अब वह सीधे-सीधे तो भारत पर हमला करने की स्थिति में है नहीं क्योंकि उसकी एवं भारत की सैन्य ताक़त में ज़मीन आसमान का अंतर है। ऐसे में वह अपने पाले हुए आतंकी संगठनों का सहारा लेता रहा है। हमलों के ज़रिए ये संगठन दुनिया का ध्यान कश्मीर की ओर खींचना चाहते हैं ताकि उसे एक विवादित क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। यह संगठन अपने आका के कहने पर कश्मीर के पर्यटन और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते रहते हैं। पहलगाम जैसे स्थान, अमरनाथ यात्रा और अन्य पर्यटन केंद्र आतंकियों के निशाने पर इसलिए होते हैं क्योंकि वे कश्मीर की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। हमलों से पर्यटन प्रभावित होता है।

अपनी स्लीपिंग सेल्स के माध्यम से यह संगठन स्थानीय युवाओं का कट्टरपंथीकरण और ब्रेन वाश भी लगातार करते रहे हैं जिससे उन्हें वहां के कुछ गिने-चुने स्थानीय लोगों का समर्थन भी मिल जाता है। ऐसे हमलों के ज़रिए ये ताकतें स्थानीय युवाओं को प्रभावित कर उन्हें उग्रवाद की ओर मोड़ना चाहती हैं। सेना, सीआरपीएफ और पुलिस बलों को निशाना बनाकर आतंकवादी उनके मनोबल को तोड़ने और जनता में भय का माहौल बनाने का प्रयास करते हैं। इस हमले में जिस टीआरएफ का नाम आया है जो एक नया लेकिन बेहद सक्रिय आतंकवादी संगठन है, जो विशेष रूप से कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सक्रिय रहता है। वास्तव में यह संगठन लश्कर ए तैयबा की ही एक छद्म शाखा है जो 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के कुछ ही समय बाद बना था। अंतरराष्ट्रीय दबाव और प्रतिबंधों के कारण इसका नाम बदलकर एक नया चेहरा दिया गया। यह संगठन कितना चालाक है कि इसके सदस्य विभिन्न कंपनियों तक में कर्मचारियों के रूप में काम करते हैं। टीआरएफ सोशल मीडिया और साइबर स्पेस में भी सक्रिय रहता है, जहां ये युवाओं को कट्टरपंथी बनाने का काम करता है। बेशक, वर्तमान सरकार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलती है और उसे इस पर शक्ति से चलना भी होगा। लेकिन बिना सोचे समझे और बिना रणनीति के कार्रवाई करना भी एक ग़लत संदेश देगा वहीं ऐसी हरकतों को चुपचाप सहना या इसमें बहुत देरी करना भी खतरनाक है। कुल मिलाकर अब बारी राज्य एवं केंद्र सरकार की है और उसे अपनी भूमिका बहुत अच्छे से निभाते हुए सिद्ध करना होगा कि भारत अब ऐसी गतिविधियों को किसी भी हाल में सहन करने वाला नहीं है। सभी राजनीतिक दलों को भी आगे बढ़कर बजाय राजनीति करने के आतंकियों के ख़िलाफ़ एकजुट होकर सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सत्य की अनुभूति से जाग्रत होता है मन

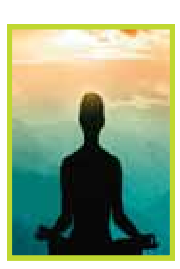

संकलित

दर्शन

इच्छा आकाश के समान अनंत है' - यह मैं भी जानता हूं और आप भी जानते हैं। सब जानते हैं कि इच्छा पूर्ण नहीं होती, अपूर्ण बनी-की-बनी रहती है। पर सच्चाई का साक्षात्कार करने वाले विरल व्यक्ति ही मिलेंगे। साक्षात्कार वही व्यक्ति कर पाता है, जिसका शुक्ल पक्ष जाग गया है। इसे समझने के लिए एक प्रसंग है। कपिल दो मासे सोने के लिए राजा के पास गया। राजा ने कहा- मांगो। अब इच्छा को खेलने के लिए अनंत आकाश मिल गया। इच्छा बढ़ती गई और पूरे राज्य को पा लेने और राजा को रंक बनाने की बात सोचकर ही शांत हुई । मोड़ आया। सच्चाई का भान हुआ। शुक्ल पक्ष जाग गया। राजा ने कहा- मांगो। कपिल बोला- क्या मांगू? कुछ है ही नहीं इस संसार में। अब मैं जा रहा हूं, उस देश में जहां मांग नहीं है, चाह नहीं है। कपिल संन्यासी बन गया। सच्चाई का साक्षात्कार होते ही मांग पूरी हो जाती है, चाह समाप्त हो जाती है। जब तक सच्चाई का अवबोध नहीं होता, तब तक मांग कभी पूरी होती ही नहीं, चाह मिटती ही नहीं। सिद्ध पुरुष ने अपने भक्त से कहा- प्रसन्न हूं। कुछ मांगो। भक्त बोला- कुछ नहीं चाहिए। सिद्ध पुरुष ने देखा, यह कैसा भक्त! अमूल्य क्षण को खो रहा है। मांगने के लिए आग्रह किया। भक्त बोला- यदि आप देना ही चाहते हैं तो यह वरदान दें कि मेरे मन में चाह उत्पन्न ही न हो, मांग रहे ही नहीं। यह तब संभव है, जब सत्य का साक्षात्कार हो जाता है। अन्यथा लोग मांग को पूरी करने के चक्कर में कितने देवी-देवताओं की मनौतियां मनाते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं।

साधु प्रकृति के लोगों का साधन है भक्ति

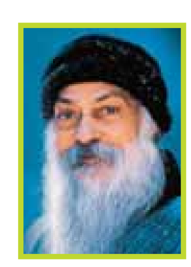

संकलित

प्रेरणा

'भक्ति के प्रतिपादन के लिए ब्रह्म विषय के उत्तरकांड से ज्ञानकांड की सामान्यता दिखाई गई है।' शांडिल्य कहते हैं- वेदों में पहले क्रियाकांड है, कर्मवाद है; फिर दूसरे चरण में ब्रह्मज्ञान की बात है, ज्ञानवाद है; और फिर अंतिम चरण में ईश्वर की चर्चा है, भक्ति और भाव की बात है। नुष्य का अस्तित्व तीन तलों में विभाजित है- शरीर, बुद्धि, हृदय। या दूसरी तरह से कहें तो कर्म, विचार और भाव। इन तीनों तलों से स्वयं की यात्रा हो सकती है। स्थूलतम यात्रा होगी कर्मवाद की। इसलिए धर्म के जगत में कर्मकांड स्थूलतम प्रक्रिया है। दूसरा द्वार होगा ज्ञान का, विचार का, चिंतन-मनन। दूसरा द्वार पहले से ज्यादा सूक्ष्म है। दूसरे द्वार का नाम है- ज्ञान योग। तीसरा द्वार सूक्ष्मातिसूक्ष्म है- भाव का, प्रीति का, प्रार्थना का। उस तीसरे द्वार का नाम भक्ति योग है। कर्म से भी लोग पहुंचते हैं। लेकिन बड़ी लंबी यात्रा है। ज्ञान से भी लोग पहुंचते हैं। पर यात्रा संक्षिप्त नहीं है। बहुत सीढ़ियां पार करनी पड़ती हैं। पहले से कम, लेकिन तीसरे की दृष्टि में बहुत ज्यादा। भक्ति छलांग है। सीढ़ियां भी नहीं हैं, दूरी भी नहीं है। भक्ति एक क्षण में घट सकती है! भक्ति तत्क्षण घट सकती है। भक्ति केवल भाव की बात है। इधर भाव, उधर रूपांतरण। कर्म में तो कुछ करना होगा, विचार में कुछ सोचना होगा, भक्ति में न सोचना है, न करना है, होना है। इसलिए भक्ति को सर्वश्रेष्ठ कहा है। आज के सूत्रों में इसी की चर्चा है। शांडिल्य कहते हैं- ब्रह्माकांडं तु भक्तौ तस्य अनुज्ञानाया सामान्यात।

सटाका

आज की पाती

अनिद्रा की बीमारी महामारी का रूप धारण कर लेगी

भारत सारी दुनिया में विश्व गुरु बनने की राह पर प्रगतिशील है, मगर विकास यात्रा के नाम पर विदेशों का कचरा भी भरा जा रहा है। इस बदलते हुए वातावरण में आदमी का जीवन स्तर पहले से ज्यादा बेहतर हुआ, मगर हम असली-नकली का अंतर करने में फेल हो रहे हैं। हर माल का डुप्लीकेट पहुंच गया है। आज के दौर में हर इनसान का आहार तक नकली हो गया है, फिर धर्म की रक्षा कौन करेगा? नई-नई बीमारियां फैल रही हैं, कोरोना के बाद अब आशंका है कि अनिद्रा की बीमारी वैश्विक महामारी का रूप धारण कर लेगी। वर्ष 2037 तक भारत भी इससे प्रभावित होगा, अतः इसकी रोकथाम के लिए अभी से कारगर योजना का निर्माण शुरू हो जाना चाहिए। *-जगन सिंह, ठाकुर*

करंट अफेयर

दक्षिण पूर्वी एशिया में बढ़ रही साइबर स्कैम सेंटर्स की संख्या

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण पूर्वी एशिया में दिन-पर-दिन साइबर स्कैम सेंटर बढ़ रहे हैं और ये दुनियाभर में भी फैल रहे हैं। गैंग के लोग कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए लगातार जगह बदलते रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया में अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध समूह दुनियाभर में अपने स्कैम का जाल फैला रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि जहां ये स्कैम सेंटर मौजूद थे, वहां सरकार और अधिकारी इन पर लगाम कसने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू कर रहे हैं। इससे बचने के लिए वे इलाके तलाश रहे हैं। ऐसे स्कैम सेंटर दक्षिण पूर्वी एशिया में कई सालों से चल रहे है। कंबोडिया,लाओस और म्यांमार, साथ ही फिलीपीन्स, इनका गढ़ माने जाते हैं और इसे अंजाम देने वाली अलग अलग गैंग एक बॉर्डर से दूसरे बॉर्डर घूमती रहते हैं ताकि वो किसी एक देश के कानून की गिरफ्त में ना आ सकें। यह स्कैम दुनिया में कई नए इलाकों तक भी पहुंच गए हैं। अफ्रीका और यहां तक कि लैटिन अमेरिका से भी ऐसी धोखाधड़ियों की खबरें आ रही हैं जहां स्कैमरों ने किसी को झूठे प्यार के जाल में फंसा लिया, या कोई झूठा निवेश और व्यापार का वादा कर के पैसे ऐंठ लिए या फिर गैरकानूनी सट्टेबाजी में लोगों को फंसा दिया हो।

ऑफ बीट

'स्लीपिंग प्रिंस', कोमा में रहते मनाया 36वां जन्मदिन

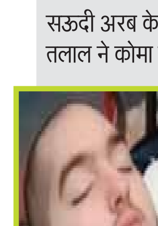

सऊदी अरब के शाही परिवार के सदस्य प्रिंस अल-वालीद बिन खालिद बिन तलाल ने कोमा में रहते हुए 36 साल पूरे कर लिए हैं। दुनिया भर में वो 'स्लीपिंग प्रिंस' के नाम से जाने जाते है। उन्होंने कोमा में रहते हुए अपना जन्मदिन मनाया। वे पिछले लगभग दो दशकों से ऐसी ही हालत में हैं। प्रिंस अल-वालीद सऊदी अरब के संस्थापक किंग अब्दुलअज़ीज़ के परपोते हैं और प्रिंस तलाल बिन अब्दुलअज़ीज़ के पोते। वर्तमान सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ उनके दादा के भाई हैं, यानी प्रिंस के ग्रेट-अंकल। प्रिंस अल-वालीद 2005 में एक सैन्य कॉलेज में छात्र थे और एक सड़क दुर्घटना में उन्हें सिर पर गंभीर चोट आ गई। इसके बाद से वे कोमा में हैं और रियाद के किंग अब्दुलअज़ीज़ मेडिकल सिटी में वेंटिलेटर और फीडिंग ट्यूब के सहारे जीवित हैं। डॉक्टरों ने कई बार सुझाव दिया कि जीवन रक्षक उपकरणों को हटाया जाए, लेकिन प्रिंस के पिता, प्रिंस खालिद बिन तलाल ने इस सलाह को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा, अगर अल्लाह चाहते कि वह दुर्घटना में मर जाए, तो वह कब्र में होता। प्रिंस अल-वालीद अब भी मेडिकल उपकरणों के सहारे जीवन से जुड़े हुए हैं। उनका परिवार अब भी हर दिन एक चमत्कार की उम्मीद में है।

ट्रेंड

आतंकियों को छोड़ेंगे नहीं

पहलगाम के आतंकी हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। इस दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मैं अपने इन सभी परिवारों और पूरे देश को विश्वास दिलाता हूँ कि बेगुनाह मासूम लोगों को मारने वाले इन आतंकियों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

विशेष उड़ान के निर्देश

कश्मीर की यात्रा पर गए 40 से अधिक कन्नड़ लोग आतंकवादी हमले के कारण फंस गए हैं। मैंने अधिकारियों को उन सभी को सुरक्षित रूप से राज्य में वापस लाने के लिए एक विशेष उड़ान की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

- सिद्धरमैया, सीएम, कर्नाटक

अमित शाह इस्तीफा दें

एक ही जगह पर 2,000 से ज़्यादा टूरिस्ट मौजूद थे, लेकिन वहां एक भी सुरक्षा कर्मी नहीं था, ये एक गंभीर सुरक्षा चूक है, अमित शाह जिनके हाथ में वहां की सुरक्षा व्यवस्था है, को अपनी इस नाकामी के लिए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

इंसाफ सुनिश्चित करें

पहलगाम में हुई हिंसा पर दुख एवं गुस्से को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें और इस जघन्य कृत्य के खिलाफ इंसाफ सुनिश्चित करें।

-शाहरुख खान, अभिनेता

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

संपूर्ण देश में आमजन मानस में रोष आक्रोश

अधिवक्ताओं ने जलाया आतंकवाद का पुतला

जबलपुर।

पहलगांव में निर्दोष सैलानियों के नाम, धर्म पूछकर गोली मारकर 28 हिंदुओं की हत्या पाक समर्थित आतंकवादी संगठन द्वारा की गई जिससे संपूर्ण देश में आमजन मानस में रोष आक्रोश है।

आज दोपहर 2 बजे आतंकवाद के विरुद्ध म.प्र. उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सड़कों पर आ गए और अम्बेडकर चौक पर आतंकवाद का पुतला दहन किया। एड. नवीन शुक्ला ने कहा कि ये कायराना हरकत हुई जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एड. तरुण रोहितास ने कहा कि आतंकवादी हमला सुनियोजित तरीके से किया गया सरकार को अब सख्त कदम उठाते हुए आतंकवादियों को सह देने वाले पड़ोसी देश में घुसकर आतंकवाद का खात्मा करना होगा। इस अवसर पर राजेश तिवारी, एड. आशीष त्रिवेदी, अशीम त्रिवेदी, ब्रजेश दुबे, आलोक गुप्ता, संजय सेठ, विपुल पाठक, अजय प्रजापति, प्रशांत तिवारी, पंकज तिवारी, दीपक सिंह, संजय शर्मा, प्रमेंद्र सेन, विपुल वर्धन जैन सहित सैकड़ों अधिवक्ताओं ने आतंकवाद का पुतला दहन किया, तत्पश्चात हाईकोर्ट अधिवक्ता संघ एवं ज़िला अधिवक्ता संघ के नेतृत्व में कलेक्टर दीपक सक्सेना को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें इस नरसंहार की घोर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया और इस घटना में सुरक्षा की चूक हुई जिससे यह घटना घटित हुई अधिवक्ता संघ सरकार से कार्यवाही की मांग करते हैं। इस अवसर पर डीके जैन, मनीष मिश्रा, परितोष त्रिवेदी, ज्ञानप्रकाश त्रिपाठी, योगेश सोनी, ज्योति राय, मनोज शिवहरे, शैलेंद्र यादव, विनोद विश्वकर्मा, रवि दत्त, राजेंद्र प्रताप सिंह, प्रशांत नायक, दुर्गेश मनाना आदि उपस्थित थे।

आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को वाल्मीकि समाज ने दी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

जबलपुर। पहलगाम, जम्मू-कश्मीर में हुए कायराना आतंकी हमले ने सम्पूर्ण राष्ट्र को गहरे शोक और आक्रोश में डाल दिया है। पर्यटन के उद्देश्य से गए मासूम नागरिकों को निशाना बनाकर किया गया यह जघन्य कृत्य न केवल मानवता पर हमला है, बल्कि यह हमारे देश की एकता, अखंडता और शांति के वातावरण को चुनौती देने का प्रयास है। रूप किशोर चौहान, अध्यक्ष वाल्मीकि समाज ने इस भीषण घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमला सभ्यता और इंसानियत को कलंकित करता है। मैं इस निर्मम हमले में जान गंवाने वाले सभी निर्दोष नागरिकों को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवारों को इस कठिन समय में धैर्य व शक्ति दे। साथ ही, घायल नागरिकों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना करता हूँ। वाल्मीकि समाज, जबलपुर इस पीड़ादायक क्षण में देश के साथ एकजुटता प्रकट करता है और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करता है।

संपूर्ण ब्राह्मण मंच ने भरी हुंकार

जबलपुर।

ब्राह्मण समाज समाज का सर्वश्रेष्ठ सेवक है संपूर्ण ब्राह्मण मंच सनातन विरोधी अनुराग कश्यप द्वारा बनाई गई फिल्म हिंदू समाज के लिए घातक है ऐसे व्यक्ति को तत्काल गिरफ्तार कर समाज को जन संदेश देना चाहिए आधारहीन तत्व जो 1800 सन में जिसकी कोई प्रमाणिकता न हो ऐसी चीजों को केवल ब्राह्मणों को टारगेट किया जा रहा है आज देश में ब्राह्मणों की जनसंख्या अल्पसंख्यक के समान है इसके बावजूद वह देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए तैयार है आखिर ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य पर आक्षेप क्यों लगाया जा रहा है, समस्या अपार है इसके बावजूद भी संसद मौन है, राजनेता मौन हैं सबका साथ सबका विकास कहने वाले लोग चुप हैं, गलत तथ्य रखकर समाज को भ्रमित करते हुए आखिर अनुराग कश्यप ब्राह्मणों के बारे में जानते क्या हैं? वह ब्राह्मण जो गुरुकुल का जन्मदाता जिसे सामान्य के स्वरूप संपूर्ण सृष्टि में दुर्गा, काली, सरस्वती, नर्मदा, गंगा आरती पूजा संपूर्ण मातृ शक्तियों के अधीन है भारत संपूर्ण विश्व गुरु बनने की ओर है तब ऐसी दुर्बलता मन को दुखी करती है पहले ही ब्राह्मण आरक्षण एस, सीटी एक्ट जैसे प्रावधान से ग्रसित है अब ब्राह्मण को सड़कों पर आना होगा, संतों को गाली दी जा रही है एक अन्य समाज भी चाहता है हिंदू आपस में लड़ें, जातिवाद ब्राह्मणों का बनाया हुआ नहीं है कैसे हम आपको समझाएं आपकी दुर्बलता को हम कैसे दूर करें, गणित को जन्म देने वाला आर्यभट्ट ब्राह्मण, चांद पर पहुंचने वाला ब्राह्मण, अग्निशस्त्र बनाने वाला ब्राह्मण, शास्त्रों की पूजा करने वाला ब्राह्मण, कई हजार वर्ष तक आपकी ग्रंथ को सुरक्षित रखने वाला ब्राह्मण, ब्राह्मण तो समाज का सर्वश्रेष्ठ सेवक है। पूरी रात पूजन करता है जो इच्छा हो दक्षिणा दे दो पंडित जी आपने किया ही क्या है और कितना प्रताड़ित करोगे। खबरदार अगर ब्राह्मण मिट जाएगा तो देश से मिट जाएगा, सावधान हो जाइए ब्राह्मणों पर उंगली उठाना बंद करो। हम समाज को आवाज दे रहे हैं साथियों ब्राह्मणों के साथ खड़े हो जाओ विनम्र अपील है, परशुराम धाम में अपने अस्तित्व को बचाने प्रभु से गुहार लगा रहे हैं संपूर्ण ब्राह्मण मंच धनंजय बाजपेई, डॉक्टर अरुण मिश्रा, रावेंद तिवारी, यदुवंश मिश्रा, आनंद मोहन शर्मा, सीताराम कुरचानिया, निशांत शर्मा, सार्थक शर्मा, राजकुमार दुबे, पूजा दुबे आदि उपस्थित रहे।

भा.कृ.अनु.प. ने 37वां स्थापना दिवस मनाया

जबलपुर। भा.कृ.अनु.प. खरपतवार अनुसंधान निदेशालय जबलपुर ने 22 अप्रेल को अपना 37वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत परिषद की महिमा गीत से हुई, जिसके पश्चात निदेशालय के निदेशक डॉ. जेएस मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने खरपतवार विज्ञान के क्षेत्र में निदेशालय की प्रमुख उपलब्धियों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. एके नायक, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता की। अपने संबोधन में उन्होंने शाकनाशी प्रतिरोधी फसलों में खरपतवार प्रबंधन प्रथाओं के विकास पर जोर दिया और बदलते जलवायु परिदृश्य में शाकनाशी प्रतिरोधी खरपतवारों की समस्या को संबोधित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. पीके मिश्रा, कुलपति जनेकृविवि जबलपुर, डॉ. मंदीप शर्मा, डॉ. ए वेलमुरुगन, डॉ. एसआरके सिंह, तथा डॉ. एके विश्वकर्मा शामिल थे। स्थापना दिवस व्याख्यान डॉ. एके पांडे द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आधुनिक जैविक विधियों द्वारा खरपतवार प्रबंधन तथ खरपतवारों की उपयोगिताओं पर शोध करने की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम का समापन डॉ. पीके सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं संयोजक द्वारा औपचारिक धन्यवाद के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. योगिता धरडे, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।

417वां ज्ञापन सौंपा, मार्च 24 से सरस्वती घाट पुल का काम बंद

जमीन अधिकरण न होने के कारण लम्हेटाघाट का पुल का काम बंद

जबलपुर।

लम्हेटाघाट-सरस्वतीघाट पुल को लेकर मुख्यमंत्री, पीडब्ल्यूडी मंत्री के नाम संभागीय कार्यालय में 417वां ज्ञापन सौंपा गया। बताया गया नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा समिति भेड़ाघाट ने तय किया है की प्रति सप्ताह सरस्वती घाट एवं लम्हेटाघाट पुल के लिए कार्यरत विभिन्न विभागों में ज्ञापन दिया जाएगा, आज यह 417वां ज्ञापन है। लम्हेटाघाट में जमीन अधिकरण न होने के कारण काम बंद हो गया है, वहीं मार्च 2024 से सरस्वती घाट का काम बंद है, जिसके विरोध स्वरूप आज संभागीय कार्यालय में दिव्या अवस्थी को 25000 हस्ताक्षरों का ज्ञापन सौंपा गया। नर्मदा महाआरती के संस्थापक परिक्रमा अध्यक्ष डॉ. सुधीर अग्रवाल ने बताया कि नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा भेड़ाघाट मार्ग में पड़ने वाले लम्हेटाघाट, सरस्वती घाट पुल को पायलट प्रोजेक्ट की तरह जल्दी बनाया जाए, सरस्वती घाट पुल की समय सीमा जून 2024 थी अब मार्च 2025 हो गई, लम्हेटाघाट की समय सीमा भी 2025 मार्च बताते हैं जिसकी प्रतिलिपि मुख्यमंत्री पीडब्ल्यूडी कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह एवं क्षेत्रीय विधायक नीरज सिंह के नाम से दी गई। सन 2024 की कार्तिक पूर्णिमा पर निकाली गई हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा में भक्तों की विशाल भीड़ थी ज्ञात हो दोनों पुल 2017 में मुख्यमंत्री के द्वारा पास कराए गए थे जो अभी तक तैयार नहीं हुए हैं। समिति द्वारा 417 बार से अधिक ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, 7 कलेक्टर, 6 एसपी, 5 आईजी, 5 कमिश्नर को अभी तक ज्ञापन देकर अपनी बात रखी है। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक परिक्रमा अध्यक्ष डॉ. सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल, पं. मनमोहन दुबे, श्याम मनोहर पटेल, विनोद दीवान, पप्पू चौबे, मनोज गुलाबबानी, विशाल पड्या, कैलाश विश्वकर्मा, दुर्गा पटेल, गुड्डू नेता आदि उपस्थित रहे।

मोटर्स पार्ट्स वेलफेयर एसो. की वार्षिक सामान्य सभा संपन्न

जबलपुर। मोटर्स पार्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आज वार्षिक सामान्य सभा का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 100 से अधिक व्यापारी शामिल हुए एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार शारदा द्वारा संगठन द्वारा लगातार व्यापारियों की कुशलता के लिए कार्य, सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर संगठन द्वारा कार्य किया गया। मीडिया प्रभारी डॉ. जय रोहाणी द्वारा बताया गया कि लगातार 50 वर्षों से संगठन व्यापारिक एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामअवतार शारदा, राजेंद्र छब्बरा, सतपाल गुलाटी, देवेन्द्र भाटिया, ओपी पचौरी, मनिंदर कोहली, जोगेश भाटिया, डॉ. जय रोहाणी, दिलीप वर्मा, अरविंदर बग्गा, प्रमोद गुलाटी, रूबी छाबड़ा, मोहिन्दर भाटिया, रविन्द्र सलूजा, राजू टुटेजा,चीनी भाटिया, विनम्र भाटिया, अक्षय पचौरी, काकू बंगा, गुरमीत छाबड़ा, सुरेंद्र टुटेजा, प्रमोद गुलाटी, सुमित नागपाल, आशुतोष अग्रवाल एवं बड़ी संख्या में एसोसिएशन सदस्यों द्वारा सेवा प्रदान की गई।

राज्य कर्मचारियों को भी केन्द्र के समान स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएं

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि केन्द्र कर्मचारियों के समान राज्य कर्मचारियों को भी स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध करायी जानी चाहिए ताकि राज्य कर्मचारियों को कुछ राहत मिल सके और राज्य कर्मचारी भी समय पर अपना पूर्ण इलाज करा सकें, परंतु राज्य कर्मचारियों को यह सुविधा नहीं मिल पाने के कारण कर्मचारियों का समय पर सही इलाज नहीं हो पाता जिससे कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है एवं समय पर इलाज के अभाव में कई कर्मचारी काल के गाल में समा जाते हैं जिससे राज्य कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। संघ ने आगे बताया कि राज्य के कर्मचारियों को पहले स्वयं के व्यय पर इलाज कराना होता है फिर शासन स्तर पर स्वीकृति हेतु भेजा जाता है जिसमें बहुत अधिक समय लगता है इस प्रक्रिया को अभी तक ऑनलाईन भी नहीं किया गया है। शासन ने स्वयं ही अस्पताल चिन्हित कर रखे हैं, जबकि बीमारी बताकर नहीं आती और कर्मचारी जो अस्पताल निकट है वहां स्वयं के व्यय से इलाज कराता है और लाखों रूपए का भुगतान कर देता है। अतः संघ मांग करता है कि केन्द्रीय कर्मचारियों के समान ऑनलाईन भुगतान कि व्यवस्था की जाए ताकि कर्मचारी लाखों रूपए जो मेडिक्लेम पॉलिसी में लगाता है उससे भी छुटकारा मिल जाए।

सेंट अलॉयसियस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गौर महाविद्यालय में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन

जबलपुर। सेंट अलॉयसियस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गौर महाविद्यालय जबलपुर में विज्ञान, शिक्षा विभाग द्वारा एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन 23/4/25 को किया गया। जिसका उद्देश्य एचपीवी वैक्सीन रखा गया। विजया महिला क्लीनिक/ गोल्डन केयर/ हार्ट हॉस्पिटल की निर्देशक, प्रसिद्ध प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कावेरी शॉ पटेल द्वारा व्याख्यान दिया गया। जिसके अंतर्गत व्याख्यान द्वारा छात्राओं को एच.पी.वी. वैक्सीन से संबंधित उचित जानकारी प्रदान की गई। व्याख्यान के उपरांत विद्यार्थियों द्वारा अपनी शंकाओं का समाधान प्रश्न पूछकर किया गया। इसके उपरांत एक व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्त शर्करा, रक्तचाप, थायराइड और हीमोग्लोबिन आदि का परीक्षण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रेणु पाण्डेय के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीमा पाठक (कार्यक्रम प्रभारी), रश्मि जायसवाल (कार्यक्रम समन्वयक) की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं एवं प्राध्यापकगण उपस्थिति रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. हरकीरत कौर द्वारा प्रस्तुत कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कर्मचारियों के गृह भत्ता देने को किया पुनरीक्षित

जबलपुर। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने कंपनी कर्मचारियों के पुनरीक्षित गृह भत्ता (**HRA**) का आदेश 23 अप्रेल को जारी कर दिया। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के आदेश क्रमांक एफ-4-1/2025/नियम/वार दिनांक 3 अप्रैल 2025 को जारी राज्य शासन के शासकीय सेवकों को देय गृह भत्ता भत्ता पुनरीक्षण संबंधी आदेश को आवश्यक संशोधनों सहित 'शासकीय सेवक' के स्थान पर 'कंपनी कार्मिक' प्रतिस्थापित करते हुए ग्रहण किया है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पुनरीक्षित गृह भत्ता अब इस प्रकार होगा- 7 लाख अथवा इससे अधिक जनसंख्या वाले नगरीय क्षेत्रों में निवासरत कंपनी कार्मिकों को वेतन पुनरीक्षण नियम 2017 के अनुसार देय मूल वेतन का 10 प्रतिशत देय होगा। 3 लाख से अधिक परंतु 7 लाख से कम जनसंख्या के नगरीय क्षेत्रों में निवासरत कंपनी कार्मिकों को वेतन पुनरीक्षण नियम 2017 के अनुसार देय मूल वेतन का 7 प्रतिशत देय होगा। 3 लाख से कम जनसंख्या के नगरीय क्षेत्रों में निवासरत कंपनी कार्मिकों को वेतन पुनरीक्षण नियम 2017 के अनुसार देय मूल वेतन का 5 प्रतिशत देय होगा।

अरिहंत कैपिटल की ब्रांच का शुभारंभ

जबलपुर। जबलपुर में वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी अरिहंत केपिटल मार्केट ने यहां राइट टाउन पुराना बस स्टैंड के पास अपनी शाखा का उद्घाटन किया, 32 साल पुरानी अरिहंत कैपिटल का शुभारंभ चेयरमेन अशोक जैन ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्ट अर्पित जैन, वर्टिकल हेड अक्लंक जैन, ब्रांच मनीष मन्नेवार आदि मौजूद रहे। यहां बताया गया कि कंपनी में इक्विटी कमोडिटी, पीएएमएस (प्राफिट मैनेजमेंट सर्विस), प्री आईपीओ निवेश मर्चेंट बैंकिंग थर्ड पार्टी डिस्ट्रीब्यूशन प्राडक्ट ईपीडी जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

श्रद्धा सुमन अर्पित कर याद किए गए युग पुरुष स्व. धर्मनारायण शर्मा

जबलपुर। 18 अप्रैल 2025 को समाजसेवा, समर्पण और संस्कारों के प्रतीक स्व. धर्मनारायण शर्मा को श्रद्धांजलि देने हेतु स्मरणांजलि सभा का आयोजन समन्वय सेवा केंद्र आदि शंकराचार्य चौक, गोरखपुर, जबलपुर में सायं 5:30 बजे संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्ध नागरिक, समाजसेवी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं परिजन उपस्थित हुए। सभी ने स्व. धर्मनारायण के जीवन मूल्यों, सेवाभाव और समाज के प्रति उनके योगदान को गहराई से स्मरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन और मंगलाचरण से हुई। इसके पश्चात वक्ताओं ने स्व. धर्मनारायण के जीवन की विभिन्न प्रेरणादायी घटनाओं को साझा किया। वक्ताओं में प्रमुख रूप से स्थानीय समाजसेवीगण, शिक्षाविद एवं पारिवारिक सदस्य शामिल रहे। सभा में मंचासीन अतिथि- प्रांत संघचालक डॉ. प्रदीप दुबे, महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद गिरि महाराज, क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख शिवराम समदारिया, सह क्षेत्रीय प्रचारक प्रेम जी, सिदार जी रहे। मंच का संचालन वीरेंद्र पैगवार ने किया। वक्तव्य के दौरानशिवराम समदारिया ने कहा "धर्मनारायण जी सत्यवादी थे, वे किसी भी बात को निर्भीकता, स्पष्टता, मुखरता और पूर्ण निष्ठा के साथ रखा करते थे।" सभा में गोपाल व्यास (1932–2024) एवं स्व. प्रकाश सीतापुरकर (1944–2025) को भी श्रद्धा–सुमन अर्पित किए गए, जिनका जीवन भी समाजहित में समर्पित रहा। इस अवसर पर मानव सेन, प्रमोद साहू, दीपांकर बैनर्जी, पूर्व महापौर सदानंद गोडबोले, क्षेत्रीय संपर्क प्रमुख जुगराज धर द्विवेदी, शिवरतन मोहंती, बसंत चेलानी, राजेश बिनकर एवं मुकेश तिवारी ने संस्मरण कर श्रद्धा–सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु प्रार्थना की। साथ ही, सभी ने स्व. धर्मनारायण जी द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने और उनके सेवा संस्कारों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।श्रद्धांजलि सभा में भाव विह्वल वातावरण के बीच अनेक लोगों की आंखें नम थीं, किंतु सभी के मन में यह दृढ़ संकल्प था कि स्व. धर्मनारायण द्वारा दिखाया गया सेवा और संस्कार का मार्ग समाज में आगे भी जीवंत रहेगा।

अज्ञात शवों के लिए फण्ड व्यवस्था जल्द मिलेगी

जबलपुर। अज्ञात व्यक्ति की मृत्यु पर कोई फण्ड सरकार के पास नहीं होता जिससे अंतिम संस्कार में दिक़्क़त होती है, इस विषय का पत्र मुख्यमंत्री के पास मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा भेजा गया था जिस पर मुख्यमंत्री का जवाब आया है, उस पत्र को नगरीय विकास एवं आवास विभाग को निर्देश के साथ भेजा गया है। उम्मीद है अज्ञात शवों के लिए फण्ड व्यवस्था जल्द मिलेगी। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अमित सिसोदिया, डॉ. अजय वाधवानी (अध्यक्ष), एड. भावना निगम, एड. आशीष त्रिपाठी, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. आनंद बहरानी, डॉ. आशीष डेंगरा, एड. अंकित मिश्रा, एड. रोशन मंध्यानी, एड. विवेक शुक्ला, कमरुल इस्लाम ख़ान ने शामिल होकर इस पर काम किया।

हमारे दैनिक जीवन में एक अभिन्न भूमिका निभाता है गणित : प्रो. वर्मा

रादुविवि गणित एवं कम्प्यूटर विज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन

जबलपुर।

"गणित हमारे दैनिक जीवन में एक अभिन्न भूमिका निभाता है, यह हमारे निर्णय लेने, समस्याओं को हल करने और हमारे आस-पास की दुनिया को नेविगेट करने के तरीके को आकार देता है। गणित को अक्सर कक्षाओं और पाठ्य पुस्तकों तक सीमित विषय माना जाता है, लेकिन इसका प्रभाव शिक्षा से कहीं आगे तक फैला हुआ है।" यह बात उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कही। विश्वविद्यालय के गणित एवं कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन 21 से 24 अप्रैल तक किया जा रहा है। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एनईएचयू, शिलांग के फॉर्मर प्रो. वॉयस चांसलर एवं इंडियन मैथेमेटिकल सोसाइटी, भारत के अध्यक्ष प्रो. एस.एस. खरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि गणित सिर्फ स्कूल-कॉलेजों में पढ़ाए जाने वाले विषय से कहीं ज्यादा है। यह एक जरूरी उपकरण है, जो हमारे रोजमर्रा के जीवन को आकार देता है और दुनिया के बारे में हमारी समझ को समृद्ध करता है। वित्तीय साक्षरता और समस्या-समाधान से लेकर तकनीक और नवाचार तक, गणित हमारे अस्तित्व के विभिन्न पहलुओं का आधार है। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विवि गणित एवं कम्प्यूटर विभागाध्यक्ष प्रो. जे.के. मैत्रा ने बताया कि इस व्याख्यान श्रृंखला में गणित विषय के सरलीकरण को लेकर विभिन्न शीर्षकों पर अलग-अलग व्याख्यान का आयोजन होगा। अन्य वक्ता के रूप में शासकीय साइंस कॉलेज के प्रो. आर.के. तिवारी एवं विवि गणित विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एके अग्रवाल ने गणित कौशल एवं इसके महत्व पर अपने विचार रखे। व्याख्यान समन्वयक डॉ. धीरेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया कि विवि के गणित विभाग सेमीनार हॉल में 22 अप्रैल से 10.30 बजे तक निरंतर व्याख्यानों का सिलसिला जारी रहेगा। संचालन श्रीमती प्रतिभा डी. जयसिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. आशीष उपाध्याय, बीएचयू, प्रो. मूर्ति बिलासपुर, प्रो. संजीव दत्ता प. बंगाल के अलावा डॉ. वीआरके साहू, डॉ. अनिमेश गुप्ता, नरेश कुमार, दीपेश मिश्रा, सुमन चंद्रानन, डॉ. पूनम अग्रवाल एवं विभाग व अन्य कॉलेजों के विद्यार्थी मौजूद रहे।

पहलगाम में आतंकी हमले से देशभर में फैला आक्रोश, सभी देशवासियों और युवाओं का एक सुर में फूटा आवेश

आतंकवाद का पुतला फूंका, नारेबाजी की और बोले-आतंकियों पनहगारों को जमीन में गाड़ दो, पाक का नामोनिशान मिटा दो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में कई पर्यटकों की मौत के बाद देशभर में आक्रोश फैल गया है। बहराइच में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने महाराणा प्रताप चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आतंकवाद का पुतला फूंका और जोरदार नारेबाजी की। उन्होंने आतंकियों और उनको पनाह देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। किसान डिग्री कॉलेज के पास जमा हुए प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से हमले के दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। उनका कहना था कि आतंकियों को ऐसा सबक सिखाया जाए कि भविष्य में कोई इस तरह का हमला करने की हिम्मत न करे। धर्मशाला के रहने वाले अनुज कश्यप ने इस घटना को लेकर कहा कि आज भारत का हर एक व्यक्ति भारत सरकार के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस हादसे का बदला लेना होगा और पाकिस्तान को सबक सिखाना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार अगर इजाजत दे, तो यह युवा पूरे पाकिस्तान को कुछ मिनट में तबाह कर सकते हैं।

कायराना हमला... एक ही जवाब- लें ठोस बदला

न भूलना, न माफ करना, लोगों ने देशभर में किया प्रदर्शन

जागो हिंदुओं जागो

स्थानीय युवक अमित ने इस मौके पर कहा कि धर्म पूछ कर हिंदू लोगों पर गोलियां चलाई गई और उन्हें मार दिया गया। निहत्थे हिंदुओं से इस तरह की कर-कर आतंकवादियों ने अपने काफिर होने का प्रमाण दिया है। उन्हें कहा कि अब हिंदुओं को जगाना होगा और इस के खिलाफ आवाज उठानी होगी। हम इस तरह से पाने लोगों को तड़फ-तड़फ कर मरते हुए नहीं देख सकते।

विहिप कल करेगी राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन

विश्व हिंदू परिषद् ने आतंकी हमला के विरोध में झारखंड सहित देशभर में 25 अप्रैल को विरोध प्रदर्शन करेगा। परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई भीषण घटना की निंदा की।पहलगाम घटना के विरोध में देशभर में आंदोलन करने की घोषणा करते हुए विहिप ने कहा कि इस अमानवीय घटना पर संपूर्ण देश स्तब्ध व आक्रोशित है। झारखंड विहिप के सहमंत्री डॉ. बिरेन्द्र साहु ने जानकारी देते हुए बताया कि जिस तरह से जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने घटना को अंजाम दिया है, उससे पूरा देश स्तब्ध है। इसके विरोध में झारखंड के सभी जिलों में 25 अप्रैल को विरोध प्रदर्शन किया जाएगा और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने का मांग की जाएगी। इसका जवाब भारत सरकार कोदेना होगा कि कोई ऐसा दुस्साहस न कर सके।

सचिन-कोहली ने भी आतंकी हमले पर जताया शोक, कहा

पाकिस्तान से खेल संबंध समाप्त किए जाएं

भारतीय खेल जगत ने भी पहलगाम आतंकी हमले पर शोक जताया है।भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंध पूरी तरह समाप्त करने की मांग की है। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने भी इस हमले पर दुख जताया और पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी है। सचिन ने लिखा, पीड़ित परिवार अकल्पनीय कष्ट से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया भर में लोग इस कठिन समय में उनके साथ हैं।

फिल्म अभिनेता बोले

जघन्य कृत्य के खिलाफ न्याय मिले

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान और सलमान खान ने भी हमलों की निंदा की है। शाहरुख खान ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा है, पहलगाम में जो हुआ, उस कृत्य पर दुख और गुस्से को शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें और इस जघन्य कृत्य के खिलाफ न्याय मिले।

सलमान बोले- पूरी कायनात को मारने के बराबर

सलमान खान ने भी एक्स पर पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा है, धरती का स्वर्ग कश्मीर, नरक में बदलता जा रहा है। निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। मेरी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं। एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मरने के बराबर है।

अन्य ने भी जताई संवेदना

माधुरी दीक्षित, प्रियंका चोपड़ा, अल्लू अर्जुन, आलिया भट्ट, अनुष्का शर्मा और विक्की कौशल सहित तमाम सितारों ने हमलों की निंदा की है।

ये भी प्रतिक्रियाएं

बहुत आहत, स्तब्ध और दुखी हूं: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। इसने हम सभी को बहुत आहत, स्तब्ध और दुखी किया है।

6 परिवारों को 5 लाख का मुआवजा

महाराष्ट्र सरकार ने आतंकवादी हमले के दौरान अपने प्रियजनों को खोने वाले 6 परिवारों को 5 लाख की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है।

मुसलमानों को दबाया जा रहा: वाड्रा

आतंकी हमले पर दुख जताते हुए बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि क्योंकि उन्हें लगता है कि मुसलमानों को दबाया जा रहा है।

पंजाब में हाई अलर्ट उच्च स्तरीय बैठक

पंजाब को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सीएम भगवंत मान ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की है।

धामी ने मौन रख दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीएम आवास में बैठक में दो मिनट का मौन रखकर हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीएम सावंत नहीं मनाएंगे जन्मदिन

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को घोषणा की किआतंकवादी हमले के मद्देनजर वह 24 अप्रैल को अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे।

भारत करारा जवाब देगा : साय

सीएम विष्णु देव साय ने हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि जब-जब देश पर इस तरह का हमला हुआ है, भारत ने करारा जवाब दिया है।

मुर्गे लड़ाने की कोशिश मत करो

पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने कहा कि यह कश्मीरियत पर और इंसानियत पर हमला है। वह मुर्गा लड़ाने की कोशिश न करे।

दुल्हन की खामोशी, चीखें कह रहीं

ऐसी कार्रवाई हो कि वे कांप जाएं

पहलगाम त्रासदी का चेहरा बनीं, उस नई नवेली दुल्हन , जो अपने पति के लाश के पास खामोशी से बैठी है। उसकी खामोशी चीखों से ज्यादा दर्दनाक है। सोशल मीडिया पर लाखों यूजर्स ने तस्वीरें शेयर कर कहा है कि इस हमले का जवाब ऐसा होना चाहिए, जिसकी गूंज पूरे विश्व में होऔर आतंकी अगली बार ऐसा करना तो दूरसोचने के पहले भी कांप जाए।

सोशल मीडिया पर बोले लोग

अब निंदा का नहीं कार्रवाई का समय आ गया: श्री श्री

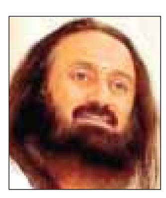

पहलगाम आतंकी हमले पर बोले श्री श्री रवि शंकर ने कहा है कि ये निंदा या आलोचना का समय नहीं है, ये बड़े एक्शन का समय है। अभी पूरे विश्व को एक साथ आना चाहिए और आतंकियों को उनकी असली जगह दिखानी चाहिए।

आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता: रंगनाथन

वैज्ञानिक और लेखक आनंद रंगनाथन ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। इसीलिए पहलगाम के आतंकवादियों ने पर्यटकों के पहचान पत्र चेक किए, उनकी पैंट उतारी, उनसे कलमा पढ़ने को कहा और जो मुसलमान नहीं थे, उन्हें मार डाला। इतनी नफरत सीमा पार से नहीं आ सकती। यह एक ऐसी विचारधारा से आती है जो सीमाओं से परे है।

यूजर्स बोले- हिंदू होना कसूर हो गया?: कई सोशल मीडिया यूजर ने लिखा है कि चाहे आप मानें या न मानें, उनका कसूर सिर्फ इतना था कि वो एक हिंदू हैं।'एक अन्य यूजर ने लिखा, 'जब तस्वीरें आत्मा को झकझोर दें और इंसानियत मरी हुई दिखाई दे, तब आह निकलती है अपने ही देश में हिंदू सुरक्षित नहीं है।

खबर संक्षेप

धर्मांतरण के प्रयास में विदेशी सहित 2 अरेस्ट

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले के मोतीपुरा गांव में अवैध धर्मांतरण गतिविधियों में लिप्त होने की बजरंग दल के सदस्यों की शिकायत पर एक अमेरिकी नागरिक सहित दो व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। आरोपियों की पहचान जॉय मैथ्यू और उसके दामाद कॉलिन मिशेल के रूप में हुई है। मिशेल अमेरिकी नागरिक है, जबकि जॉय स्थानीय नागरिक है।

अपमानजनक टिप्पणी महिला को 7 दिन कैद

मुंबई। बम्बई उच्च न्यायालय ने नवी मुंबई में एक आवासीय सोसाइटी के कुत्तों को खाना खिलाने वालों के पक्ष में आदेश पर अदालत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने पर महिला को आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराया। अदालत ने विनीता श्रीनंदन को एक सप्ताह की साधारण कारावास की सजा सुनाई, इसके साथ ही 20,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया।

हरियाणा में 5 एकड़ में बनी 2 कॉलोनियां ध्वस्त

पलवल। जिला नगर योजनाकार विभाग की टीम ने फाजलपुर व खजूरका गांव में अवैध रूप से बनाई जा रही कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया है। विभाग ने 5 एकड़ में बनी दो अवैध कॉलोनियों के कमरे, चारदीवारी व सड़कें ध्वस्त कर दी। जिला नगर योजनाकार अनिल मलिक व भारी पुलिस बल तैनात रहा। इसके साथ ही यहां परचेतावनी बोर्ड भी लगा दिया गयै है। लोगों को चेतावनी दी है कि यहां पर किसी तरह का निर्माण नहीं होना चाहिए।

चिकित्सकों पर बढ़ते हमलों से बचाने दिशा-निर्देश का अनुरोध

पूर्व में ही गाइड लाइन दी गई प्रत्येक घटना को देखना असंभव

शीर्ष अदालत से प्रत्येक गतिविधि की निगरानी की उम्मीद नहीं करनी चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने चिकित्सकों पर बढ़ते हमलों से उन्हें बचाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर विचार करने से बुधवार को इनकार कर दिया और कहा कि उससे (शीर्ष न्यायालय से) हर काम करने और हर गतिविधि पर नजर रखने की उम्मीद नहीं की जा सकती।

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने उच्चतम न्यायालय के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संबंधित दिशा-निर्देश पहले ही निर्धारित किए जा चुके हैं और याचिकाकर्ता उचित वाद दायर करने के लिए स्वतंत्र हैं। पीठ ने कहा कि आप उच्चतम न्यायालय से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि सभी कुछ वह करेगा और प्रत्येक गतिविधि पर निगरानी रखेगा।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश एक वकील ने जब चिकित्सकों पर हमले की घटनाओं का उल्लेख किया, तो पीठ ने कहा कि ये सभी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हैं लेकिन उच्चतम न्यायालय यहां बैठकर प्रत्येक घटना की निगरानी नहीं कर सकता है।

कथित आत्महत्या की जांच सीबीआई से कराने का अनुरोध किया गया

स्त्री रोग विशेषज्ञ की आत्महत्या का मामला

पीठ 2022 में दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें चिकित्सकों पर हमले के मामले बढ़ने का आरोप लगाया गया था और उनकी सुरक्षा के लिए व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने का अनुरोध किया गया था। एक याचिका में राजस्थान के दौसा में एक स्त्री रोग विशेषज्ञ की कथित आत्महत्या की जांच सीबीआई से कराने का अनुरोध किया गया है। राजस्थान में प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव के कारण एक मरीज की मौत के बाद भीड़ द्वारा कथित रूप से परेशान करने के बाद स्त्री रोग विशेषज्ञ ने आत्महत्या कर ली थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश एक वकील ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय के 21 अक्टूबर, 2022 के आदेश का हवाला दिया, जिसमें केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर इन याचिकाओं पर जवाब मांगा गया था। पीठ ने पूछा कि तो फिर दोबारा दिशा-निर्देश देने का क्या मतलब है?'

सामान्य निर्देश कैसे दिए जा सकते हैं?

पीठ ने कहा कि यह काम संसद को करना है। ये सभी नीतिगत मामले हैं। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि चिंता की बात यह है कि देशभर के पुलिस थाने इलाज के दौरान दुर्भाग्यवश मरीजों की मौत हो होने पर चिकित्सकों के खिलाफ मामले दर्ज कर रहे हैं। पीठ ने पूछा कि सभी पुलिस थानों के खिलाफ इस तरह का आरोप कैसे लगाया जा सकता है? इसने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने पिछले फैसले में पहले ही दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं और निर्देशों का उल्लंघन अवमानना के समान होगा। पीठ ने कहा किसामान्य निर्देश कैसे दिए जा सकते हैं?

दूसरी पीठ केस को खारिज नहीं कर सकती

शंकरनारायणन ने कहा कि अक्टूबर 2022 में नोटिस के अनुसार, चार राज्यों ने अपने जवाब दाखिल किए और उन्होंने याचिका की स्वीकार्यता पर कोई आपत्ति नहीं जताई। पीठ ने पूछा कि तो क्या एक बार नोटिस जारी होने के बाद दूसरी पीठ याचिका को खारिज नहीं कर सकती? यदि यह तुच्छ नहीं है तो यह परेशान करने वाली बात है। शंकरनारायणन ने कहा कि मुद्दे न तो परेशान करने वाले हैं और न ही तुच्छ।अनुरोध किया कि 4राज्यों से जवाब आ चुके हैं, इसलिए उच्चतम न्यायालय इस मामले को दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दे।

शिक्षाविद अशोक के 'आपत्तिजनक' ट्वीट हटाने से इनकार किया

दिल्ली उच्च न्यायालय ने शिक्षाविद अशोक स्वैन की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें स्वैन ने अपने प्रवासी भारतीय नागरिकता कार्ड को रद्द करने के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए एकल न्यायाधीश की टिप्पणियों को हटाने का अनुरोध किया था। भारत में जन्मे स्वीडिश शिक्षाविद् स्वैन ने कहा कि वह एकल न्यायाधीश की इस टिप्पणी से व्यथित हैं, जिसमें कहा गया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता के कुछ ट्वीट में 'आपत्तिजनक' संकेत थे और इसे भारत संघ के संवैधानिक तंत्र और वैधता को कमजोर करने वाला माना जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि एकल न्यायाधीश ने 28 मार्च के फैसले में पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि आदेश को स्वैन के खिलाफ आरोपों के गुण-दोष पर उनकी राय की अभिव्यक्ति के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए।फैसले पर गौर करते हुए ओसीआई कार्ड रद्द करने के आदेश को खारिज कर दिया गया था।

बंगाल में 26,000 स्कूली नौकरियों का मामला

स्कूल शिक्षा विभाग का हाईकोर्ट की अवमानना की पोषणीयत पर सवाल

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल शिक्षा विभाग ने बुधवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष एक अवमानना याचिका की पोषणीयता पर सवाल उठाया, जिसमें राज्य में करीब 26,000 स्कूली नौकरियों के संबंध में उसके आदेश का पालन नहीं करने का दावा किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि शिक्षा विभाग ने शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की ओएमआर शीट वेबसाइट पर अपलोड नहीं की है, जिन्होंने उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अपनी नौकरी खो दी है, जिसमें कुछ संशोधनों के साथ उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा गया था। शिक्षा विभाग के वकील ने न्यायमूर्ति देबांगसू बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार रशीदी की पीठ के समक्ष दलील दी कि चूंकि उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के कुछ निर्देशों को संशोधित किया है, इसलिए अवमानना की याचिका केवल शीर्ष अदालत के समक्ष ही दायर की जा सकती है।

एसएससी ने लगाया प्रश्नचिन्ह

बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने भी इसी आधार पर उच्च न्यायालय के समक्ष अवमानना आवेदन की पोषणीयता पर सवाल उठाया। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि चूंकि शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के निर्देशों में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है, इसलिए उच्च न्यायालय के समक्ष अवमानना याचिका दायर की जा सकती है। अदालत ने कहा कि मामले की सुनवाई सोमवार को फिर से की जाएगी।

ओएमआर शीट को अपलोड नहीं किया

याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय द्वारा मंगलवार को दिए निर्णय और इस वर्ष तीन अप्रैल और 17 अप्रैल को उच्चतम न्यायालय द्वारा 'संशोधित' निर्णय के उल्लंघन की शिकायत करते हुए उच्च न्यायालय के समक्ष अवमानना याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि तीन हार्ड डिस्क में उपलब्ध ओएमआर शीट को एसएससी की वेबसाइट पर 'तुरंत' अपलोड नहीं किया गया है और इसे जनता के देखने के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए, जैसा कि इस पीठ ने आदेश दिया था।

राज्यसभा सीट पर मुकाबला तगड़ा

टीडीपी और भाजपा एकसाथ ईरानी-अन्नामलाई रेस में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा तमिलनाडु के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई या पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी में से किसी एक को राज्यसभा उपचुनाव में एनडीए उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतार सकती है। यह सीट वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता विजयसाई रेड्डी के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। इस सीट के लिए उपचुनाव 9 मई को होगा।

इसी बीच, विजयसाई रेड्डी हाल ही में शराब घोटाले की जांच कर रही विशेष जांच दल के सामने पेश हुए। राज्यसभा उपचुनाव को लेकर

एनडीए में हलचल तेज हो गई है। एनडीए की सहयोगी पार्टी तेलगु देशम पार्टी , भाजपा के उम्मीदवार को समर्थन दे सकती है। इसको लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के मुख्य रणनीतिकार अमित शाह से मुलाकात कर सकते हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने दिया प्रस्ताव

जल्द ही हॉर्न की आवाज बांसुरी और तबले जैसी होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में एक नया और दिलचस्प प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा है कि वह ऐसा कानून लाने पर विचार कर रहे हैं, जिससे गाड़ियों के तेज और कर्कश हॉर्न की जगह भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि सुनाई दे। हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने बताया कि भविष्य में गाड़ियों के हॉर्न से बांसुरी, तबला, वायलिन और हारमोनियम जैसी सुकून देने वाली आवाजें सुनाई दे सकती हैं।

मंत्री ने कहा कि ऐसा कानून बनाने पर हो रहा विचार

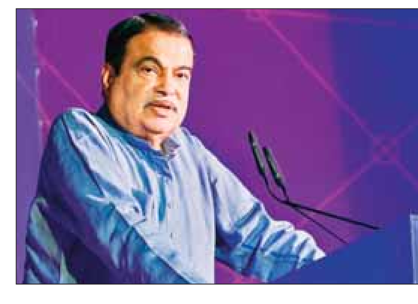

आवाज के प्रदूषण को कम करने की पहल

गडकरी ने इस पहल के पीछे की वजह भी समझाई। उनका कहना है कि सड़क किनारे होने वाला ध्वनि प्रदूषण कम करना बेहद जरूरी है ताकि लोगों को शहरी माहौल में राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जैसे हम हवा की गुणवत्ता सुधारने की कोशिश करते हैं, वैसे ही अब हमें ध्वनि प्रदूषण को भी गंभीरता से लेना चाहिए। उनका मानना है कि शांत और स्वस्थ माहौल शहरों को रहने लायक बनाएगा।

ट्रांसपोर्ट सेक्टर से 40 फीसदी वायु प्रदूषण

गडकरी ने यह भी बताया कि भारत में लगभग 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण ट्रांसपोर्ट सेक्टर से आता है। इसी वजह से सरकार ग्रीन मोबिलिटी यानी पर्यावरण के अनुकूल यातायात साधनों को बढ़ावा दे रही है। इसमें बायो-फ्यूल जैसे एथेनॉल और मीथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार ट्रांसपोर्ट विकल्पों पर काम कर रही है।

भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर की तेजी से बढ़ती ताकत पर भी रोशनी डाली। उन्होंने बताया कि 2014 में भारतीय ऑटो सेक्टर की वैल्यू करीब 14 लाख करोड़ रुपये थी, जो आज बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इतना ही नहीं, भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बनने का गौरव भी हासिल कर लिया है, जो अब सिर्फ अमेरिका और चीन से पीछे है।

खबर संक्षेप

आतंकियों को करारा जवाब दिया जाएगाः शर्मा

भोपाल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकियों के कायराना हमले में निर्दोष नागरिकों के दुखद निधन पर भाजपा प्रदेश

अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने शोक व्यक्त किया है एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना हमले में निर्दोष नागरिकों के काल कवलित होने पर आतंकियों को करारा जवाब दिया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

पीएचक्यू ने किए 22 आरक्षकों के तबादले

भोपाल। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने मंगलवार को 22 पुलिस आरक्षकों के तबादले किए हैं। ये सभी ट्रांसफर आरक्षकों की मांग पर किए गए हैं, इसलिए स्वयं के व्यय पर माना जाएगा। पीएचक्यू द्वारा जारी ट्रांसफर आदेश के मुताबिक इन आरक्षकों के यूनिट प्रमुखों को निर्देश दिया गया है कि इन सभी को सरकारी नीति के अनुसार समय सीमा में रिलीव किया जाए, ताकि ये नई पदस्थापना स्थल पर ज्वॉइनिंग दे सकें।

डॉक्टर, कलेक्टर निर्णय लेकर गंभीर घायलों को चिकित्सा संस्थान तक भेजने की व्यवस्था करेंगे

एयर एबुलेंस सुविधा का किया जाएगा विस्तार, दुर्घटना स्थल पर भी पहुंचेंगी

पार्थिव देह ले जाने के लिए जिलों में उपलब्ध होंगे शव वाहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा की

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है, जहां मरीजों के लिए एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध है। इस सुविधा का विस्तार इस तरह किया जाएगा कि किसी भी दुर्घटना स्थल पर भी एयर एम्बुलेंस को पहुंचाया जा सके। दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को चिकित्सक और कलेक्टर द्वारा निर्णय लेकर चिकित्सा संस्थानों तक भेजने की व्यवस्था की जाएगी।

वर्तमान में एयर एम्बुलेंस सेवा के अंतर्गत एक हेलीकाप्टर और एक एरोप्लेन उपलब्ध है। गरीब नागरिकों को इस सुविधा का लाभ देने का प्रयास है। भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत राज्य के विभिन्न जोन निर्धारित कर सेवा की उपलब्ध की जाएगी। डॉ. यादव मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अंगदान के कार्य को भी प्रोत्साहित किया जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अस्पतालों से घर तक पार्थिव देह ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। यह व्यवस्था जिलों से प्रारंभ होगी, जिसका बाद में विकास खण्ड और तहसील स्तर तक विस्तार होगा। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य शिविरों के से नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण किया जाए। कैंसर जैसे रोगों से ग्रस्त लोगों को उपचार दिलाया जाएं।

सेवानिवृत्त चिकित्सा विशेषज्ञों की सेवाएं लेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि विभिन्न सेवानिवृत्त चिकित्सा विशेषज्ञों की सेवाएं विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में नागरिकों के उपचार में प्राप्त की जाएं। नए मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों के पदों को भरने की प्रक्रिया भी संचालित है।

आईए, हम सब मिलकर पृथ्वी को हरा-भरा और सुंदर बनाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व पृथ्वी दिवस पर प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों की याद दिलाता है और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए संकल्पित होने का अवसर देता है। डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि 'यस्यां समुद्र उत सिन्धुरापो यस्यामन्नं कृष्टयः संबभूवुः। यस्यामिदं जिन्वति प्राणदेजत्सा नो भूमिः पूर्वपेये दधातु॥' यह वैदिक मंत्र पृथ्वी की महानता और सबके लिए उसके पोषक स्वरूप का भान कराता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक पौधरोपण करें और पृथ्वी को हरा-भरा व सुंदर बनाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि पृथ्वी हमारी जननी है, इसका संरक्षण हमारा धर्म है। आइए, हम सब मिलकर हमारी अपनी धरती को फिर से हरियाली से भर दें।

मुख्यमंत्री की विश्व पृथ्वी दिवस पर नागरिकों से अपील

मेडिकल टूरिज्म बढ़ाने में आयुष विभाग निभाएगा भागीदारी, हर पर्यटन स्थल के पास बनेंगे वैलनेस सेंटर

» मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुष विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

समन्वय से मरीजों के उपचार में तेजी लाएं आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मेडिकल टूरिज्म एक उभरता हुआ सेक्टर है। स्वास्थ्य के साथ-साथ आयुष विभाग को भी इस क्षेत्र में भागीदारी करना चाहिए। प्रदेश के हर पर्यटन स्थल, धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व के स्थलों के आसपास वैलनेस सेंटर स्थापित किए जाएं, इससे यहां आने वाले पर्यटक आयुष विभाग की प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति और पंचकर्म सुविधा का भी लाभ ले सकेंगे। डॉ. यादव मंत्रालय में आयुष विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

झोलाछाप डॉक्टरों पर सख्ती से अंकुश लगाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय आयुष मिशन में प्रदेश में जहां-जहां नए आयुर्वेद महाविद्यालय स्थापित किए जाने हैं, इन्हें प्रारंभ करने के लिए तेज एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएं। स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग आपसी समन्वय और तालमेल से काम करें और अधिक से अधिक मरीजों को अपनी-अपनी चिकित्सा पद्धतियों से उपचार का लाभ दें। उन्होंने कहा कि दोनों ही विभाग रोजगारपरक शिक्षा की ओर बढ़ें, ताकि प्रदेश को अधिकाधिक डॉक्टर्स एवं आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी मिलें। डॉ. यादव ने बिना किसी डिग्री के क्लीनिक चलाकर एवं घर-घर जाकर भोले-भाले ग्रामीण मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप डॉक्टर पर सख्ती से अंकुश लगाने के निर्देश दिए।

15 जून तक अवकाश घोषित

गर्मी से बच्चों को मिली राहत, छग सरकार ने घोषित की ग्रीष्मकालीन छुट्टियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश में लगातार बढ़ रही गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने स्कूलों में ग्रीष्कालीन अवकाश की छुट्टी देने का फैसला लिया है। अब 25 अप्रैल 2025 से 15 जून 2025 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। पहले ये ग्रीष्मकालीन अवकाश एक मई से घोषित किया जाता रहा है।

गर्मी के कारण छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने पांच दिन पहले ही छुट्टी घोषित करने का आदेश जारी किया है। राज्य सरकार का ये निर्णय प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त और गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों के लिए लागू होगा। हालांकि ये अवकाश केवल बच्चों के लिए है। शिक्षकों को अभी भी स्कूल में उपस्थिति देनी होगी। बता दें कि रायपुर में अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। गर्म हवा के थपेड़ों से हर कोई बेहाल है। इस निर्णय से प्रदेश के 60 लाख बच्चों ने राहत की सांस ली है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को किया सतर्क,कहा- आनंद से मनाएं छुट्टी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए लिखा कि प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। इसलिए सभी शासकीय एवं गैर शासकीय स्कूलों में 25 अप्रैल से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। सभी बच्चों से आग्रह है कि वे तेज धूप से बचें, खूब पानी पिएं, घर पर रहें और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लें और छुट्टियों का बच्चे आनंद लें ।

पकड़े गए सॉल्वर की निशानदेही पर मुख्य सरगना और परीक्षा का अभ्यर्थी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मिसरोद पुलिस ने फर्जी तरीके से परीक्षा देने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक फर्जी परीक्षार्थी को मौके से पकड़ा था। इसके बाद उससे पूछताछ के आधार पर राजस्थान के रहने वाले मुख्य सरगना और अभ्यर्थी को पुलिस ने अपनी गिरफ्त में ले लिया। पुलिस उपायुक्त डॉ. संजय अग्रवाल ने बताया कि आरोपी सोनू कुमार मिश्रा निवासी पटना बिहार ने बताया कि पटना में पढ़ाई के दौरान मुख्य सरगना जसवंत मीणा से उसकी पहचान हुई थी।

बरसों से जमे मास्टरों को 3 साल के लिए गांव भेजने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में बरसों से जमे शिक्षकों को अब ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में पढ़ाने के लिए भेजा जाएगा। शिक्षकों को कम से कम तीन साल यहां पढ़ाना होगा। इसको लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी हैं। विभाग ने ऐसे शिक्षकों की जानकारी जुटा रहा है जो कई वर्षो से शहरी क्षेत्र के एक ही स्कूल में पढ़ा रहे हैं।

दरअसल, हाल ही में स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री ने इसको लेकर निर्देश दिए हैं। वीडियो कांफ्रेसिंग के दौरान मंत्री ने बरसों से शहरों में जमे शिक्षकों को गांव में भेजने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि शहरों में जिन स्कूलों का रिजल्ट लगातार कम आ रहा है, उनके शिक्षकों को प्रशासकीय आधार पर गांव में भेजा जाएगा। विभागीय सूत्रों की माने तो मई के पहले सप्ताह में ट्रांसफर की तिथि घोषित करने की तैयारी की जा रही है।

स्कूल शिक्षा विभाग में तबादले के लिए आवेदन ऑफलाइन नहीं लिए जाएंगे। शिक्षकों के आवेदन ऑनलाइन ही लिए जाएंगे। रिलीविंग और ज्वॉइनिंग की कार्रवाई ऑनलाइन होगी। विभागीय जानकारों की माने तो तीन साल की सेवाएं शेष होने और गंभीर बीमारी या विकलांगता से पीड़ित हैं, उन्हें इस प्रक्रिया से मुक्त रखा जाएगा। स्थानांतरण में वरीयता क्रम निर्धारित किया गया है। नई नीति के अनुसार शिक्षकों को निर्वाचित जन प्रतिनिधियों की निजी पदस्थापना में पदस्थ नहीं किया जाएगा।

प्रभार के जिले के साथ गृह जिले में पेयजल आपूर्ति पर नजर रखेंगे मंत्री

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक से पहले पेयजल को लेकर दिए निर्देश
- मंत्रिमंडल सदस्यों को दी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों से कहा है कि बढ़ती गर्मी के मद्देनजर वे प्रदेश के सभी अंचलों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पर सतत निगरानी रखें।

उन्होंने कहा कि मंत्रीगण अपने प्रभार के जिलों और अपने गृह जिले में भी पेयजल की आवश्यकतानुसार समुचित आपूर्ति के लिए स्वस्फूर्त प्रयास करें। पीने के पानी की आपूर्ति बाधित न हो। किसी को भी पेयजल के लिए कठिनाई न होने पाए। उन्होंने कहा कि पेजयल व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए जिला प्रशासन के साथ पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करें और उन्हें अपना मार्गदर्शन एवं आवश्यक दिशा-निर्देश भी दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रिमंडल की बैठक से पहले संबोधित कर रहे थे।

आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

राष्ट्रीय मूल्यांकन में गुजरात की 346 पंचायतें अग्रणी और 13,781 निष्पादक में सबसे आगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गांधीनगर

भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जारी किए गए पहले पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) में गुजरात ने ग्रामीण शासन और सतत विकास में एक नया मानदंड स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, जिनका मंत्र 'सशक्त गांव, समृद्ध राष्ट्र' है और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के परिणामोन्मुखी शासन के तहत, गुजरात ने ग्रामीण विकास में यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उल्लेखनीय है कि 24 अप्रैल को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के कार्यान्वयन का प्रतीक है, जिसने ग्रामीण भारत में पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना की और स्थानीय स्वशासन को मजबूत किया। इस अवसर के अनुरूप, पंचायत उन्नति सूचकांक में गुजरात की हालिया मान्यता इसके मजबूत जमीनी स्तर के शासन और सतत ग्रामीण विकास में नेतृत्व को दर्शाती है। पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) में, देश भर में कुल 2,16,285 मान्य ग्राम पंचायतों में से, गुजरात की 346 पंचायतों को 'अग्रणी' और 13, 781 को 'निष्पादक' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो देश भर में दोनों श्रेणियों में सबसे अधिक है। तेलंगाना ने 270 'अग्रणी' पंचायतों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि 'निष्पादक' श्रेणी में, महाराष्ट्र 12,242 पंचायतों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, उसके बाद तेलंगाना 10,099 के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वर्ष 2022-23 के लिए पीएआई के आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल 2,55,699 ग्राम पंचायतों में से 2,16,285 ने वैध डेटा प्रस्तुत किया। उनमें से 699 को 'अग्रणी', 77, 298 को 'निष्पादक' और 1,32,392 को 'आकांक्षी' पंचायतों के रूप में पहचाना गया।

विकास आयुक्त ने उल्लेखनीय उपलब्धि और राज्य की रणनीति पर प्रकाश डाला

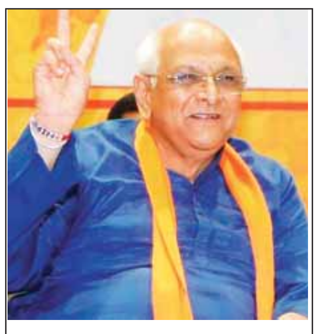
मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

पीएआई के राज्य नोडल अधिकारी और गुजरात सरकार के पंचायत विभाग के अतिरिक्त विकास आयुक्त डॉ. गौरव दहिया (आईएएस) ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के पीछे राज्य की रणनीति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहाकि यह उपलब्धि जमीनी स्तर पर विकास और सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के प्रति गुजरात की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। समीक्षा बैठकों की एक श्रृंखला, कई क्षमता निर्माण सत्र और सभी स्तरों पर समन्वित प्रयासों ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुजरात की पंचायतों ने डेटा-संचालित योजना और प्रभावी अंतर-विभागीय अभिसरण का एक उल्लेखनीय उदाहरण

महिला-अनुकूल पंचायतें

भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा जारी पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) एक व्यापक मूल्यांकन उपकरण है जो स्थानीयकृत सतत विकास लक्ष्यों (एलएसडीजी) के विरुद्ध 2,50,000 से अधिक ग्राम पंचायतों की प्रगति को मापता है। जमीनी स्तर पर विकास को मापने और पंचायतों की भूमिका को मजबूत करने के लिए एक ऐतिहासिक पहल के रूप में मान्यता प्राप्त, पीएआई नौ प्रमुख विषयों पर प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है: गरीबी मुक्त और बेहतर आजीविका वाली पंचायतें, स्वस्थ पंचायतें, बच्चों के अनुकूल पंचायतें, पानी से भरपूर पंचायतें, स्वच्छ और हरी-भरी पंचायतें, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे वाली पंचायतें, सामाजिक रूप से न्यायसंगत और सुरक्षित पंचायतें, सुशासन वाली पंचायतें और महिला-अनुकूल पंचायतें। यह मूल्यांकन 435 अद्वितीय स्थानीय संकेतकों और 566 डेटा बिंदुओं पर आधारित है।

रिवाह-बाए-तनिष्क की शानदार वेडिंग ज्वेलरी अक्षय तृतीया को सुनहरा और यादगार बनाएगी

आधुनिक दुल्हन के लिए कस्टमाइज़्ड ब्राइडल ज्वेलरी आभूषणों के कलेक्शन्स के साथ विभिन्न परंपराओं का सम्मान

मुंबई। अक्षय तृतीया के पवित्र पर्व के लिए तनिष्क का एक्सक्लूसिव वेडिंग सब-ब्रांड रिवाह अपने शानदार ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन्स के साथ आने वाली समर इंडियन वेडिंग्स के लिए तैयार है। भारत में शादी से जुडी विभिन्न परंपराओं की गहरी समझ के साथ, रिवाह बाए तनिष्क अलग-अलग समुदायों की दुल्हनों के लिए बनाई गयी ज्वेलरी की विशाल श्रेणी प्रस्तुत कर रहा है। हल्दी से लेकर मेहंदी तक, संगीत से लेकर शादी तक, हर फंक्शन के अनुरूप आभूषण रिवाह में हैं। यहां हर आभूषण को न केवल परंपराओं को निभाने बल्कि दुल्हन की अपनी सोच, पसंद और शान को प्रतिबिंबित करने के लिए बनाया जाता है। रिवाह में विरासत और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का मिलाप है, जो दुल्हनों को उनके अपने ब्राइडल नरेटिव बनाने में मदद करता है। रिवाह बाए तनिष्क शादी के अनुभव के हर पहलू को और भी खूबसूरत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ब्रांड सुनिश्चित करता है कि हर पल में कालातीत शान गूंजती रहें। भारत की विभिन्न संस्कृतियों को समझते हुए, रिवाह हर क्षेत्र के अनुरूप ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन प्रस्तुत करता है, जो विभिन्न समुदायों की दुल्हनों की पसंद, जरूरतों को पूरा करते हैं। इसीलिए रिवाह बाए तनिष्क हर वेडिंग फंक्शन के लिए सबसे सही है। रिवाह

के कलेक्शन्स स्थानीय परंपराओं और पसंद का आदर करते हैं, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की नथ से लेकर, महाराष्ट्र की ठुशी और तोड़े कंगनों तक हर आभूषण यहां बनाया जाता है। बहुत ही सोच-समझकर बनाए गए इन आभूषणों में हर दुल्हन को ऐसे आभूषण मिलते हैं जो उसकी व्यक्तिगत स्टाइल और सांस्कृतिक विरासत को प्रतिबिंबित करते हैं, और परंपरा और आधुनिक शान का मिलाप करने वाले ब्रांड के रूप में रिवाह के स्थान को रेखांकित करते हैं।जैसे अक्षय तृतीया नयी शुरूआत का प्रतीक है, यह कलेक्शन परंपरा, असलियत, नयापन और दीर्घकालीन मूल्य का मिलाप करने वाले आभूषणों की बढ़ती मांग को पूरा करता है। शादी बहुत ही वैयक्तिक समारोह होता है और मैरिजेस क्राफ्टेड बाए यू व्यक्तिगत अभिव्यक्ति की भावना को दर्शाता है, दुल्हनों को उनकी परंपरा को सम्मानित करते हुए आधुनिक शान पाने का अवसर देता है। वेडिंग कलेक्शन का हर डिजाइन परंपरा और आधुनिकता की कहानी बयान करता है।

श्रीनगर से 4 अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था की, सभी एयरलाइंस मृतकों को गृह राज्य तक पहुंचाएं

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने प्रभावित पर्यटकों और पीड़ितों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए तत्काल राहत उपायों के हिस्से के रूप में श्रीनगर से 4 विशेष उड़ानों (दो दिल्ली और दो मुंबई के लिए) की व्यवस्था की गई है। अतिरिक्त उड़ानों को स्टैंडबाय पर रखा गया है ताकि निकासी की आगे की जरूरतों को पूरा किया जा सके। नायडू ने सभी एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ एक तत्काल बैठक की और सर्ज प्राइसिंग के खिलाफ सख्त सलाह जारी की। एयरलाइनों को नियमित किराया स्तर बनाए रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस संवेदनशील समय में किसी भी यात्री पर बोझ न पड़े। नायडू ने सभी एयरलाइनों को निर्देश दिया है कि वे राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हुए, मृतक व्यक्तियों को उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने में पूरा सहयोग करें।

टिकट कैंसिलेशन, रीशेड्यूलिंग फीस पर करें सभी विचार

मंत्रालय द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार- एयरलाइनों को सलाह दी जाती है कि वे बढ़ती मांग के जवाब में उड़ानों की संख्या बढ़ाने के लिए त्वरित कार्रवाई करें और साथ ही श्रीनगर से भारत भर के विभिन्न गंतव्यों तक बिना किसी व्यवधान के कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें, जिससे फंसे हुए पर्यटकों को निकालने में सुविधा हो। इसमें आगे निवेदन किया गया है कि टिकट कैंसिलेशन और रीशेड्यूलिंग फीस को लेकर भी गंभीरता से विचार किया जाए। रिलीज में आगे लिखा है- एयरलाइंस से यह भी अनुरोध किया जाता है कि वे रद्दीकरण और पुनर्निर्धारण शुल्क माफ करने पर विचार करें और इस कठिन समय के दौरान अप्रत्याशित परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना करने वाले पर्यटकों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करें।

कोड्स को स्कैन करने पर पौधे का नाम, औषधीय गुण का पता चलेगा

धरमपुर सम्हार के शासकीय प्राथमिक विद्यालय का नवाचार

पृथ्वी को बचाने उठाया अनोखा कदम, पेड़ अब खुद बताएंगे अपनी कहानी, क्यूआर कोड से मिलेगी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

जिले के बागबहरा ब्लॉक के धरमपुर सम्हार स्थित एक शासकीय प्राथमिक विद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठा कदम उठाया है। यहां पौधों पर लगाए गए क्यूआर कोड के माध्यम से अब पौधे खुद अपनी जानकारी साझा कर रहे हैं। गूगल लेंस से इन कोड्स को स्कैन करने पर पौधे का नाम, बढ़ने की स्थिति, औषधीय गुण, पोषण संबंधी जानकारी आदि मोबाइल स्क्रीन पर दिखाई देती है।

विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका रिंकल बग्गा द्वारा विकसित इस परियोजना का नाम मिशन लाइफ है। यह विचार उन्हें तीन साल पहले आया था, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित एक वेबिनार के बाद सक्रिय रूप से लागू करना शुरू किया। उन्होंने इस तकनीक का एक वीडियो भी संबंधित अधिकारियों के साथ साझा किया है, जिससे अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा मिली है। मां के नाम एक

पेड़ अभियान इस नौ दिवसीय कार्यक्रम में 'मां के नाम एक पेड़' अभियान, बीज बॉल रोपण, गर्मी में पेड़ों को पानी देने की योजना, सामूहिक पौधरोपण और स्वच्छता अभियान जैसे कार्य शामिल हैं। इसके अलावा वर्षा जल संचयन, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक साक्षरता, पोषण वाटिका निर्माण और पर्यावरण जागरूकता रैलियों का आयोजन भी किया जाएगा। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा द्वारा यह पहल पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही है।

पौधों पर क्यूआर कोड किया गया जनरेट

विद्यालय परिसर में पहले ही 15 प्रमुख पौधों पर क्यूआर कोड लगाए जा चुके हैं। सहायक शिक्षक जनक राम ध्रुव ने बताया कि इस पहल में विद्यार्थियों और अभिभावकों की भागीदारी उत्साहजनक रही है। बच्चे मोबाइल उपकरण लेकर आते हैं और पौधों की जानकारी स्कैन करके सीखते हैं, जिससे नई शिक्षा नीति के तहत स्वतंत्र और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है।

पार्कों में लगे पौधों के लिए तैयार किया जाएगा क्यूआर कोड

22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी शासकीय, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों में यह नवाचार अपनाया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थी विद्यालय एवं आसपास के पार्कों में लगे पौधों के लिए क्यूआर कोड तैयार करेंगे, जिससे प्रत्येक पौधा एक अनोखी पहचान प्राप्त करेगा। यह कार्यक्रम 22 अप्रैल से 30 अप्रैल तक मनाया जाएगा। विद्यालयों को मिशन लाइफ पोर्टल पर अपने इको क्लब की जानकारी, नोडल अधिकारी और छात्र प्रतिनिधियों को पंजीकृत करना अनिवार्य है। साथ ही सभी गतिविधियों को जियो-टैग्ड फोटो और वीडियो के साथ पोर्टल पर अपडेट करना होगा। मां के नाम एक पेड़ अभियान इस नौ दिवसीय कार्यक्रम में 'मां के नाम एक पेड़' अभियान, गर्मी में पेड़ों को पानी देने की योजना, सामूहिक पौधरोपण और स्वच्छता अभियान जैसे कार्य शामिल हैं।

परमाणु रिएक्टर क्षेत्र में पहला कदम

एमईआईएल को एनपीसीआईएल से 12,800 करोड़ की परमाणु विद्युत परियोजना का ऑर्डर

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड से कर्नाटक में दो 700 मेगावाट के परमाणु रिएक्टर - कैगा यूनिट 5 और 6 - के निर्माण के लिए 12,800 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है।

एनपीसीआईएल द्वारा दिया जाने वाला अभी तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। वहीं मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का परमाणु रिएक्टर क्षेत्र में पहला कदम है, जो भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में काफी मददगार साबित होगी।

एमईआईएल का था इन दिग्गजों से मुकाबला

मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को कर्नाटक में दो 700 मेगावाट क्षमता के परमाणु रिएक्टर कैग यूनिट 5 और 6 के निर्माण का ऑर्डर कई दिग्गजों को पीछे छोड़ने पर मिला है. इस ऑर्डर के लिए बीएसईएल और एलएंडटी जैसी दिग्गज कंपनियों ने भी बोली लगाई थी, लेकिन भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड ने गुणवत्ता और लागत दोनों को समान रखते हुए एमईआईएल को परमाणु रिएक्टर तैयार करने का ऑर्डर दिया. ये ऑर्डर एनपीसीआईएल के मुंबई मुख्यालय में सीएच. पी. सुब्बैया, निदेशक, एमईआईएल (परियोजनाएं) और उनकी टीम द्वारा सौंपा गया।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने 'अर्थ डे' पर पर्यावरणीय स्थिरता के लिये अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और निदेशक (विनिर्माण) श्री बी. पद्मनाभइस 'अर्थ डे' (पृथ्वी दिवस) पर, जब पूरी दुनिया 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' थीम के तहत एकजुट हो रही है, हमें याद आता है कि हमारे पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी हम सब की है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) में, यह प्रतिबद्धता हमारे अहम मूल्यों में अंतर्निहित है – जो हमें न केवल वैकल्पिक ईंधन से चलने वाले पावरट्रेन सहित विभिन्न विद्युतीकृत वाहन प्रौद्योगिकियों (xEVs*) को नया रूप देने और पेश करने के लिए प्रेरित करती है बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से लचीली दुनिया की खोज में अक्षय ऊर्जा को अपनाने सहित ऐसी सामूहिक पहल का नेतृत्व भी करती है जो निरंतर जारी रहें।2015 में घोषित वैश्विक टोयोटा की पर्यावरण चुनौती 2050 (चुनौती 1-6) के अनुरूप, हम टीकेएम में उत्पादों से आगे बढ़कर, विनिर्माण कार्यों और हमारी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में निरंतर जारी रहने वाले व्यवहारों को शामिल करके, कार्बन तटस्थता की ओर अपने पारगमन को तेज कर रहे हैं। टोयोटा के ग्रीनवेव प्रोजेक्ट के तहत, मियावाकी विधि से, हमने 328,000 से अधिक पेड़ लगाए हैं, पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल किया है और हमारे परिसर में 790 से अधिक देशी पौधों की प्रजातियों तथा 400 से अधिक जीव प्रजातियों के साथ जैव विविधता को समृद्ध किया है। पिछले साल ही, हमारे परिसर के बाहर 8,000 से अधिक पौधे लगाए गए ताकि हमारी हरित पहुंच को और भी आगे बढ़ाया जा सके। हमारा इकोज़ोन, एक 25 एकड़ का अनुभवात्मक शिक्षण स्थान है, जिसने 40,000 से अधिक छात्रों और हितधारकों को ज्ञान और प्रेरणा के साथ सशक्त बनाया है, जो पर्यावरण संरक्षक बनने के लिए सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को आत्मसात करते हैं।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

राशिफल

मेष – मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क – आशा–निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह – आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे

कन्या – मन में उतार–चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च

तुला – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक – मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु – आशा–निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर – मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन–सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ – मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन – मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

शब्द पहेली - 5846

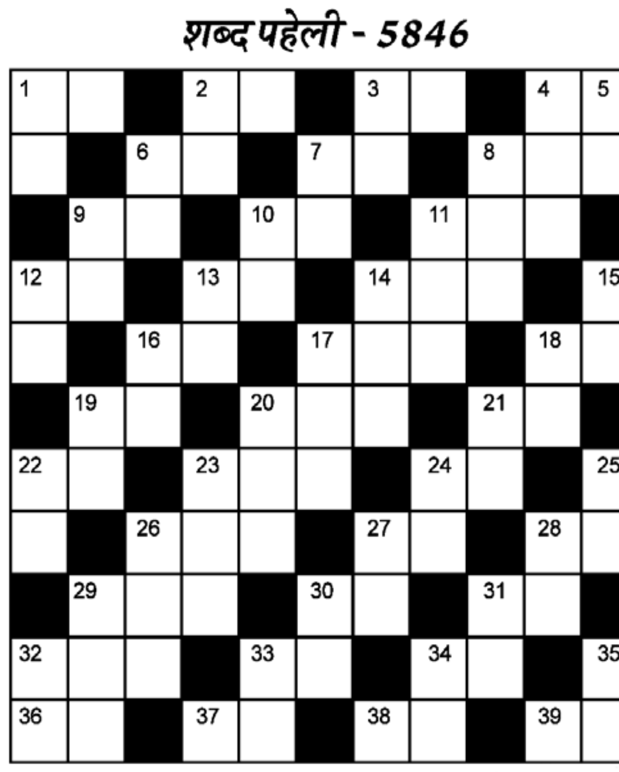

बाएँ से दाएँ
1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे
1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -5845 का हल

क	फ		ज	प		त	न		शा	न
प	त	न		ल	त		भ	ला		शा
	वा	न	र		म	ल		ज	रा	
फि		द	म	न		क	द		ज	न
दा	दा		ल	क	वा		म	स्त		ख
	न	या		ल	च	क		र	थ	
रा		क	ल		क	ल	म		ल	ब
ही	र		हू	र		ह	म	ल		ल
	स	जा		जा	ल		ता	ड़	ना	
य		म	त		ब	ध		ना	का	रा
म	य		ल	क्ष्य		न	ल		म	जा

सूडोकु नवताल - 5856

***** कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5855 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

पाकिस्तान से बंद हो खेल संबंध, सचिन-कोहली सहित खेल जगत ने जताया शोक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय खेल जगत ने भी पहलगाम आतंकी हमले पर शोक जताया है। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंध पूरी तरह समाप्त करने की मांग की है। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई है जिसमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने भी इस हमले पर दुख जताया और पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी है।

पहलगाम आतंकी हमला

'प्रभावित परिवार एक अकल्पनीय परीक्षा से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया दुख की इस घड़ी में उनके साथ है। हम लोगों की मौत पर शोक मनाते हैं और न्याय के लिए प्रार्थना करते हैं।'

- सचिन तेंदुलकर

'जम्मू-कश्मीर में हुए दुखद हमले से दिल दहल गया है। पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं।'

-नीरज चोपड़ा

'पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए मेरा दिल दुखता है। इतना दर्द। इतना नुकसान। कोई भी किसी भी कारण से ऐसी क्रूरता को उचित नहीं ठहरा सकता। पीड़ित परिवारों का दुख शब्दों से परे है, लेकिन आप अकेले नहीं हैं। हम आपके साथ हैं।'

- पीवी सिंधू

'पीड़ितों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवारों को शांति और शक्ति मिले और उन्हें क्रूर कृत्य के लिए न्याय मिले, इसके लिए प्रार्थना करता हूं।'

-विराट कोहली

'निंदा पर्याप्त नहीं है, न्याय अवश्य होना चाहिए। हमारे दिलों में पहलगाम के लिए दर्द है। आतंक की कभी जीत नहीं होनी चाहिए। पहलगाम हमले में प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना।'

- पीआर श्रीजेश

'धर्म के नाम पर निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना और उनकी हत्या करना पूरी तरह से बुराई है। यह कैसी लड़ाई है जहां इंसान की जान की कोई कीमत ही नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह पागलपन जल्द ही खत्म होगा और इन आतंकवादियों को दंडित किया जाएगा।'

- मोहम्मद सिराज

'पहलगाम आतंकी हमला उन खतरों की दिल दहला देने वाली याद दिलाता है जिनका हम सामना कर रहे हैं। मेरी प्रार्थनाएं उन आत्माओं और उनके परिवारों के साथ हैं जिन्हें हमने खो दिया। डर फैलाने वाले जान लें कि भारत एकजुट है, और न्याय होगा। जय हिंद।'

- साइना नेहवाल

खास खबर

राहुल निराशाजनक प्रदर्शन से आगे बढ़े

नई दिल्ली। दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को लगता है कि लोकेश राहुल लखनऊ सुपर जाइंट्स में पिछले सत्र के निराशाजनक प्रदर्शन से आगे बढ़ चुके हैं और मानसिकता में बदलाव से ना केवल उन्हें अपनी नई आईपीएल फ्रेंचाइजी में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिली है बल्कि इससे वह भारतीय टीम के लिए भी मजबूत खिलाड़ी बनेंगे। राहुल ने मंगलवार को सत्र का तीसरा अर्धशतक जड़ा और लखनऊ में अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी नई टीम दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से शानदार जीत दिलाई।

भविष्य की योजना भारत के लिए खेलना

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल देश के किसी भी अन्य क्रिकेटर की तरह भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा रखते हैं। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने 36 गेंदों में 51 रन बनाकर दिल्ली को मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स पर आठ विकेट से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोरेल ने कहा, 'मैं अपनी हर पारी का आनंद ले रहा हूं, हर पारी में बेहतर बनने की कोशिश कर रहा हूं। भविष्य की योजना भारत के लिए खेलना, लंबे समय तक देश के लिए खेलना है। लेकिन वर्तमान में मेरा पूरा ध्यान आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर है।'

हम कभी घबराते नहीं, यह सिर्फ खेल

नई दिल्ली। चेन्नई सुपरकिंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा कि एक फ्रेंचाइजी के तौर पर चेन्नई सुपरकिंग्स कभी नहीं घबराती और मौजूदा आईपीएल सत्र में पांच बार की चैंपियन के साधारण प्रदर्शन के बावजूद चिंता की कोई बात नहीं है। सुपरकिंग्स ने मौजूदा सत्र में लगातार पांच मैच गंवाए हैं और टूर्नामेंट में अपने आधे से ज्यादा मुकाबले खेलने के बाद आठ मैच में छह हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे है। बल्लेबाजी विभाग में उनके पास दमखम की कमी है और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की चोट के कारण अनुपस्थिति ने टीम के लिए स्थिति और खराब कर दी है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	8	6	2	12
दिल्ली	8	6	2	12
बेंगलुरु	8	5	3	10
पंजाब	8	5	3	10
लखनऊ	9	5	3	10
मुंबई	8	4	4	8
कोलकाता	8	3	5	6
राजस्थान	8	2	6	4
हैदराबाद	7	2	5	4
चेन्नई	8	2	6	4

ऑरेंज कैप

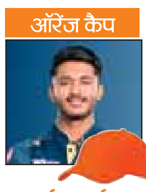

साई सुदर्शन
417 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
16 विकेट
गुजरात

आईपीएल : राजस्थान रॉयल्स से मुकाबला आज शाम 7.30 बजे

रॉयल चैलेंजर्स को घर में पहली जीत की तलाश, अब तक तीन मैचों में मिली हार

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीगके मैच में जब राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने रिकॉर्ड में सुधार करना होगा। आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा है। आरसीबी ने देश के अन्य स्थानों पर अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन अपने घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन के कारण उसको नुकसान हो रहा है।

आरसीबी के बल्लेबाज अजीब तरह के दबाव में नजर आ रहे हैं जबकि उसके गेंदबाज भी यहां की पिच से सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं। यहां की पिच धीमी है और आरसीबी के बल्लेबाज उस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। वह इस दुविधा में नजर आते हैं कि संभलकर खेला जाए या फिर आक्रामक रवैया अपनाया जाए। इसका सबूत यहां टीम का स्कोर है। आरसीबी की टीम अभी तक यहां आठ विकेट पर 169 रन, सात विकेट पर 163 रन और नौ विकेट पर 95 रन (14 ओवर में) ही बना पाई है। अन्य स्थानों पर उन्होंने प्रति ओवर 9-10 रन बनाए हैं, लेकिन यहां यह दर गिरकर 7-8 रन प्रति ओवर हो गई है।

आरसीबी का शीर्षक्रम फेल

आरसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य आधार विराट कोहली ने अभी तक इस सत्र में 64 की औसत से रन बनाए हैं लेकिन फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। आरसीबी के गेंदबाज भी पिच से मदद मिलने के बावजूद उसका फायदा नहीं उठा पाए हैं। आरसीबी को अगर अपने घरेलू मैदान पर हार का सिलसिला तोड़ना है तो उसके गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

आरआर की आठ मैचों में छह हार

राजस्थान रॉयल्स की भी अपनी समस्याएं हैं। कप्तान संजू सैमसन चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति में रियान पराग कप्तानी करेंगे। रॉयल्स के अभी चार अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। राजस्थान के प्रमुख बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, पराग, शिमरोन हेटमायर और नितीश राणा आठ मैचों में छह हार के बावजूद अच्छी फॉर्म में हैं और युवा वैभव सूर्यवंशी द्वारा की गई शुरुआत भी उत्साहजनक है। लेकिन राजस्थान के गेंदबाजों ने अभी तक निराश किया है।

श्रीलंकाई महिला वनडे टीम में कई बदलाव

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला के लिए बुधवार को 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें कई बदलाव किए गए हैं। मार्च में न्यूजीलैंड से 0-2 से श्रृंखला हारने के बाद से श्रीलंका ने अपनी टीम में आठ बदलाव किए हैं। अनुभवी चमारी अटापट्टू टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगी, जबकि तेज गेंदबाज मल्की मदारा को पहली बार वनडे में टीम में शामिल किया गया है। विशमी गुणरत्ने, नीलाक्षी सिल्वा, हासिनी परेरा, पियमी वाथसाला, देवमी विहंगा, इनोका राणावीरा और हंसिमा करुणारत्ने ने भी टीम में वापसी की है।

खबर संक्षेप

गिलेस्पी को पारिश्रमिक से वंचित नहीं किया गया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान की टेस्ट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा देने वाले ऑस्ट्रेलियाई जेसन गिलेस्पी को उनके पारिश्रमिक से वंचित नहीं किया गया है, जैसा कि मीडिया में आई खबरों में दावा किया जा रहा है। मीडिया में आ रही खबरों में कहा गया है कि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से संपर्क किया था और कथित बकाया भुगतान के लिए कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे थे, इन पर प्रतिक्रिया देते हुए पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि बोर्ड ने 'अनुबंध संबंधी दायित्वों से हटकर कुछ नहीं किया' है।

वनडे विश्व कप क्रिकेट का ओलंपिक : वॉ

मैड्रिड। एक दिवसीय क्रिकेट की प्रासंगिकता पर छिड़ी बहस के बीच आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने कहा है कि इस प्रारूप का महत्व कभी खत्म नहीं होगा क्योंकि विश्व कप क्रिकेट का ओलंपिक है। लॉरेस विश्व खेल पुरस्कार से इतर यहां चुनिंदा मीडिया से बातचीत में वॉ ने कहा कि छोटे प्रारूपों के दबाव के बावजूद वनडे क्रिकेट बना रहेगा और यह 2023 विश्व कप की 'व्यूअरशिप' से साबित है। उन्होंने कहा, 'हर किसी को लगता है कि वनडे क्रिकेट नहीं बचेगा लेकिन विश्व कप है ना जिसकी रेटिंग काफी ऊंची है और उसे लोग पसंद करते हैं। विश्व कप के बाद फिर इसमें रूचि कम हो जाती है और फिर बढ़ती है।

विथ्या का 400 मीटर बाधा दौड़ में रिकॉर्ड बेहतर

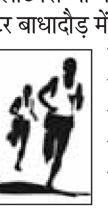

कोच्चि। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता विथ्या रामराज ने राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 400 मीटर बाधादौड़ में स्वर्ण पदक जीता और प्रतिस्पर्धा का रिकॉर्ड भी दुरुस्त किया। तमिलनाडु की 26 वर्ष की विथ्या ने 56.04 सेकंड का समय निकाला। पिछला रिकॉर्ड सरिताबेन गायकवाड़ के नाम था जिन्होंने 2019 में पटियाला में 57.21 सेकंड का समय निकाला था। थ्िया ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा निर्धारित एशियाई चैम्पियनशिप का 57 . 80 सेकंड का क्वालीफाइंग आंकड़ा भी छुआ ।

काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच में खिलाड़ी और अंपायर काली पट्टी पहनकर मैदान में उतरे। दरअसल, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ये फैसला लिया गया है। ये बदलाव पहलगाम में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए किया गया है।

रूद्राक्ष और पांच अन्य सेमीफाइनल में पहुंचे

अम्मान। रूद्राक्ष सिंह खाइदेम (46 किलो) समेत भारत के सभी छह मुक्केबाज बुधवार को एशियाई अंडर 15 और अंडर 17 मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गए। रूद्राक्ष ने किर्गीस्तान के ऐदार मुसाएव को 3-0 से हराया। लड़कों के अंडर 15 वर्ग में हरसिल (37 किलो) और संचित जयानी (49 किलो) ने 5-0 से जीत दर्ज की। संस्कार विनोद अतराम (35 किलो) ने 4-1 से मुकाबला जीता। परीक्षित बलहारा (40 किलो) ने मंगोलिया के अखमितखान नूरसलियेम को 3-2 से मात दी। लड़कियों के अंडर 15 वर्ग में मिल्की मेनाम (43 किलो) ने कजाखस्तान की येलदाना अब्दीगनी को 5-0 से हराया।

यूएस ओपन पिकलबॉल में खेलेंगे आंद्रे अगासी

नेपल्स। अपने जमाने के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी ने अपने आठ ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो यूएस ओपन में जीते और अब वह इसी नाम से एक अलग तरह की रैकेट स्पर्धा में खेलते हुए नजर आएंगे। अगासी ने फ्लशिंग मीडोज में अपना आखिरी मैच खेलने के बाद 2006 में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया था। वह अगले सप्ताह नेपल्स, फ्लोरिडा में यूएस ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप में मिश्रित प्रो डिवीजन में किशोरी अन्ना लेह वाटर्स के साथ जोड़ी बनाकर प्रतिस्पर्धा करेंगे। अगासी अगले सप्ताह 55 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने 1994 और 1999 में टेनिस यूएस ओपन जीता था।

मध्यप्रदेश रोड डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

MPRDC

(म.प्र. राज्य राजमार्ग प्राधिकरण/म.प्र. शासन का उपक्रम)
45-ए, अरेरा हिल्स, भोपाल–462011, CIN : U45203MP2004SGC016758
दूरभाष : 0755–2597290, 2765205, फैक्स : 0755-2572643, वेबसाइट : www.mprdc.gov.in
क्रमांक 241728/एमपीआरडीसी/स्था./एमआईएस/027/25 भोपाल, दिनांक : 23.04.2025

BID NOTICE

मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम हेतु GeM Portal के माध्यम से 01 नग Professional Large Format Display (Q2) एवं 01 नग Sophos Firewall-NGFW (Q2) क्रय किया जाना है जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

Sn.	Item	Bid No.	Bid Submission End Date
1.	Professional Large Format Display (Q2)	GEM/2025/B/6150022	12.05.2025
2.	Firewall – NGFW (Q2)	GEM/2025/B/6154305	12.05.2025

उक्त Bid's से संबंधित समस्त जानकारी https://gem.gov.in/ पर उपलब्ध है।
म.प्र. माध्यम/119768/2025 उप महाप्रबंधक (स्था.)

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

// द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO- 62 23.04.2025 2025_UAD_418404_1	संभाग क्रमांक -11 डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड अंतर्गत हनुमान टोरिया के पास स्थित सामुदायिक भवन की मरम्मत कार्य। (अध्यक्ष मद)	02 माह 2.47	2000/- 2470/-	05.05.2025

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा । पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा

कार्यपालन यंत्री,
नगर पालिक निगम
जबलपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद विदिशा (म.प्र.)

क्रमांक/2871 to 2873/स्वास्थ्य शाखा/2025 ई. निविदा आमंत्रण सूचना विदिशा दिनाँक 21/04/2025

नगर पालिका परिषद विदिशा द्वारा निम्न कार्य हेतु ई.निविदाओं का आमंत्रण किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	निविदा क्रं.	ई-टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	निविदा विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण की समयावधि	ई-निविदा क्रय अंतिम दिनांक
1	2871	2025_UAD_418342_1	supply of material for road repair work/ screw repair work under the body in the financial year 2025-26.	1 Call	4000000.00	30000.00	5000.00	12 Month	9/5/2025
2	2872	2025_UAD_418352_1	Supply of CRM and copra/murum in the financial year 2025-26	1 Call	3000000.00	22500.00	5000.00	12 Month	9/5/2025
3	2873	2025_UAD_418370_1	supply of material for Renovation work under the body in the financial year 2025-26	1 Call	2500000.00	18750.00	5000.00	12 Month	9/5/2025

1- निविदा प्रपत्र क्रय, डाउन लोड, करने एवं निविदा से सम्बन्धित समस्त शर्ते एवं जानकारी https://www.mpetenders.gov.in से एवं नगर पालिका परिषद विदिशा की स्वा. शाखा से प्राप्त की जा सकती है। इसके बाद किसी प्रकार का संशोधन होने पर वेबसाईट पर या कार्यालय से जानकारी प्राप्त होगी संशोधन का प्रकाशन समाचार पत्र में नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद विदिशा

कार्यालय नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव जिला छिन्दवाडा (म.प्र.)

(तामिया रोड वार्ड क्रमांक -03 जुन्नारदेव पिनकोड - 480551)

Phone (07160) 231007 ULB CODE- 802380 Emailid-cmojunardev@mpurban.gov.in

क्रमांक/593/न.पा./लोनिशा/2025 // द्वितीय निविदा सूचना// जुन्नारदेव, दिनांक 22/04/2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2025_UAD_413946_1 DATE 22.04.2025	DEVELOPMENT OF SABJI MANDI AREA AT WARD 10, JUNNARDEO (2nd Call)	06 माह 1,09,36,719/-	12,500/- 54,700/-	10-05-2025

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव, जिला-छिन्दवाड़ा

मझौली के मॉ रेवा वेयर हाउस प्रांगण में भी फिर हुआ घोटाला

मिट्टी युक्त गेहूं या गेहूं युक्त मिट्टी

संजय साहू

जबलपुर में धान खरीदी के बाद अब गेहूं का घोटाला भी सामने आ गया है। करोड़ों रुपये का घोटाला करने वाले अनाज माफिया अब गेहूं घोटाला करने पर आतुर हो गया है। दरअसल मझौली थाना क्षेत्र स्थित माँ रेवा वेयर हाउस में बड़ा धान घोटाला हुआ था, जिसमें फर्जी किसानों के नाम धान खरीदी गई थी, उसके बाद अब मिट्टी में गेंहू मिलाकर का वीडियो वायरल होते ही जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया।

हरिभूमि जबलपुर। इस घोटाले के बाद तत्काल मौके पर पहुंचे प्रशासन ने मिट्टी युक्त गेहूं को अपने कब्जे में ले लिया तथा पंचनामा की कार्यवाही करते हुए एफआईआर की बात की। आपको बता दें कि मॉ रेवा वेयर हाउस का धान घोटाला हरिभूमि आईएनएच ने ही उजागर किया था। गेंहू घोटाले का वीडियो जारी होते ही ग्राउंड जीरो पर पहुंची हरिभूमि आईएनएच की टीम।

उल्लेखनीय है कि धान का बड़ा फर्जीवाड़ा करने वाले मॉ रेवा वेयर हाउस फिर गेहूं को लेकर चर्चा में आ गया है, यहां पर लगभग 300 क्विंटल मिट्टी युक्त गेहूं मिलने से जिला प्रशासन में उस समय हड़कंप मच गया जब इसका वीडियो जारी हुआ। इसके बाद मौके पर पहुंचे प्रशासन ने पंचनामा की कार्यवाही कर, गेहूं को अपने कब्जे में ले लिया। बताया जाता है कि यह पूरा गेहूं मॉ रेवा वेयर हाउस के संचालक नीतेश पटेल द्वारा मिलावट कराया जा रहा था। इसके लिए बकायदा लगभग 15 मजदूरों को भी लगाया गया।

फोटो : अनूप लाल

नागरिक आपूर्ति निगम लिखे हुए बारदाने मिले

वेयर हाउस परिसर में जिस जगह पर मिट्टी मिला गेहूं पाया गया , वहां पर नागरिक आपूर्ति निगम हुआ नया बारदाना मिला। बारदाने में नान का लोगो भी था और उसमें मिट्टी मिलाया हुआ गेहूं भरा हुआ मिला है। इसके अलावा मौके से खाली बारदाने भी मिले हैं। वही प्लास्टिक की बोरियां भी परिसर में रखी हुई पाई गई है कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सिद्धार्थ राय ने बताया कि बारदानों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है कि यह कहां से ले गए हैं। वहीं वहीं जमीन पर पड़ी हुई मिट्टी को बारदानों में भरवा कर उसका भी वजन किया जाएगा। मौके से लगभग 100 गेहूं से भरी हुई बोरियां और तकरीबन सौ खाली बारदाने मिले हैं जिनको भी जब्त कर लिया गया है।

जांच के बिंदु

प्रशासन के अधिकारियों की मानें तो जो जांच के बिंदु तय किए गए हैं वह यह हैं कि यहां पर जो भी नया बारदाना मिला है, वह कहां से आया है, इसका सेंपल लिया गया है, बारदाना में नागरिक आपूर्ति निगम का लोगो है, जिससे यह तो तय है कि बारदाना अभी खरीदी के लिए लाया गया है। इसके साथ इतनी बड़ी मिलावट में करने में किसका हाथ है।

फैक्ट फाइल

- लगभग 300 क्विंटल गेहूं में मिली मिट्टी
- मौके पर ये समझना मुश्किल था कि मिट्टी में गेहूं है या गेहूं में मिट्टी
- मौके पर नागरिक आपूर्ति निगम का नया बारदाना मिला
- वारदाना में भी भरा था मिट्टी युक्त गेहूं
- गेहूं में मिट्टी मिलाने का वीडियो वायरल।

ब्लैक लिस्टेड है मॉ रेवा वेयर हाउस

तहसीलदार वीर बहादुर सिंह ने बताया कि उनको सूचना मिली थी कि मां वेयरहाउस परिसर में गेहूं में मिट्टी में लाने का काम किया जा रहा है सूचना मिलने के बाद वह अमले के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने वहां पर देखा तो पाया कि गेहूं में मिट्टी मिलने का काम किया जा रहा था मौके पर मिट्टी मिला हुआ गेहूं पाया गया और समीप ही मिट्टी से भरा एक ट्रक भी परिसर में खड़ा हुआ था तहसीलदार ने बताया कि गेहूं और ट्रक को जब्त कर मझौली थाने में प्रकरण पंजीबद्ध करने की प्रक्रिया की जाएगी।

लगभग 300 क्विंटल है गेहूं

उन्होंने बताया कि मौके पर लगभग तीन सौ क्विंटल गेहूं और मिट्टी पाई गई है मां रेवा वेयरहाउस धान खरीदी में हुए घोटाले में आरोपी बनाए गए नितेश पटेल का बताया जा रहा है जो की ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था। वेयरहाउस परिसर में इतनी बड़ी मात्रा में गेहूं में मिट्टी की मिलावट किए जाने से किसानों में भी आक्रोश नजर आ रहा है। किसानों का कहना है कि हमारी धान का पैसा अभी मिला नहीं और ये नया भ्रष्टाचार सामने आ गया है।

ओम साईं राम वेयर हाउस का नाम आया सामने

मिट्टी युक्त गेहू मिलने से मचे हड़कंप के बाद जो जिला प्रशासन के सामने ओम साईं राम वेयरहाउस का नाम सामने आया है, हालांकि जांच करने पहुंचे सिहोरा एसडीएम रूपेश सिंघई का कहना है कि मुझे जानकारी मिली थी, इसलिए यहां पर मैं आया परंतु प्रथम दृष्टया यहां पर ऐसी कोई बात नजर नहीं आ रही है। फिर भी हम जांच कर रहे हैं। ओम साईं राम वेयर हाउस में सीएलएफ द्वारा खरीदी की जा रही है जो कि महिलाओं का एक समूह है।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, भेजा जेल

कोचिंग पढ़ाने वाले डॉक्टर ने एफबी पर डाली विवादित पोस्ट

हरिभूमि, जबलपुर।

पूरा देश पहलगाम में आतंकी घटना से क्षुब्ध है और आक्रोशित हैं, लेकिन कुछ कट्टरपंथी अभी भी बाज नहीं आ रहे है। दृष्टि कोचिंग सेंटर में पढ़ाने वालें मोहम्मद ओसाफ खान के एक शख्स ने अपने फेसबुक एकाउंट में निम्न स्तर की टिप्पणी करते हुए उस महिला का फोटो का शेयर भी किया है जिसके पति को आतंकवादी ने मार दिया है, और लिखा है कि इस औरत की जांच होनी चाहिए, हो सकता है कि इसने शूटर को हायर किया हो और मौका मिलते ही अपने पति को निपटा दी। इसके बाद बवाल मच गया। स्क्रीनशॉट वायरल होने पर लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया। सिंधी कैंप भोलानगर निवासी अभय श्रीवास्तव ने इस मामलें में हनुमानताल थाने में एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि मोहम्मद ओसाफ खान द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक अमार्यादित पोस्ट की गई हैं। पोस्ट पढ़ने के बाद आमजन की मानवीय संवेदनाओं को गहरा अज्ञात पहुंचा है। पुलिस ने लिखित शिकायत पर धारा 196 (ए) बीएनएस और धारा 170 के तहत गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया। यहां उल्लेखनीय है कि पहलगाम की दर्दनाक आतंकी वारदात पर पूरा देश स्तब्ध हैं और शोकसंवेदनाएं व्यक्त कर रहा है। ऐसे में अमार्यादित टिप्पणी लोगों के आक्रोश को और बढ़ा रही हैं। बताया जाता है कि आरोपी हनुमानताल थाना क्षेत्र का रहने वाला है और दृष्टि कोचिंग सेंटर में पढ़ाता है। एक पढ़े लिखे व्यक्ति द्वारा इस तरह की पोस्ट किए जाने से समाज में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने बताया कि लोग सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने से बचे, पुलिस की सायबर सेल द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना (म. प्र.) 485334

(मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित) NAAC 'A++' ग्रेड विश्वविद्यालय

प्रवेश सूचना : 2025-26 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर, स्नातक एवं डिप्लोमा के नियमित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एम. पी. ऑनलाइन माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं-

कृषि संकाय: प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश :- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एम.एस-सी. एजी (कृषि प्रसार, मृदा विज्ञान, सस्य विज्ञान, उद्यानिकी - सब्जी विज्ञान, जैवरसायन)

कला संकाय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एम. एस. डब्ल्यू., एम. एफ. ए. (पेंटिंग, एप्लाइड आर्ट, स्कल्पचर), एम.लिब.आई.एससी., एम.ए. (ड्राइंग - पेन्टिंग), , एम.ए. (हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, राजनीति विज्ञान, इतिहास (संस्कृति व पुरातत्व), समाजशास्त्र, एप्लाइड - मनोविज्ञान, खेल एवं मनोविज्ञान, योग, एम.पी.ए. (तबला), स्नातक पाठ्यक्रम: बी. लिब. आई.एससी. बी.ए. (मानव चेतना और योग विज्ञान), बी.ए. (बी.ए. आनर्स / रिसर्च), बी.एस. डब्ल्यू, बी. एफ.ए.(पेंटिंग, एप्लाइड आर्ट, स्कल्पचर), बी.पी.ई.एस. (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट), बी.पी.ए. (बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट- वोकल एवं तबला); डिप्लोमा / पी. जी. डिप्लोमा - पी. जी. डिप्लोमा, (योगा एण्ड नेचुरोपैथी) डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र, डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड, डिप्लोमा इन ज्योतिष

विज्ञान और पर्यावरण संकाय - स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एम.एस-सी. (प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रिमोट सेंसिंग एण्ड जीआईएस, पर्यावरण विज्ञान आर्गेनिक रसायन, भौतिकी, एप्लाइड भूविज्ञान, गणित, कम्प्यूटर साइंस), स्नातक पाठ्यक्रम: बी.एस-सी., (बी - एस. सी. आनर्स / रिसर्च), बी.सी.ए., (बी.सी.ए. आनर्स / रिसर्च), बी. एस - सी (एवीएशन साइन्स), बी.एस-सी. (एरोनॉटिकल साइन्स), बी. सी. ए. डिप्लोमा / पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम: डी.सी.ए., पी. जी. डी. सी. ए.

ग्रामीण विकास और व्यवसाय प्रबंधन संकाय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एम.कॉम., एम.ए. ग्रामीण विकास, एम. बी. ए. (कृषि व्यवसाय प्रबन्धन), एम.बी. ए. (ग्रामीण प्रबन्धन), एम. बी. ए. (लघु व्यवसाय प्रबन्धन), स्नातक पाठ्यक्रम: बी.बी.ए. (बी.बी.ए. आनर्स / रिसर्च), बी.बी.ए. (बी.बी.ए. आनर्स/रिसर्च-एवीएशन एण्ड हास्पीटेलिटी), (बी.बी.ए. आनर्स / रिसर्च - एवीएशन मैनेजमेन्ट), (बी.बी.ए. आनर्स / रिसर्च - एअरपोर्ट मैनेजमेन्ट), बी.कॉम. (बी.कॉम. आनर्स / रिसर्च), बी.कॉम. (बी.आइ.एफ.ए.), पी. जी. डिप्लोमा :- पी. जी. डी. एम. - एल. एस. सी. एम. (लोजेस्टिक एण्ड सप्लाई चैन मैनेजमेन्ट, डिजिटल बैंकिंग, ई.एक्स. आई. एम. (एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट मैनेजमेन्ट), टी. एच. एम. (टूरिज्म एण्ड हास्पिटलिटी मैनेजमेन्ट), आई.आर. एम. (इन्श्योरेन्स एण्ड रिस्क मैनेजमेन्ट)।

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय:- स्नातक पाठ्यक्रम: बी. टेक. (फूड टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, इन्फॉरमेशन टेक्नोलोजी, सिविल इंजीनियरिंग), बी. टेक. लैटरल इण्ट्री (थर्ड सेमेस्टर में - फूड टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, इन्फॉरमेशन टेक्नोलोजी, सिविल इंजीनियरिंग डिप्लोमा : डिप्लोमा इन केबिन क्रू, डिप्लोमा इन एअर पोर्ट ग्राउन्ड आपरेशन, डिप्लोमा इन ड्रोन आपरेशन,

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र - स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : एम. वोक. (कृषि संचालन और प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी) स्नातक पाठ्यक्रम: बी.वोक. (खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी)

- राज्य/केंद्र स्तरीय निकाय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश - बी.टेक.(सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी, सिविल इंजीनियरिंग, कृषि इंजीनियरिंग), एम.बी.ए. (कृषि व्यवसाय प्रबंधन, ग्रामीण प्रबंधन, लघु व्यवसाय प्रबंधन), बी.एड., एम.एड., बी.एल.एड., बी.. एस - सी. (कृषि) आनर्स
- एन.टी.ए. के माध्यम से प्रवेश :- बी. ए. बी.एड., बी. एस. सी. बी. एड. बी. कॉम.बी.एड.

नोट - उपरोक्त सभी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश केन्द्रीय / राज्य स्तर के प्रवेश निकाय के माध्यम से किया जाता है । रिक्त सीटों को स्थानीय परामर्श द्वारा भरा जायेगा। बी.टेक. एवं एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों में प्रवेश हेतु एम.पी. ऑन लाइन माध्यम से पंजीयन जारी रहेगा ।

महत्वपूर्ण तिथियाँ एवं आवेदन शुल्क

ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन पत्र की लिंक ओपन की उपलब्धता	-17 अप्रैल, 2025
आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि	- 25 जून, 2025
सामान्य / ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन / पंजीकरण शुल्क	- रू. 600.00
मध्यप्रदेश के एससी / एसटी और सभी महिला अभ्यर्थियों के लिए आवेदन / पंजीकरण शुल्क एम.पी. आनलाइन पोर्टल शुल्क	- रू. 300.00
एमपी ऑनलाइन पोर्टल	- रू. 150.00

प्रवेश परीक्षा : एम.एस. सी. (कृषि) प्रवेश परीक्षा केंद्र : विश्वविद्यालय परिसर दिनांक- 30 जुलाई 2025

निर्देश-• उम्मीदवार एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से या इंटरनेट का उपयोग एम पी ऑनलाइन पोर्टल https://mgcgv.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं ।
•विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निर्देश पात्रता शुल्क आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है (web: www.gramodayachitrakoot.ac.in)
•स्नातकोत्तर में प्रवेश All India Common EntranceTest (CUET) 2025 एवं विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से भी किया जावेगा ।
•अन्य जानकारी के लिए छात्र निम्नलिखित नंबर पर संपर्क कर सकते है 07670-265394, 9695574093

कुलसचिव

ट्रेन में रेलवे ने प्रदान की है कई आधुनिक सुविधाएं

अमृत भारत ट्रेन देगी सुरक्षित और आरामदायक यात्रा

जबलपुर। भारतीय रेलवे ने अमृत भारत ट्रेन के रूप में एक नवीनतम पहल की शुरुआत की है, जो यात्रियों को न केवल सुविधाजनक बल्कि अत्यंत सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। यह पूरी तरह से गैर-वातानुकूलित ट्रेन स्लीपर-कम-अनारक्षित सेवा के साथ लंबी दूरी के यात्रियों के लिए किफायती विकल्प उपलब्ध कराएगी। अमृत भारत ट्रेन की विशेषता इसकी अत्याधुनिक डिजाइन और सुविधाएं हैं। इसमें एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन की गई सीटें और बेहतर प्रकाश व्यवस्था है, जिससे यात्रियों का सफर बेहद आरामदायक होगा। मॉडर्न इंटीरियर के साथ-साथ मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, अपग्रेडेड टॉयलेट और एंबिएंट लाइटिंग यात्रियों को अधिक सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करेंगी। यह ट्रेन पारंपरिक ट्रेनों की तुलना में उच्च गति और बेहतर दक्षता के लिए तैयार की गई है। दोनों सिरों पर इंजन के साथ पुश-पुल ऑपरेशन सिस्टम, बेहतर गति नियंत्रण और ईपी-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम से लैस यह ट्रेन यात्रा के समय को काफी कम कर देगी।

सुरक्षा की दृष्टि से भी अमृत भारत ट्रेन में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। इसमें अत्याधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम और उन्नत फायर प्रोटेक्शन मेज़र्स शामिल हैं। प्रत्येक कोच में इमरजेंसी टॉकबैक सुविधा, बाहरी आपातकालीन लाइटें, और मॉड्यूलर टॉयलेट्स यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को और मजबूत बनाते हैं। विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए स्लीपर और सामान्य कोच यात्रियों की यात्रा को अत्यंत आरामदायक बनाते हैं। स्लीपर कोचों में 60 एमएम मोटी गद्देदार सीटें और अतिरिक्त हैंडल्स की सुविधा दी गई है, वहीं सामान्य कोचों में 50 एमएम मोटी गद्दी और फुल-हाइट बैकरेस्ट की सुविधा उपलब्ध है। रेल यात्रियों की खान-पान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पहली बार गैर-वातानुकूलित एलएचबी ट्रेनों में अत्याधुनिक हाई-कैपेसिटी पैंट्री कार की सुविधा दी गई है, जिसमें कॉम्बी ओवन, इंडक्शन हॉट प्लेट, डीप फ्रायर और वाटर प्यूरिफायर जैसे आधुनिक उपकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त ट्रेन में प्रत्येक यात्री के लिए मोबाइल और बोतल होल्डर, सीसीटीव्ही कैमरा, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम और एलईडी डेस्टिनेशन बोर्ड जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। अमृत भारत ट्रेन न केवल यात्रा को सुखद और सुरक्षित बनाएगी, बल्कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को भी मजबूती प्रदान करेगी, जिससे व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

हाईकोर्ट की फुल बेंच का महत्वपूर्ण फैसला : कलेक्टर को वाहन राजसात करने का अधिकार नहीं

आबकारी अधिनियम की धारा 47 असंवैधानिक घोषित

जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत, जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी व जस्टिस विवेक जैन की फुल बैंच ने आबकारी अधिनियम की धारा 47 को असंवैधानिक करार दिया है। फुल बेंच ने स्पष्ट किया है कि कलेक्टर को वाहन राजसात करने का अधिकार नहीं है। फुल बेंच ने कलेक्टर के उस आदेश को विलोपित करते हुए असंवैधानिक घोषित कर दिया है. जिसमें अभी तक अपराध में शामिल वाहन को राजसात करने का अधिकार कलेक्टर के पास था। सागर निवासी रामलाल झारिया की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट विवेक रंजन पांडे, जयंत नीखरा, संजीव नीखरा ने कोर्ट में दलीलें पेश की। याचिकाकर्ता के वकील विवेक रंजन पांडे ने दलील दी कि आबकारी अधिनियम धारा 47 असंवैधानिक है। कलेक्टर को वाहन राजसात करने का अधिकार नहीं है। इसी तरह गोवंश अधिनियम 2004 में दिए उस प्रावधान को भी चुनौती दी गई थी. जिसमें अपराध में शामिल वाहन को राजसात करने का अधिकार कलेक्टर को था. अलग-अलग बेंच में लगे इन मामलों को कई बार उठाया गया. जिसके चलते वैधानिक प्रश्न के निराकरण के लिए फुल बेंच को यह केस रेफर किया गया. कई बार मालिक की मर्जी बिना भी वाहन का उपयोग होता है. बहुत बार ऐसा भी होता है कि चोरी के वाहन से शराब सप्लाई की जाती है. जिसे आबकारी विभाग या फिर पुलिस कई बार पकड़ भी लेती है. लंबी ट्रायल के चलते राजसात वाहन कंडम हो जाते हैं और उनकी नीलामी हो जाती है. कई लोग ऋण लेकर वाहन खरीदते हैं. वाहन जब्त होने से मालिक को अपूर्णीय क्षति होती है. अधिवक्ता विवेक रंजन पांडे ने बताया कि सागर के याचिकाकर्ताओं ने आबकारी अधिनियम की धारा 47 की संवैधानिकता को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। चीफ जस्टिस सहित दो अन्य जस्टिस की विशेष पीठ ने मामले की सुनवाई की. फुल बेंच ने एक्साइज एक्ट की धारा 47 को असंवैधानिक घोषित किया है. कलेक्टर क्रिमिनल ट्रायल होने के पहले ही उन वाहनों को राजसात कर लेते थे, जो एक्साइज एक्ट के तहत अवैध शराब ले जाते समय जब्त होते थे. तीन जजों की विशेष पीठ ने यह निर्णय दिया है कि कलेक्टर को आपराधिक प्रकरण में सजा दिए जाने से पहले जब्त हुए वाहन को राजसात करने का अधिकार नहीं है. धारा 47 में दिया गया अधिकार असंवैधानिक है. कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि सजा दिए जाने के बाद ही वाहन को राजसात किया जा सकता है इससे पहले की गई कार्रवाई असंवैधानिक होगी. अधिवक्ता विवेक रंजन पांडे ने बताया कि हाईकोर्ट की फुल बेंच के इस ऐतिहासिक फैसले से उन लोगों को लाभ पहुंचेगा जिनके वाहन बिना वजह ही राजसात हो जाते थे. उन्होंने बताया कि कोर्ट के आदेश का असर खनिज, वन, कस्टम सहित उन विभागों पर भी पड़ेगा जहां पर कि वाहनों के राजसात की कार्यवाही की जाती है. कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा कि ऐसे मामलों में वाहन राजसात करने के अधिकार अब सिर्फ न्यायिक मजिस्ट्रेट को होंगे. हाईकोर्ट का यह आदेश उन सभी लंबित मामलों पर प्रभावी होगा जिसमें आज तक जिला दंडाधिकारी ने राजसात या जब्ती का आदेश नहीं दिया है।

अभाविप ने लगाया आरोप, सौंपा ज्ञापन

मेडिकल कॉलेज प्रांगण विद्यार्थियों के लिए असुरक्षित

हरिभूमि जबलपुर।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज की विभिन्न समस्याओं को लेकर सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जबलपुर महानगर (अभाविप) ने ज्ञापन सौंपा। अभाविप जबलपुर महानगर के कार्यकर्ता व महाविद्यालय के छात्रों द्वारा डीन ऑफिस के बाहर प्रदर्शन भी किया। अभाविप जबलपुर महानगर मंत्री ऐश्वर्य सोनकर ने बताया प्रांगण के आसपास कई प्रकार की घटनाएं घटित होती रहती हैं व असामाजिक तत्वों का प्रवेश होता हैं अतः प्रांगण को सुरक्षित किया जाए। ज्ञापन में कहा गया कि छात्रों ने बताया कि महाविद्यालय में पढने वाली छात्राओं के लिए छात्रावास में पर्याप्त सीट नहीं हैं। जिससे कई छात्राओं को बाहर रहना पड़ता हैं। कूलर फैन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं जिसे शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। अभाविप द्वारा सौंपे गए 5 सूत्रीय मांगों के संदर्भ ज्ञापन में कहा गया कि छात्राओं के हॉस्टल मे पर्याप्त शीट न होने से कुछ छात्राओं को बाहर रहना पड़ता पड़ता है अतः नये हॉस्टल का निर्माण कराया जाए। रीडिंग रूम मे वॉटर कूलर की सुधार कराया जाए। इंटर्न / पी.जी. स्टाइपेंड समय पर दिया जाए, पार्किंग में शेड की व्यवस्था की जाए और कैंपस के आस-पास आए दिन कोई न कोई घटना घटती रहती है अतः सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत की जाए व क्लोज़ कैंपस बनाया जाए। ज्ञापन के दौरान महानगर मंत्री ऐश्वर सोनकर, प्रांत सह मंत्री आर्यन पुंज, प्रांत गिज्ञासा प्रमुख रोहित पांडे, स्नेही सरधा, मन्नू, सम्राट नायक, प्रभांश शर्मा, सौरभ पटेल, अरमान दानिश, सत्यम पटेल, भास्कर पटेल, आशुतोष पटेल, हार्दिक विश्वकर्मा एवं महाविद्यालय के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240